रजिस्ट्री सं. डी.---(डी एन)---73

REGISTERED NO. D---(DN)---73

24 MAR 1982

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, शनिवार फरवरी 20, 1982 (फाल्गुन 1, 1903)

No 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 20, 1982 (PHALGUNA 1, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	195
भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	227
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	3
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	201
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खंड 1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खंड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II—खंड 3 (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा परीक्षक संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	2051
भाग III—खंड 2—पैटेन्ट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	63
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	77
भाग III—खंड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	683
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	45
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दिखाने वाला अनुपूरक	*

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई

1—461GI/81

CONTENTS

	PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence ..	195
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Apprpointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	227
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Resolutions and non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	3
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	201
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1-A.—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	*
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*
PART II—SECTION 3(iii).—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules and Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	2051
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	63
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	77
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	683
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	45
PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*

*Folio Nos. not received

भाग I—खण्ड 1
PART I—SECTION 1
(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 1982

सं. 10-प्रेज/82—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उनकी असाधारण कर्त्तव्यपरायणता अथवा साहस के कार्यों के लिये "सेना मैडल"/"आर्मी मैडल" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

मेजर ओंकार नाथ दूबे (आई सी 13059)
राजपूत।

मेजर ओंकार नाथ दूबे, राजस्थान के बाड़मेर जिले में बालोतरा में जुलाई, 1979 में बाढ़ राहत कार्यों के लिए नियुक्त सैनिकों के प्रभारी अधिकारी थे। नगर का सब ओर से सम्पर्क टूटा हुआ था और उसके चारों ओर गांव जलमग्न थे और वहां पर मकान तथा झोंपड़ियां ढह गई थीं। नगर के लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए मेजर दूबे ने साहस और कुशलता के साथ तत्काल राहत और बचाव कार्यों की व्यवस्था की। इन्होंने बड़े कारगर ढंग से वाणिज्य पदार्थों के वितरण की व्यवस्था करके व्यापारियों की पूरी-पूरी सहायता की।

इसी दौरान इन्हें पता लगा कि बाढ़ ग्रस्त लूनी नदी के पार एक मंदिर की छत पर बैठे लगभग 20 व्यक्ति घिरे हुए थे। मंदिर 4-1/2 मीटर पानी में डूबा हुआ था। मेजर दूबे एक नौका लेकर दो जवानों के साथ बाढ़ में फंसे हुए व्यक्तियों के बचाव के लिए चल पड़े। रास्ते में इनकी नौका तेज धार में बह गई। बिना घबराए ये नदी में कूद पड़े और नौका को धार से निकालने में सफल हुए और उसे मंदिर तक ले गए और वहां फंसे हुए व्यक्तियों को निकाल लाए।

इस कार्रवाई में मेजर ओंकार नाथ दूबे ने साहस नेतृत्व और उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

मेजर हरदयाल सिंह गिल (आई सी 18040)
महार।

4 अप्रैल, 1979 की श्रीनगर में भारत और पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षण दल के मुख्यालय पर नारे लगाते हुए एक अनियंत्रित भीड़ ने हमला कर दिया था। इस संगठन में भारतीय सैन्य सम्पर्क अधिकारी मेजर हरदयाल सिंह गिल, मुख्यालय की इमारत की सुरक्षा के सर्वकार्य भारी अधिकारी थे। स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए, इन्होंने इमारत की सुरक्षा के लिए एक स्वतन्त्र परिवहन पलटन के कार्मिकों तथा अपने अधीन गार्ड्स को संगठित किया। जब स्थिति और गम्भीर हो गई तो भीड़ को नियंत्रण में लाने के लिए इन्होंने अपने जवानों को आत्म रक्षा में गोली चलाने का आदेश दिया ताकि भीड़ इन जवानों और वाहनों तथा इमारत को आगे नुकसान न पहुंचा सके। ये अपने दल को प्रेरित करते हुए एक कोने से दूसरे कोने तक आते-जाते रहे और कुमक पहुंचने तक पांच घंटे से अधिक समय तक भीड़ को रोके रहे।

इस कार्रवाई में मेजर हरदयाल सिंह गिल ने दृढ़ निश्चय साहस और उच्च कोटि के नेतृत्व का प्रदर्शन किया।

मेजर त्रिलोक सिंह रावत (आई सी 14642)
सिख।

मेजर त्रिलोक सिंह रावत, नागालैंड के पोचरी क्षेत्र में दूर-दूर फैली सीमा चौकियों के कमांडर रहे हैं। इन चौकियों के कमांडर के रूप में इन्हें सीमा के आर-पार गैर-कानूनी घुसपैठ रोकने और उस क्षेत्र के निवासियों को सभी सम्भव सहयोग और सहायता देने का काम सौंपा गया था।

मेजर रावत ने उस क्षेत्र में बहुत सुनियोजित ढंग से अपने सैनिक तैनात किए और बार-बार चौकियों का दौरा किया जिससे सीमा पर पूरी नाके बन्दी की स्थिति हो गई। इन्होंने कई सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन किया और स्थानीय लोगों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित किए। एक घटना में, उनकी तत्काल कार्रवाई से एक गांव के काफी बड़े भाग को आग से नष्ट होने से बचा लिया गया। इससे स्थानीय लोगों में सुरक्षा सेनाओं के प्रति सद्भावना बढ़ी।

इस प्रकार मेजर त्रिलोक सिंह रावत ने पहल शक्ति और उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

मेजर अक्कनतु मथाई मैथ्यू (वी 157)
रिमांउन्ट एण्ड वैटेरिनरी कोर।

मेजर अक्कनतु मथाई मैथ्यू ने अति दुर्गम तथा ऊंचे-ऊंचे भू-भागों में से घोड़ों पर सवार होकर श्रीनगर से लेह तक 434 किलोमीटर लम्बे क्षेत्र को पार करने के एक साहसिक तथा जोखिम-पूर्ण अभियान की योजना बनाई और उस पर चल पड़े। उनके नेतृत्व में एक अभियान दल को जिसमें तीन अफसर और तीन अन्य रैंक थे, पहली सितम्बर, 1978 को श्रीनगर से विदा किया गया।

इस अभियान दल को पग-पग पर अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। 3 सितम्बर, 1978 को जोजीला क्षेत्र में शिलाखण्ड गिरने से घोड़े तथा उनके सवार बहुत अधिक भयभीत हो गए थे। निर्जन ढलानों पर जाने वाले ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर बने रास्तों से भी दल को काफी असुविधाएं हुईं। रास्ते में मेजर मैथ्यू को पेशाब में खून आने के खतरनाक लक्षण दिखाई देने लगे। अपनी बीमारी को प्रकट किए बिना ये अपने अभियान दल के इसी रोग से पीड़ित दो अन्य सदस्यों की देख-भाल करते रहे और अपने दल के साथियों को शारीरिक कष्टों को झेलने में प्रेरित करते रहे। इस तरह भारी कठिनाइयों का साहस के साथ मुकाबला करते हुए मेजर मैथ्यू ने अपने दल का नेतृत्व किया और 8 सितम्बर, 1978 को यह दल लेह पहुंच कर अपने मिशन में सफल हो गया।

इस प्रकार मेजर अक्कनतू मथाई मैथ्यू ने पहल शक्ति, दृढ़ निश्चय, सूझ बूझ शक्ति और असाधारण कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

मेजर अनिल भोला (आई सी 18796)

8 गोरखा राइफल्स।

11 फरवरी, 1978 को यह पता लगा कि विरोधियों का एक सशस्त्र गिरोह जो पड़ोसी देश में चला गया था, मिजोरम में घुसने का प्रयत्न कर रहा था। उस गिरोह को रोकने का कार्य मेजर अनिल भोला को सौंपा गया।

मेजर अनिल भोला ने अपनी कम्पनी को संगठित किया और अपने मिशन पर चल दिए। अपने पास उपलब्ध राशन पर गुजारा करते हुए विरोधियों की खोज में ये और इनके जवानों ने 500 किलोमीटर से अधिक लम्बे दुर्गम जंगलों और चट्टानों से भरे भू-भागों को पैदल पार किया। इस खोज कार्य में जो मार्च तक जारी रहा, इन्होंने घोर कठिनाईयां झेलीं। मेजर भोला के प्रेरक नेतृत्व से खोज के कार्य का संचालन दृढ़ता से संभव हुआ जिससे विरोधियों को भागते रहने पर मजबूर होना पड़ा और जिसके परिणामस्वरूप गिरोह के नेता को पकड़ लिया गया।

इस कार्रवाई में मेजर अनिल भोला ने नेतृत्व, दृढ़ निश्चय और उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

कैप्टन सुरेश चन्द्र मोहन (आई सी 28636)

सेना सेवा कोर।

19 फरवरी, 1979 को उत्तरी सैक्टर में सेना सेवा कोर बटालियन की एक यूनिट के पास से बह रहे एक चौड़े नाले के बीच इंजीनियर रेजीमेंट के दो अन्य रैंक फंस गये। कैप्टन सुरेश चन्द्र मोहन को संकटग्रस्त व्यक्तियों के बचाव के कार्य को संगठित करने के लिए नियुक्ति किया गया।

कैप्टन सुरेश चन्द्र मोहन ने नाले के दूसरी तरफ रस्सी फेंकवाई और फंसे हुए उन जवानों की ओर बढ़े। आगे बढ़ते-बढ़ते एक बार वे खुद पानी की क्षुब्ध धार की चपेट में आ गए और उसके विरुद्ध कड़ा संघर्ष करके गहरे पानी में बहने से बच सके। अन्त में वे असहाय व्यक्तियों के पास पहुंचे और रस्सी की सहायता से उन्हें एक एक करके बाहर निकाल लाए।

इस प्रकार कैप्टन सुरेश चन्द्र मोहन ने साहस, दृढ़ निश्चय और उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

कैप्टन हरीश चन्द्र श्रीवास्तव (आई सी 29656)

आर्मी आर्डनेंस कोर।

ट्रांसपोर्ट नगर, कानपुर में 11 मई, 1979 को आग लग गई। आग बुझाने के लिए सेना की सहायता मांगने पर सैंट्रल आर्डनेंस डिपो के फायर मास्टर को अपने जवानों और आग बुझाने के उपकरणों को लेकर सिविल फायर ब्रिगेड की सहायता करने के लिए घटना स्थल पर जाने का आदेश दिया। घटनास्थल पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि जिस शेड में कीमती सामान रखा हुआ था वह लगभग पूरी तरह आग से घिर गया था और सिविल फायर ब्रिगेड को आग पर काबू पाने में सफलता नहीं मिल रही थी।

कैप्टन हरीश चन्द्र श्रीवास्तव ने सिविल पुलिस और फायर ब्रिगेड के कार्मिकों से उस क्षेत्र की घेराबन्दी करवा कर आग बुझाने के कार्य को अपने हाथ में लिया और अपने जवानों को कार्रवाई करने का आदेश दिया। अपने जवानों को आग से जल रहे शेड के निकट जाने में हिचकते देख कर वे स्वयं आग बुझाने की एक गाड़ी की सीढ़ी पर चढ़ कर संलग्न शेड की दीवार पर चढ़ गए। इससे उनके जवानों को प्रेरणा मिली और उन्होंने बिना डरे आग बुझाने का कार्य आरम्भ कर दिया। आग पर नियंत्रण पाने के लिए चार घंटे लगातार प्रयास करना पड़ा और उसे पूरी तरह से बुझाने के लिए तीन घंटे और लगे।

इस कार्रवाई में कैप्टन हरीश चन्द्र श्रीवास्तव ने साहस, व्यावसायिक कुशलता और उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

कैप्टन पदुबिदरी लक्ष्मीनारायण (एम. एस. 9986)
सेना चिकित्सा कोर।

कैप्टन पदुबिदरी लक्ष्मीनारायण को चम्पावत क्षेत्र में सक्रिय इन्फैन्टरी बटालियन के साथ सम्बद्ध किया गया था। इस क्षेत्र में चट्टानों से भरे भू-भाग थे और जंगल तथा छोटे-छोटे कई नदी नाले थे।

6 मार्च, 1979 को जब यूनिट एक पगडण्डी से गुजर रही थी, एक जवान फिसलकर खड्ड में जा गिरा। कैप्टन लक्ष्मीनारायण फिसलने वाली ढलान से तत्काल नीचे उतरे और बेहोश जवान को बाहर निकालने के कार्य का उन्होंने स्वयं संचालन किया। इसमें कुछ ही आगे दो अन्य सिपाही भी फिसल कर खड्ड में जा गिरे थे। वे दोनों एक चट्टान की तलहटी पर बेहोश पड़े थे। कैप्टन लक्ष्मीनारायण रस्सी की सहायता से खड़ी ढलान पर फिर उतरे और मूर्च्छित जवानों का प्रथमोपचार किया तथा उन्हें गर्म रखने के लिए काफी सुश्रूषा की और उनमें से एक को चेतनावस्था में लाने में सफल हो गए। बाद में, जब जवान उस सिपाही को उठा कर ला रहे थे तो रास्ते में पांच घंटों तक चलने के दौरान मुंह से मुंह लगा कर उसे श्वास देते रहे और उसे भी चेतनावस्था में लाने में सफल हो गए।

इस प्रकार कैप्टन दुबिदरी लक्ष्मीनारायण ने व्यावसायिक कुशलता, साहस तथा उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

कैप्टन सुरेन्द्र सिंह ढाका (आई सी 28423)
आर्मी आर्डनेंस कोर।

17 फरवरी, 1978 को, सेना में सर्दी के मौसम में संक्रियात्मक कार्यों के लिए जिस स्थान पर एक स्काउट कम्पनी स्थित की गई थी वहां भारी हिमस्खलन हुआ जिससे बैरक दबकर टूट गए। इन बैरकों में तोपखाना, छोटे हथियार, गोला-बारूद तथा विस्फोटक रखे हुए थे। गोला-बारूद बर्फ और इमारत के मलबे के नीचे दब गया।

मोबाइल अम्यूनीशन रिपेयर सैक्शन के कमान अफसर कैप्टन सुरेन्द्र सिंह ढाका उस क्षेत्र में मलबे के नीचे दबे गोला बारूद को निकालने के लिए 4 अप्रैल, 1978 को दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। हालांकि उन्हें निर्देश दिए गए थे कि वे वहां खुदाई न करें, परन्तु खतरा होने के बावजूद उन्होंने खुदाई कार्य करवाने का जोखिम उठाया। बर्फ खोदने का काम खुद शुरू करके उन्होंने अपने जवानों को प्रेरित किया तथा दो माह के कठोर परिश्रम के बाद लगभग सारा गोला बारूद पुनः प्राप्त करने में सफल हो गए।

इस कार्रवाई में कैप्टन सुरेन्द्र सिंह ढाका ने नेतृत्व, साहस तथा असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

कैप्टन लाखा सिंह (आई सी 28748)
पैरा।

कैप्टन लाखा सिंह मई/जून, 1978 में किन्नर कैलाश पर जाने वाले पैराशूट पर्वतारोहण अभियान दल के उप नेता थे। अप्रैल, 1978 के दूसरे सप्ताह में गहरी बर्फ में दो दिन तक जूझते हुए उन्होंने प्रस्तावित आधार शिविर स्थल तक के मार्ग

का सर्वेक्षण किया। बाद में जब उन्हें अग्रिम दल को उस स्थल तक ले जाने का काम सौंपा गया तो उन्होंने बड़ी दृढ़ता से उसका मार्गदर्शन किया और आधार शिविर स्थापित करने में सफल हुए। फिर उन्होंने स्वेच्छा से अन्य साथियों के साथ अत्याधिक दरारों वाले हिमखण्डो से प्रस्तावित अग्रिम आधार शिविर तक के मार्ग का पता लगाया। इसके बाद उन्होंने अलग से एक रस्सा डाला और उसके सहारे चोटी तक का मार्ग बना दिया। अग्रिम आधार शिविर पर तेज बर्फीली हवा और कड़ाके की सर्दी के बावजूद वे प्रायः रात को उठ कर टैंट से बाहर आ जाते और टैंटों पर जमी हुई बर्फ को हटा देते। 13 जून, 1978 को कैप्टन लाखा सिंह अपने आदमियों को चोटी पर ले गए और चुनौती देने वाली किन्नर-कैलाश चोटी पर पहुंचने वाले व्यक्तियों में से एक थे।

इस प्रकार कैप्टन लाखा सिंह ने साहस, दृढ़ निश्चय और उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

कैप्टन जगदेव सिंह यादव (आई सी 31029)
गोरखा राइफल्स्।

11 अगस्त, 1978 की शाम को सिन्धु नदी में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे कियारी (लद्द) के उस अधिकांश निचले इलाके में बाढ़ का पानी फैल गया जहां सेना कि टुकड़ियां स्थित थीं। कैप्टन जगदेव सिंह को 20 जवानों के साथ एक इन्फैन्ट्री बटालियन के कार्मिकों और सरकारी सामान को बचाने का काम सौंपा गया। इससे पहले कि नदी का पानी कोई क्षति पहुंचाता तुरन्त किये गये दृढ़ प्रयत्नों से वे सभी व्यक्तियों और सामान को बचाने में सफल हुए।

12 अगस्त, 1978 को तेजी से बहते हुए बाढ़ के पानी के कारण बांध और नदी के ऊपर बने पुल के पुश्तों में दरार पड़ गई थी और उसके बह जाने का खतरा हो गया था। कैप्टन यादव ने तुरन्त अपने जवानों को संगठित किया और पहाड़ी से पत्थर लाकर दरारें भर दीं।

अगले दिन कैप्टन यादव को मालूम हुआ कि नदी पर बने पुल के बह जाने का खतरा पैदा हो गया। उन्होंने थोड़े ही समय में जिन तटबन्धों के बहने का खतरा था, उनके सामने पत्थर की एक दीवार तैयार कर दी जिससे पुल पर पानी का दबाव कम हो गया। उसी समय नदी के पानी ने कियारी लेह सड़क को काटना शुरू कर दिया जो वहां के निकटवर्ती क्षेत्रों और वहां स्थित सैनिकों के लिए अति महत्वपूर्ण सड़क थी। कैप्टन यादव और उनके जवानों ने दिन भर काम करने से थकने के बावजूद सड़क पर बनी दरार को बन्द कर दिया। उसी दिन वापस आते समय उन्होंने सड़क पर दो जगह भूस्खलन देखे जिनसे सड़क पर यातायात रुक गया था। कैप्टन यादव ने अपने आदमियों को प्रेरित किया और सड़क पर पड़े मलबे को हटाकर उसे साफ कर दिया।

इस प्रकार कैप्टन जगदेव सिंह यादव ने नेतृत्व, दृढ़ निश्चय और असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

कैप्टन कर्ण सिंह यादव (एस एस 26884)
कुमाऊं।

कैप्टन कर्ण सिंह यादव अमृतसर सीमा पर चौकी की कमान कर रहे थे। इनकी गश्ती दल को सीमा-रेखा पर अपना अधिकार जमाने और आगे बढ़ रहे दूसरे गश्ती दल को विरोधी की गोलियों से बचाने का काम सौंपा गया था।

14 अक्तूबर, 1978 को सीमा-रेखा की दूसरी ओर से अचानक दूसरे गश्ती दल पर गोलियों की बौछार होने लगी। दूसरे गश्ती दल की सहायता करने के लिए कैप्टन यादव ने अपने जवानों को विरोधी के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का निर्देश दिए। जब इनके जवान भारी और कारगर गोलाबारी कर रहे थे तो उन्होंने देखा कि विरोधी उनकी टुकड़ी को घेरने की कोशिश कर रहा था। कैप्टन यादव तुरन्त आगे बढ़े और विरोधी पर लाइट मशीनगन से तेज गोला-बारी करने लगे और तब तक इसे जारी रखा जब तक उनके सैनिक सुरक्षित स्थान पर नहीं आ गए।

इस प्रकार कैप्टन कर्ण सिंह यादव ने साहस, दृढ़ निश्चय और असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

जे. सी. 48039 सूबेदार चण्डी प्रसाद धूलिया
2 गढ़वाल राइफल्स्।

एक इन्फैन्ट्री बटालियन में सूबेदार चण्डी प्रसाद धूलिया उत्तरी सैक्टर के अग्रिम क्षेत्र में एक प्लाटून की कमान कर रहे थे। 27 जून, 1978 को सूचना प्राप्त हुई कि एक पाकिस्तानी ने नियंत्रण रेखा पार कर ली थी और स्थानीय लोगों से सेना के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने की कोशिश कर रहा था। सूबेदार धूलिया अपने पांच अन्य साथियों के साथ तुरन्त घुसपैठिये की खोज में चल पड़े और रात के अंधेरे में दुर्गम मार्ग को तय करने के बाद एक गांव में उसका पता लगा लिया। एक घर में घुसपैठिए को अचानक दबोच कर वे अकेले ही उससे भिड़ गए हालांकि वह हथियारों से पूरी तरह लैस था। बाद में पता चला कि गिरफ्तार घुसपैठिया एक अनुभवी जासूस था।

इस कार्रवाई में सूबेदार चण्डी प्रसाद धूलिया ने साहस, तत्परता और असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

जे. सी. 64646 सूबेदार भाग सिंह
सिख लाइट इन्फैन्ट्री।

झरोदा कलां के केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल केन्द्र पर उस केन्द्र के आन्दोलनकारी कार्मिकों ने कब्जा कर लिया था और पता चला था कि उन्होंने केन्द्र के हथियारों को आपस में बांट लिया था ताकि यदि उन्हें वहां से निकालने की कोशिश की जाए तो वे उसका मुकाबला कर सकें। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ग्रुप केन्द्र, झरोदा कलां, के शस्त्रागार से उठाए गए हथियारों और गोला बारूद को वापस लेने का काम एक इन्फैन्ट्री बटालियन को सौंपा गया।

सूबेदार भाग सिंह उस कम्पनी में थे जिसे शस्त्रागार की चार दीवारी घेर कर और तारों को काट कर उस पर कब्जा करने का काम सौंपा गया था। जैसे ही इनकी प्लाटून शस्त्रागार के नजदीक पहुंची तो भवन की छत के ऊपर पोजीशन लिए हुए हथियार बंद केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के आन्दोलनकारियों ने इन पर गोली चलानी शुरू कर दी। यह देखते हुए कि आन्दोलनकारियों की ओर से गोलियां चलने की वजह से इनकी प्लाटून आगे बढ़ नहीं पा रही है सूबेदार भाग सिंह उस क्षेत्र में आन्दोलनकारियों की गोलियों की परवाह न करते हुए भवन के बीच में स्थित सीढ़ियों की ओर भागते हुए बढ़े, सिढ़ियां चढ़े और छत के ऊपर आन्दोलनकारियों पर धावा बोल दिया और उन्हें तुरन्त निरस्त्र कर दिया।

इस कार्रवाई में सूबेदार भाग सिंह ने अनुकरणीय साहस, प्रेरणात्मक नेतृत्व और असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

एन वाई ए (13719109) नायब सूबेदार धनीराम
जाक राइफल्स्।

नायब सूबेदार धनीराम को तीन अन्य रैंकों के साथ उत्तरी क्षेत्र में नियंत्रण रेखा और उसके आस पास के अग्रिम क्षेत्रों की गश्त लगाने का काम सौंपा गया था। सूबेदार धनी राम ने अपनी सामान्य गश्त लगाने की ड्यूटी के साथ साथ स्वयं ही उस क्षेत्र के

स्थानीय लोगों से विदेशी एजेंटों अथवा इस क्षेत्र के निवासियों को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का पता लगाना भी शुरू कर दिया। इन जांचों के दौरान इन्हें इस बात का संकेत मिला कि एक व्यक्ति कुछ दिन पहले अधिकृत कश्मीर चला गया है और वह 30 अप्रैल/1 मई, 1979 की रात को वापस लौटेगा।

नायब सूबेदार धनीराम ने इस बारे में अपने कम्पनी कमांडर को सूचित किया और उनकी अनुमति मिलने पर वे उस व्यक्ति के लौटने के सम्भावित मार्ग पर किसी उपयुक्त स्थान की टोह लेने चले गए। जैसे ही संदिग्ध व्यक्ति दिखायी दिया इन्होंने उसे ललकारा और आदेश दिया कि यदि उसके पास कोई हथियार हो तो उसे छोड़ दे। समर्पण करने के बजाय उस क्षेत्र की स्थलीय रूप-रेखा की पूरी-पूरी जानकारी का लाभ उठा कर बच निकलने के प्रयास में वह व्यक्ति भाग पड़ा। नायब सूबेदार धनीराम की गोली चलाने की चेतावनी भी उसको भागने से नहीं रोक पाई। नायब सूबेदार धनीराम और इनके तीनों जवान इससे विचलित नहीं हुए और सारी रात पीछा करने के बाद ये उसको अगली सुबह पकड़ने में सफल हो गए।

इस कार्रवाई में नायब सूबेदार धनीराम ने कौशल, दृढ़ निश्चय और असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

जे. सी, 83873 नायब सूबेदार गुरचरन सिंह सिधु आर्टिलरी।

नायब सूबेदार गुरचरन सिंह सिधु ने काम्बेट कन्ट्रोल कैबिन के वरिष्ठ संचालक का प्रशिक्षण सोवियत संघ में प्राप्त किया था। हाल ही में इन्होंने अत्यन्त कठोर परिश्रम किया तथा इस उपस्कर के प्रचालन में सराहनीय दक्षता प्राप्त कर ली। कार्मिदल के वरिष्ठ सदस्य के रूप में इन्होंने न केवल स्वयं इस जटिल उपस्कर के चलान में दक्षता प्राप्त की है अपितु अपने अधीनस्थ कार्मिकों को भी इस कार्य में दक्षता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया है तथा उनका उचित मार्गदर्शन भी किया है।

इस प्रकार नायब सूबेदार गुरचरन सिंह सिंधु ने दृढ़ निश्चय और उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया है।

जे. सी. 78410 नायब सूबेदार दिनकर मास्के इंजीनियर्स।

नायब सूबेदार दिनकर मास्के को लकमा के सुगर सैक्टर में बहुत ऊंचाई पर स्थित एक चौकी में पानी के लिए पाइप लाइन बिछाने के काम का प्रभारी अफसर बनाया गया था। यह चौकी एक ऐसे क्षेत्र में स्थित थी जहां पर भूमि तथा चट्टानों का स्खलन बहुत तेजी से होता था और लगातार रुक-रुक कर वर्षा होती थी और बर्फ भी पड़ती रहती थी। पानी की पाइप लाइन बिछाने का काम हो रहा था लेकिन जो पाइप लाइन पहले बिछा दी गई थी वह अभी जमीन के ऊपर ही थी और बर्फ से ढक गई थी। नायब सूबेदार मास्के के नेतृत्व में एक दल और तीन सैपर बर्फ साफ करने और खाई खोद कर पाइप लाइन दबाने के काम के लिए निकले ताकि उसे खराब होने से बचाया जा सके।

पहली सितम्बर, 1979 को जिस समय नायब सूबेदार मास्के बर्फ से ढकी पाइप लाइन को साफ करने में व्यस्त थे तो इन्हें एक चीख सुनाई दी और इन्होंने देखा कि एक अन्य रैंक नीचे खड्ड में गिर गया था। ये तुरन्त एक रस्से की सहायता से उस खड्ड में उतर कर घटनास्थल पर पहुंचे और एक घण्टे तक कठिन प्रयास करने के बाद उस अन्य रैंक को सुरक्षित स्थान पर निकालने में सफल हुए। इस हिम्मत तोड़ने वाली घटना के बावजूद इन्होंने अपने जवानों को फिर से काम पर जुट जाने के लिए प्रेरित किया और काम को पूरा कर दिखाया।

इस कार्रवाई में नायब सूबेदार दिनकर मास्के ने नेतृत्व, दृढ़ निश्चय तथा उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2644312 हवलदार सज्जन सिंह ग्रेनिडियर्स।

इन्फैन्ट्री बटालियन के हवलदार सज्जनसिंह को विरोधियों के एक गिरोह को पकड़ने के लिए एक गश्ती टुकड़ी का नेतृत्व करने के लिए कहा गया। लगातार तीन दिन और तीन रात ऊबड़-खाबड़ और दुर्गम भू-भागों को पार करने के बाद एक गांव के समीप इन्होंने घात लगाई। जहां ये लोग घात लगाए हुए बैठे थे वहां तीन विरोधी आ गए। विरोधी अवाक् रह गए और उन्होंने जंगल की ओर भागने की कोशिश की। लेकिन हवलदार सज्जनसिंह अपने एक साथी के साथ उन पर झपट पड़े और उन तीनों सशस्त्र विरोधियों को पकड़ लिया जो अपने गिरोह के लिए खाने पीने का सामान और दवाईयां ले जा रहे थे।

इस कार्रवाई में हवलदार सज्जनसिंह ने साहस, दृढ़ निश्चय और असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

13604046 हवलदार दयाचंद पैरा।

इन्फैन्ट्री बटालियन के हवलदार दयाचंद मई-जून, 1978 के दौरान आयोजित सुगर क्षेत्र के किन्नर-कैलाश पैराशूट पर्वतारोहण अभियान दल के एक सदस्य थे। एक अनुभवी पर्वतारोही होने के कारण ये उच्च चोटियों पर युद्ध सम्बन्धी स्कूल में प्रशिक्षक रह चुके हैं। अभियान के दौरान ये हमेशा सबसे आगे रहते थे। अग्रिम दल के साथ रहकर इन्होंने शिविर नम्बर एक तक और उससे आगे मार्ग बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ये एक शिविर से दूसरे शिविर तक भारी सामान उठाकर ले गए। तनाव और विकट परिस्थितियों में भी शांत चित्त रहकर इन्होंने दूसरी बार चोटी पर चढ़ने वाले अपने साथियों को कठिन ढलानों पर मौके पर प्रशिक्षण दिया। यद्यपि 13 जून को किन्नर-कैलाश शिखर से केवल 200 फुट नीचे से वापस लौट आए थे फिर भी ये अपनी ही इच्छा से द्वितीय पर्वतारोहण दल का नेतृत्व करने को तैयार हो गए। 18 जून, 1978 को हवलदार दयाचंद तथा उनके साथ रस्सी ले जाने वाले दूसरे साथियों को कैंप नम्बर एक को बंद करने और उत्तरी रिज के साथ-साथ बंधी रस्सियों को जितनी दूर तक सम्भव हो, खोलने का काम सौंपा गया। मार्ग अत्यधिक खतरनाक होने के कारण यह काम बहुत जोखिमपूर्ण था। लेकिन हवलदार दयाचंद ने अपने साथियों की सहायता से लगभग 75% बंधी हुई रस्सियों को खोलने का कार्य सफलतापूर्वक कर दिया।

इस प्रकार हवलदार दयाचंद ने साहस, दृढ़ निश्चय और उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

13719454 लांस हवलदार मोहम्मद अब्दुल्ला बट्ट जाट राइफल्स।

इन्फैन्ट्री बटालियन के लांस हवलदार मोहम्मद अब्दुल्ला बट्ट भारत-बर्मा सीमा पर मिजोरम के दक्षिण में एक गश्ती टुकड़ी की कमान कर रहे थे। 16 नवम्बर, 1978 को इस गश्ती टुकड़ी पर विरोधियों ने अचानक हमला कर दिया। विरोधियों के छोटे हथियारों की भारी गोला-बारी के बीच सुरक्षा की परवाह किए बिना वे अपने जवानों समेत विरोधियों का सामना करते हुए आगे बढ़े और काफी संख्या में विरोधियों को हताहत करने के बाद उन्हें पीछे खदेड़ने में सफल हुए।

इस कार्रवाई में लांस हवलदार मोहम्मद अब्दुल्ला बट्ट ने साहस, नेतृत्व और असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

4151384 लांस हवलदार जीत सिंह
कुमाऊं।

इन्फैन्ट्री बटालियन के लांस हवलदार जीत सिंह उस विशेष रूप से रस्सी हुई एक नाव के इन्चार्ज थे जिसे जम्मू और कश्मीर पालनवाला के पास मनवर तवी नदी की दूसरी ओर स्थित अग्रिम चौकियों पर जवानों और सामान को पहुंचाने के लिए उपयोग में आया जाता था।

लांस हवलदार चंदर सिंह नदी में स्थित एक टापू पर गश्ती दल का नेतृत्व कर रहे थे। 19 फरवरी, 1979 की रात को नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा होने के कारण नदी के पानी का स्तर बढ़ने की सम्भावना थी इसलिए दल को वापिस आने के आदेश दिए गए। जब गश्ती दल नाव पर अपने अड्डे पर वापस आ रहा था तो नाव बीच धार में फंस गई। लांस हवलदार जीत सिंह के नाव को निकालने के सभी प्रयास विफल हो गए। गश्ती के सदस्यों के जीवन विकट संकट में थे। ऐसी परिस्थिति में भी शांत और अविचलित रह कर और नाव को सुरक्षित किनारे पर ले जाने का दृढ़ निश्चय कर लांस हवलदार जीत सिंह ने अपने जवानों को ठीक तरह से बैठने के लिए आदेश दिया जिससे नाव का संतुलन न बिगड़े। लेकिन तभी नाव के लंगर की रस्सी पानी के तेज बहाव से टूट गई और नाव जल के तेज प्रवाह के साथ नीचे की ओर चक्कर लगाते हुए बहने लगी। बहने की परवाह न कर इन्होंने नाव को बालू की पट्टी की ओर ले जाने का दृढ़ प्रयास किया। इतने में बालू की पट्टी भी बह गई और नाव नदी की धारा में सीधे नीचे की ओर तेजी से तब तक बहती रही जब तक कि वह पाकिस्तानी क्षेत्र में मारेला हैडवर्क्स के समीप ठहरे पानी में नहीं पहुंच गई। सैन्य दल नाव से मारेला के पास तट पर उतर गया।

इस सारे संकट के दौरान लांस हवलदार जीत सिंह ने नाव को तैरता हुआ रखने के लिए निर्णय लेने में साहस, दृढ़ता और उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

4150754 लांस हवलदार चन्दर सिंह
कुमाऊं।

लांस हवलदार चन्दर सिंह उस गश्ती दल के कमांडर थे जिसे नियंत्रण रेखा के दूसरी ओर से संभावित घुसपैठ को रोकथाम करने के लिए भेजा गया था।

19/20 फरवरी, 1979 की रात को जब भारी वर्षा हो रही थी और मनवर तवी नदी में पानी का स्तर बड़ी तेजी से बढ़ रहा था उस समय गश्ती दल अपना काम कर रहा था। स्थिति को भांपते हुए इस गश्ती दल को वापस आने का आदेश दिए गए। परन्तु लौटने का रास्ता नदी की मुख्य जल धारा में से था जहां पर सैनिकों को नदी के आर-पार ले जाने के लिए विशेष रूप से एक नौका रस्सी हुई थी। इस नौका का इन्चार्ज लांस हवलदार जीत सिंह था। नौका गश्ती दल को लेकर जैसे ही आधे रास्ते में पहुंची, नदी का उफनता हुआ पानी नौका को बहाकर ले गया और इस प्रकार नौका में सवार सभी व्यक्तियों की जानें खतरे में पड़ गईं। अन्त में नौका के इन्चार्ज द्वारा बनाई गई योजना से नौका बचा ली गई लेकिन इस कार्रवाई के दौरान यह नौका बहती-बहती मारेला हैडवर्क्स के समीप पाकिस्तानी क्षेत्र में पहुंच गई।

यहां पर नदी की गहराई और पानी का प्रवाह तेज होने के कारण नदी को पार करने का प्रयास छोड़ देना पड़ा। अभी भी अन्धेरा था और लोग हवलदार चन्दर सिंह ने इस अन्धेरे की आड़ लेकर नदी के पश्चिमी किनारे के साथ-साथ चुपके-चुपके चलते रहने का निर्णय लिया तथा अपने साथियों को चेतावनी दे दी कि यदि पाकिस्तानी सैनिकों का सामना करना पड़ जाए तो वे अपने शस्त्रों के साथ तैयार रहें। सुबह होने तक वे पाकिस्तानी क्षेत्र में थे। इन्होंने अपने साथियों को आदेश दिया कि वे बिखर-कर और सारा दिन सरकण्डों के बीच लेट कर छिपे रहें। इन्होंने अगली रात को नदी पार कर अपने देश में आने की योजना बनाई और सैनिकों को लेकर आगे बढ़े और अपनी सीमा की चौकी के समीप एक स्थान पर पहुंच गए। अन्त में हमारे जवानों ने नदी के दूसरी ओर इन्हें देखकर पहचान लिया। बाद में पाकिस्तानी चौकी के कमांडर के साथ बात-चीत करके यह दल पुनः अपनी सीमा में आ गया।

इस कार्रवाई में लांस हवलदार चन्दर सिंह ने साहस, दृढ़ निश्चय और असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2555295 नायक बीम्मी कादिरवेलू
मद्रास।

18 अगस्त, 1978 को नायक बीम्मी कादिरवेलू को उत्तरी क्षेत्र में एक सुरंग बिछे क्षेत्र में और सुरंग बिछाने और ट्रिप तारें लगाने का काम सौंपा गया था। अपनी जान की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए ये सुरंग क्षेत्र में गए और सौंपे गए कार्य को पूरा किया। लेकिन सुरंग क्षेत्र से लौटते हुए ये एक सुरंग से टकरा गए और इससे इनका दाहिना पैर ही उड़ गया जिससे ये स्थायी रूप से निश्क्त हो गए।

इस प्रकार नायक बीम्मी कादिरवेलू ने साहस और असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

7767166 नायक धरमबीर सिंह चौहान
मिलिटरी पुलिस कोर।

24 नवम्बर, 1978 को, मध्य प्रदेश सब एरिया मुख्यालय, भोपाल, से सम्बद्ध प्रोवो यूनिट के नायक धरमबीर सिंह चौहान को राज भवन से वल्लभ भवन जाने वाले रक्षा मंत्री के मोटर-दस्ते के साथ सुरक्षा दस्ते का इन्चार्ज नियुक्त किया गया था। मोटरों का यह दस्ता जब एक चौराहे पर पहुंचा तो सामने से तेज रफ्तार से एक वाहन आ रहा था और वह पाइंटमैन की चेतावनी के बावजूद उसी सड़क की ओर मुड़ गया जिस ओर से रक्षा मंत्री की मोटरों का दस्ता आ रहा था। वाहन का ड्राइवर नियंत्रण खो चुका था जिससे रक्षा मंत्री की मोटर से टक्कर होने का खतरा पैदा हो गया था।

स्थिति समझते ही नायक धर्मबीर ने अपनी मोटर साइकिल को उस वाहन की ओर बढ़ाया ताकि रक्षा मंत्री की कार से टकराने से पहले ही उसे रोका जा सके। इस कार्य में ये खुद घायल हो गए किन्तु परिणामस्वरूप मोटरों का दस्ता रुक गया और इस प्रकार रक्षा मंत्री की कार दुर्घटनाग्रस्त होने से बचा ली गई।

इस कार्रवाई में नायक धर्मबीर सिंह चौहान ने दूरदर्शिता, साहस और असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

13900007 नायक सच्चिदानन्द यादव
आर्मी मैडिकल कोर।

3 नवम्बर, 1978 को लेह में सूचना मिली कि एक गांव के समीप एक हैलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और हैलि-काप्टर के पायलट गंभीर रूप से घायल पड़े थे और उन्हें तत्काल वहां से निकालने की जरूरत थी। घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देने और उन्हें समीप के हस्पताल में पहुंचाने के लिए चिकित्सा

अधिकारी के साथ नायक सच्चिदानन्द यादव, एक नर्सिंग असिस्टेंट और मेडिकल बटालियन के एक सदस्य को तुरन्त दुर्घटना स्थल पर भेजा गया।

कथित दुर्घटना स्थल पर पहुंचने पर इस दल ने देखा कि हेलिकाप्टर सिंधु नदी के दूसरी ओर दुर्घटनाग्रस्त हुआ पड़ा था। दल के पास नदी पार करने के लिए न तो कोई शीघ्र उपलब्ध साधन थे और न ही पास में कोई पुल था। पायलटों की जाने बचाने के प्रयास में नायक सच्चिदानन्द यादव ने अपनी जान की परवाह किए बिना नदी को तैर कर पार किया और लगभग 10 किलोमीटर नंगे पैर चलकर दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। वहां पहुंच कर उन्होंने देखा कि जले हुए हेलिकाप्टर के पायलटों की मृत्यु हो चुकी थी। जब तक घायलों को वहां से ले जाने के लिए बचाव कार्य पर तैनात हेलिकाप्टर नीचे उतरा तब तक नायक सच्चिदानन्द यादव ने जले हुए हेलिकाप्टर में से मृत पायलटों के शवों को बाहर निकाल लिया था। केवल इन्हीं के दृढ़ प्रयासों के कारण मृत पायलटों के शवों को वहां से लाना सम्भव हो सका।

इस कार्रवाई में नायक सच्चिदानन्द यादव ने साहस, दृढ़ निश्चय और उच्च कोटि की कर्त्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

1565668 लांस नायक दर्शन सिंह
इंजीनियर्स।

लांस नायक दर्शन सिंह फील्ड कम्पनी के साथ काम कर रहे थे जिसे भारत-तिब्बत सीमा के साथ-साथ दूर दूर तक बनी शुग्गर सैक्टर चौकियों में पानी की सप्लाई करने का काम सौंपा हुआ था। ये चौकियां बहुत ऊंचाई पर स्थित हैं और बहुत खराब मौसम वाले स्थानों पर बनी हुई हैं जहां भूस्खलन का खतरा प्रायः बना रहता है।

एक सितम्बर, 1978 को भारी हिमपात और रास्ते में जगह-जगह पहाड़ टूटने के कारण पानी की सप्लाई कट गई। पानी की सप्लाई को दोबारा चालू करने के लिए लांस नायक दर्शन सिंह और तीन अन्य रैंकों को तैनात किया गया। पानी की लाइन तक पहुंचने के लिए भू-खंडों को हटाते समय एक शिलाखण्ड के खिसकने के कारण इनका एक साथी खड्ड में गिर गया। लांस नायक दर्शन सिंह गिरते हुए अपने साथी की ओर लपके और उसे पकड़ लिया और एक दूसरे अन्य रैंक द्वारा लटकाये गये रस्से की सहायता से अपने साथी की रक्षा की।

इस कार्रवाई में लांस नायक दर्शन सिंह ने तत्परता और उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2667518 ग्रेनेडियर राम सिंह
ग्रेनेडियर्स।

3 मार्च, 1978 को पड़ोसी देश से मिजोरम में प्रवेश करने का यत्न करते हुए विरोधियों के एक गिरोह को पकड़ने के लिए भेजे गए गश्ती दल के साथ इन्फैन्ट्री बटालियन के ग्रेनेडियर राम सिंह भी थे। 30 किलोमीटर जोखिम भरे भ्रान्त भू-भाग की बहुत बोड़े समय में पार करने के बाद गश्ती दल नेता ने घात लगाने का निश्चय किया। तीन विरोधी घात के पास में आ गए। ग्रेनेडियर राम सिंह अपने जीवन की रक्षा की जरा भी परवाह न करते हुए सशस्त्र विरोधियों पर टूट पड़े और उनमें से एक को शीघ्र ही दबोच लिया। इसी समय अन्य दो विरोधियों ने बचने की चेष्टा में जंगल की ओर भागना आरम्भ कर दिया। प्रतिक्रिया में ग्रेनेडियर राम सिंह ने तुरन्त भागते हुए विरोधियों का पीछा किया और उनमें से एक को दबोचने में सफल हो गए।

इस कार्रवाई में ग्रेनेडियर राम सिंह ने साहस, सूझबूझ तथा असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2456361 सिपाही जैसी राम (मरणोपरान्त)
पंजाब।

4 अगस्त, 1978 को सिपाही जैसी राम को डाक संचयन दल की गाड़ी से ले जाने के लिए तैनात किया गया था। इस दल के गाड़ी से उतरने के बाद, सिपाही जैसी राम ने इण्डिपेंडेंट इन्फैन्ट्री ब्रिगेड ग्रुप के गाड़ी पार्क में अपनी गाड़ी खड़ी कर दी। यह गाड़ी पार्क सुरु नदी पर बने पुल के साथ स्थित है और उसी स्थान पर ब्रिगेड मुख्यालय के दक्षिण में स्थित पहाड़ियों से एक नाला आकर सुरु नदी में मिलता है।

वर्षा के कारण इस नाले में बाढ़ आ गई थी और इसका जल स्तर निरन्तर बढ़ता जा रहा था। सिपाही जैसी राम ने पानी से उमड़ते हुए नाले में अचानक एक धारा-प्रवाह को आते हुए देखा जिससे उनके वाहन के बह जाने की शंका थी। अपने जीवन की रक्षा की परवाह किए बिना उन्होंने वाहन को सुरक्षित स्थान पर ले जाने का निर्णय लिया। वे वाहन को प्रवाह की विपरीत दिशा में चला रहे थे और जल प्रवाह उसे नाले और सुरु नदी के संगम की ओर अकेल रहा था। उन्होंने गाड़ी को बचाने की अपनी कोशिशें तब तक जारी रखीं जब तक कि एक तेज धार ने गाड़ी को उलटकर सुरु नदी में नहीं फेंक दिया। बाद में सिपाही जैसी राम अपनी गाड़ी के अन्दर मृत पाए गए।

इस कार्रवाई में सिपाही जैसी राम ने साहस, दृढ़ निश्चय और असाधारण कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

संख्या ।।-प्रेज/82—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्ति को उसकी असाधारण कर्त्तव्यपरायणता अथवा साहस के कार्यों के लिए "सेना मैडल"/"आर्मी मैडल" का बार प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं:—

13604263 नायक आनन्द राव चव्हाण, एस. एम.
2 पैरा।

4 अप्रैल, 1979 को एक हिंसक भीड़ ने भारत और पाकिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र सैनिक प्रेक्षक दल के श्रीनगर स्थित मुख्यालय की इमारत पर हमला कर दिया। इमारत की सुरक्षा के लिए एक इन्फैन्ट्री बटालियन तैनात की हुई थी। भीड़ ने इमारत के सदर दरवाजे को जबरदस्ती खोल दिया और गार्ड रूम तथा ड्यूटी पर तैनात संतरी पर हमला कर दिया। गार्ड ड्यूटी के सैकण्ड इन कमान नायक आनन्द राव चव्हाण ने यह देखा कि क्रुद्ध भीड़ ने संतरी को अपना निशाना बना लिया था और उसकी जान खतरे में थी तो वे तत्काल उसकी सहायता के लिए बढ़े। अपनी जान की जरा भी परवाह किए बिना नीचे गिरे हुए संतरी को नायक चव्हाण ने अपने शरीर से ढक कर उसकी रक्षा की। ऐसा करने में यद्यपि उनके चेहरे और नाक पर चोटें आ गईं थीं फिर भी उस क्रुद्ध भीड़ द्वारा उस संतरी को और चोटें पहुंचाने से उसकी रक्षा की।

इस कार्रवाई में नायक आनन्द राव चव्हाण ने साहस, दृढ़ निश्चय और असाधारण कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

सु. नीलकण्ठन
राष्ट्रपति का उप सचिव

योजना मंत्रालय

सांख्यिकी विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

सं० एम० 11013(1)-81-समन्वय—भारत सरकार मूल्य एवं निर्वाह सांख्यिकी विषयक निम्नलिखित सदस्यों की तकनीकी सलाहकार समिति का दिनांक 1 फरवरी, 1982 से पुनर्गठन करती है :—

1. महानिदेशक, केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन, सांख्यिकी विभाग, नई दिल्ली । — अध्यक्ष
2. सलाहकार, रोजगार, श्रम एवं जनशक्ति योजना, योजना आयोग, नई दिल्ली । — सदस्य
3. आर्थिक एवं सांख्यिकीय सलाहकार, कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय, नई दिल्ली । — सदस्य
4. मुख्य आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली । — सदस्य
5. आर्थिक सलाहकार, उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली । — सदस्य
6. आर्थिक सलाहकार, योजना आयोग, नई दिल्ली । — सदस्य
7. सदस्य सचिव, कृषि मूल्य आयोग, कृषि विभाग, कृषि एवं सिंचाई, मंत्रालय, नई दिल्ली । — सदस्य
8. निदेशक, क्षेत्र संकार्य प्रभाग, रा० प्र० सर्वे० संगठन, सांख्यिकी विभाग, नई दिल्ली । — सदस्य
9. निदेशक, सर्वेक्षण अभिकल्प एवं अनुसंधान प्रभाग, रा० प्र० सर्वे० संगठन, कलकत्ता — सदस्य
10. निदेशक, श्रम ब्यूरो, श्रम मंत्रालय, शिमला । — सदस्य
11. सांख्यिकीय सलाहकार, रिजर्व बैंक आफ इंडिया बम्बई । — सदस्य
12. निदेशक, अनुप्रयुक्त अर्थ एवं सांख्यिकी ब्यूरो, पश्चिम बंगाल सरकार, कलकत्ता । — सदस्य
13. निदेशक, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, मध्य प्रदेश शासन, भोपाल । — सदस्य
14. निदेशक, सांख्यिकी एवं मूल्यांकन निदेशालय, जम्मू व काश्मीर सरकार, श्रीनगर । — सदस्य
15. संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, सांख्यिकी विभाग, नई दिल्ली । — सदस्य

2. राज्य सरकारों के प्रतिनिधि 1 फरवरी, 1982 से 2 वर्ष की अवधि के लिए समिति में कार्य करेंगे ।

3 पुनर्गठित समिति के कार्य निम्नलिखित होंगे ।

(क) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों अथवा संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों द्वारा पारिवारिक बजट संबंधी पूछताछ के लिए प्रस्तावों की समीक्षा ।

(ख) उपभोक्ता मूल्य तथा तुलनात्मक महंगाई संबंधी सूचकांक तैयार करने के लिए केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों अथवा संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों द्वारा, तैयार की गई स्कीमों की समीक्षा, और अखिल भारतीय तथा राज्य स्तर के सूचकांकों से संबंधित समस्याओं को सम्मिलित करते हुए इनसे संबंधित विशेष समस्याओं की समीक्षा ।

(ग) संकल्पनाओं, परिभाषाओं, कीमत संग्रह संबंधी प्रणालियों में सुधार तथा मानकीकरण और उपभोक्ता मूल्य तथा तुलनात्मक महंगाई संबंधी सूचकांकों का संकलन ।

(घ) थोक कीमतों, फुटकर कीमतों और उत्पादन कर्ता संबंधी कीमतों तथा अन्य मूल्य सूचकांकों को तैयार करने के लिए केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों, अथवा संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों द्वारा तैयार की गई स्कीमों की समीक्षा और अखिल भारतीय एवं राज्य स्तर सूचकांकों संबंधी समस्याओं को सम्मिलित करते हुए उनसे संबंधित विशेष समस्याओं की समीक्षा।

(ङ) संकल्पनाओं, परिभाषाओं, मूल्य संग्रह की प्रणालियों में सुधार तथा मानकीकरण और थोक, फुटकर उत्पादन कर्ता एवं अन्य मूल्य संबंधी सूचकांकों का संकलन जिसमें प्रत्येक प्रकार के सूचकांकों के लिए समुचित भारसलोन प्रणालियां सम्मिलित हैं ।

(च) मूल्य सांख्यिकी के संग्रहण, संकलन और प्रसार की समेकित प्रणाली को तर्कसंगत बनाने और विकसित करने के विचार से संगठनात्मक व्यवस्था तथा मूल्य संग्रह संबंधी तंत्र की समीक्षा।

4. समिति को सचिवालयीय सहायता, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, सांख्यिकी विभाग द्वारा प्रदान की जायेगी ।

सत्यपाल शर्मा, अवर सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी विधि बोर्ड)

नई दिल्ली दिनांक ------------

आदेश

सं० 27(26)-82-सी०एल०-2—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 क की उपधारा (1) के खण्ड (II) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा कम्पनी कार्य विभाग में कथित धारा 209 क के उद्देश्यों के लिये श्री बी० चन्द्रमौली वर्मे, सहायक निरीक्षण अधिकारी को प्राधिकृत करती है ।

के० आर० ए० एन० अय्यर, अवर सचिव

वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

संकल्प

सं० 3 एम०-44180/ई पी० (एम०पी)--इस मंत्रालय के संकल्प सं० 3 एम०-44180-ई० पी० (एम० पी०) दिनांक 30 अप्रैल, 1981 के क्रम में श्री एस० पी० जाखनवाल, संयुक्त सचिव (ए० एण्ड टी०), कृषि मंत्रालय को श्री ए० ज० एस० सोढी, संयुक्त सचिव (टी० डी०), कृषि मंत्रालय के स्थान पर, वाणिज्य मंत्रालय के अन्तर्गत गठित समुद्री उत्पाद संबंधी कृत्रिक दल के सदस्य के रूप में नामित किया जाता है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों और सभी समुद्र तटवर्ती राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्रों को भेजी जाये।

एस० गोपालन, संयुक्त सचिव

संचार मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 8 जनवरी 1982

सं० टी० 11017/15/80सी०ओ०एन०एफ०--यत: भारत संयुक्त राष्ट्र संघ की विशिष्ट एजेन्सी, अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ, जिनेवा का सदस्य है।

यत: अब जिनेवा में 1979 में हुए अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ के विश्व प्रशासनिक रेडियो सम्मेलन में लिए अन्तिम निर्णय के माध्यम से रेडियो आवृत्ति स्पेक्ट्रम तथा कक्षा में स्थापित पृथ्वी की गति के समतुल्य उपग्रहों के प्रयोग के लिए एक करार हुआ था।

अत: अब यह सर्वसाधारण को सूचना के लिए है कि भारत सरकार ने विश्व प्रशासनिक रेडियो सम्मेलन, जिनेवा, 1979 के अन्तिम निर्णयों में उल्लिखित रेडियो विनियम जिनेवा 1979 को संस्वीकृति दे दी है जो 1 जनवरी, 1982 से प्रभावी होंगे।

के० वरदाराजन, उप तेलार सलाहकार

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 1982

सं० क्यू० -16012(3) 179-डब्ल्यू ई०--श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या क्यू० 16012(3) 179-डब्ल्यू०ई० दिनांक 8/15 मई, 1981 जिसमें आम जनता की सूचना के लिए पुनर्गठित केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड का गठन अधिसूचित किया गया था, शिक्षा मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और महाराष्ट्र, केरल, हरियाणा तथा उड़ीसा की सरकारों को प्रतिनिधित्व दिया गया था। वित्त मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और महाराष्ट्र तथा केरल सरकार के प्रतिनिधियों के नाम अधिसूचना संख्या क्य 16012(3) 179-डब्ल्यू ई० दिनांक 27 अगस्त, 1981 में अधिसूचित किए गए थे।

अत: यह आम जनता की सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्ति हरियाणा तथा उड़ीसा सरकार का का केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड में प्रतिनिधित्व करेंगे :

1. श्री एच० एल० गुगनानी, श्रम आयुक्त तथा सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम तथा रोजगार विभाग, चंडीगढ़-160001।
2. श्री मांगे गोवर्धन, सचिव, उड़ीसा सरकार, श्रम तथा रोजगार विभाग, उड़ीसा सचिवालय, भुवनेश्वर, जिला पुरी, उड़ीसा।

एच० एस० राजू, उप सचिव

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 2 फरवरी 1982

सं० यू० 13019/10/81-ए० एन० एल०--भारत सरकार, गृह मंत्रालय की तारीख 4 अक्तूबर, 1972 की, समय-समय पर यथा संशोधित, अधिसूचना सं० 26/12/72-ए० एस० एल० का अतिक्रमण करते हुए राष्ट्रपति, एक सलाहकार समिति का गठन करते हैं जो नीचे पैरा 5 में निर्दिष्ट मामलों के बारे में संघ राज्य क्षेत्र अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के प्रशासन में गृह मंत्री से संबंध रहेगी।

2 इस सलाहकार समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात :-

(क) लोक सभा में संघ राज्य क्षेत्र अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का फिलहाल प्रतिनिधित्व करने वाला व्यक्ति,

(ख) संघ राज्य क्षेत्र अंडेमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का मुख्य आयुक्त,

(ग) अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह (प्रशासन) विनियम, 1979 के अधीन नियुक्त सभी परिषद,

(घ) म्युनिसीपल बोर्ड, पोर्ट ब्लेयर का सीनियर वाइसचेयरमैन उतने समय तक जबकि उक्त बोर्ड के चेयरमैन का चुनाव हो जाये और उसके बाद वह चेयरमैन,

(ङ) संघ राज्य क्षेत्र अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की प्रदेश परिषद के दो सदस्य-एक अंडमान ग्रुप से तथा दूसरा निकोबार ग्रुप से जिनका चुनाव उक्त परिषद के सदस्यों द्वारा अपने सदस्यों में से ही किया जाता है

(च) द्वीपसमूह के दोनों ग्रुपों में से एक-एक महिला सदस्य, जिसे भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा नामित किया जाता है, यदि किसी ग्रुप से कोई महिला सलाहकार समिति की सदस्य नहीं बनती तो पूर्वोक्त उपबंधों में किसी एक के अधीन, उस ग्रुप से एक महिला सदस्य और

(छ) संघ राज्य क्षेत्र अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लिए प्रदेश परिषद में ग्रेट निकोबार द्वीपसमूह का फिलहाल प्रतिनिधित्व करने वाला सदस्य।

3. ऊपर पैरा 2 के खण्ड (ख) और (च) में उल्लिखित सदस्यों का कार्यकाल सामान्यतया अप्रैल की पहली तारीख से या उनके चुनाव नामित किये जाने की तारीख से इनमें, से जो भी बाद में हो अगले वर्ष की 31 मार्च तक रहेगा। ऊपर पैरा 2 के खण्ड (ङ) के अधीन सदस्यों का चुनाव हाथ उठाकर किया जाएगा।

4. सलाहकार समिति की बैठकों की अध्यक्षता गृह मंत्री करेंगे या उनकी अनुपस्थिति में गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री करेंगे।

5. निम्नलिखित के बारे में सलाहकार समिति से परामर्श किया जाएगा :--

(i) संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन से संबंधित राज्य क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले नीति विषयक सामान्य प्रश्न,

(ii) राज्य सूची में शामिल विषयों के बारे में क्षेत्र से सम्बन्धित सभी विधायी प्रस्ताव,

(iii) संघ के वार्षिक वित्तीय विवरण से संबंधित ऐसे मामले जिनका संबंध उक्त क्षेत्र से हो और अन्य ऐसे वित्तीय मामले जो राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित नियमों में उल्लिखित हों, और

(iv) अन्य कोई मामला जिसके बारे में गृह मंत्री के विचारानुसार समिति से परामर्श करना आवश्यक अथवा वांछनीय हो।

6. सलाहकार समिति की बैठक छ: माह में कम-से कम एक बार अवश्य होगी।

7. सलाहकार समिति के सदस्यों के प्रश्न पूछने-विषयक अधिकार राज्य विधान सभा के सदस्यों के अधिकारों और सीमाओं के अनुरूप होंगे, किन्तु शर्त यह है कि गृह मंत्री अथवा बैठक की अध्यक्षता करने वाला मंत्री जिन विवेकाधीन, सार्वजनिक हित में कोई सूचना प्रदान करने अथवा किसी विषय पर चर्चा की अनुमति देने से इंकार कर सकेगा ।

8. सलाहकार समिति के सदस्यों को कोई वेतन नहीं दिया जाएगा किन्तु भारत सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गए सामान्य अथवा विशेष आदेशों के अनुसार उन्हें समिति की बैठकों के बारे में यात्रा करने पर यात्राओं/ठहरने के लिये यात्रा-भत्ता तथा दैनिक भत्ता प्राप्त करने का अधिकार होगा ।

9 सलाहकार समिति का कार्य संचालन समय-समय पर समिति के परामर्श से गृह मंत्री द्वारा बनाये जाने वाले नियमों से विनियमित होगा ।

आर० सी० ए० जैन, उप सचिव

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक फरवरी 1982

नियम

सं. 10/7/81-के. से.-।।—कर्मचारी चयन आयोग, (गृह मंत्रालय) कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, नई दिल्ली द्वारा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड ''घ'' में अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए वर्ष 1982, के दौरान प्रत्येक दो महीने में एक बार एक महीने के द्वितीय शनिवार तथा रविवार और यदि आवश्यक हुआ तो उसके बाद पड़ने वाली छुट्टी/रविवार को ली जाने वाली प्रतियोगता परीक्षा के लिए नियम जन साधारण को सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का निर्धारण सरकार द्वारा समय-समय पर किया जाएगा और कर्मचारी चयन आयोग को इसकी सूचना आयोग द्वारा परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए जाने से पहले दे दी जायेगी। प्रत्येक परीक्षा के लिए रिक्तियों की संख्या लगभग 50 होगी भारत सरकार द्वारा यथा निर्धारित रिक्तियों के सम्बन्ध में भूतपूर्व सैनिकों अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों तथा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण किए जायेंगे।

(1) भूतपूर्व सैनिक से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने संघ की सशस्त्र सेनाओं में, जिनके अन्तर्गत भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेनाएं भी शामिल हैं, किन्तु जिनके अन्तर्गत आसाम राइफल्स, सेना सुरक्षा कोर जनरल रिजर्व इंजीनियरी बल, लोक सहायक सेना और प्रादेशिक सेना नहीं आते, शपथ ग्रहण के पश्चात् कम से कम छह मास की निरन्तर अवधि तक किसी रैंक में (चाहे योद्धा के रूप में या गैर-योद्धा के रूप में) सेवा की है, और

(क) जिसे उसके अपने अनुरोध पर या कदाचार अथवा अदक्षता के कारण पदच्युति या बर्खास्तगी के कारण के अलावा अन्य किसी रूप में निर्मुक्त कर दिया गया है, अथवा ऐसी निर्मुक्ति तक के लिए रिजर्व को स्थानान्तरित कर दिया गया है, या

(ख) जिसे यथा पूर्वोक्त निर्मुक्त या रिजर्व को स्थानान्तरित किये जाने के लिए हकदार बनने के लिए अपेक्षित सेवा की अवधि पूरी करने के लिए अधिक से अधिक छह मास सेवा करनी है; या

(ग) जिसे संघ की सशस्त्र सेनाओं में पांच वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के पश्चात् उसके अपने ही अनुरोध पर निर्मुक्त कर दिया गया है।

(2) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति से ऐसे शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति (शरीर के निचले अंग) अभिप्रेत हैं जिन्हें शारिरिक दोष हो अथवा अंग-विकृति हो जिससे कार्य करने में हड्डी, पेशियों तथा जोड़ों में सामान्य रूप से बाधा पैदा होती हो और जो व्यक्ति आंशिक रूप से बहरे हों।

परीक्षा में बैठने वाले शारीरिक रूप से विकलांगों तथा अन्य वर्ग के व्यक्तियों को सहायक लेने की अनुमत नहीं दी जायेगी।

(3) संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति), आदेश, 1950 संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति) (सूचियां) (संशोधन) आदेश, 1956 बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा (संशोधित) संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1959 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जाति आदेश 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जन जाति आदेश 1968 तथा संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976, संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश 1978 तथा संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-। में निर्धारित ढंग से ली जाएगी। प्रवेश के प्रयोजन के लिए उन्हें अपने आवेदन पत्र परिशिष्ट-।। में दिए गए प्रपत्र के अनुसार सादे कागज पर भेजने होंगे। इन आवेदन पत्रों को सम्बन्धित मंत्रालय/विभाग/कार्यालय द्वारा संवीक्षा के बाद परीक्षा लिए जाने वाले महीने के पूर्ववर्ती महीने की अधिक से अधिक 1 तारीख तक कर्मचारी चयन आयोग को अग्रेषित कर दिया जाएगा।

4. नियमित रूप से नियुक्त केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा का कोई भी स्थायी या अस्थायी अवर श्रेणी/उच्च श्रेणी लिपिक इस परीक्षा में बैठने तथा उन रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता करने का पात्र होगा।

4(1) सेवाकाल : उसने ''निर्णायक तारीख'' को (जैसा कि केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा समूह ''घ'' (प्रतियोगिता परीक्षा (विनियम, 1969 के विनियम 2(क) में परिभाषित है) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड अथवा उच्च श्रेणी ग्रेड में कम से कम 2 वर्ष की अनुमन्दित और लगातार सेवा पूर्ण कर ली हो।

टिप्पणी--2 केन्द्रीय सचिवालय सेवा को अवर श्रेणी लिपिक ग्रेड या उच्च श्रेणी के वे अधिकारी जो सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से निःसंवर्ग पदों में प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अन्यथा

पात्र हो तो इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। यह शर्त उस अधिकारी पर भी लागू होती है जो स्थानान्तरण पर किसी निः संवर्ग पद पर या किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है और यदि उस अधिकारी का केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में फिलहाल कोई पूर्व ग्रहणाधिकार चलता आ रहा हो।

टिप्पणी--3 अवर श्रेणी या उच्च श्रेणी ग्रेड में नियमित रूप में नियुक्त अधिकारी का अर्थ उस अधिकारी से है जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम 1962 के आरम्भ में केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के किसी संवर्ग में आबंटन हो या उसके पश्चात् उस सेवा की अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च ग्रेड में दीर्घ कालीन आधार पर जैसी भी स्थिति हो, निर्धारित कार्य पद्धति के अनुसार नियुक्त हों।

(2) आयु : इस परीक्षा के लिए किसी उम्मीदवार की आयु "निर्णायक तारीख" को (जैसा कि केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा समूह "घ" (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1969 के नियम 2 (ख) में परिभाषित है) 50 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(3) उन भूतपूर्व सैनिकों के मामलों में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में कम से कम छः महीने की निरन्तर सेवा की हो सशस्त्र सेना उनकी कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी। इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित अथवा अनारक्षित सभी रिक्तियों के लिए प्रतियोगी होने के हकदार होंगे।

टिप्पणी : उपरोक्त नियम 3 के प्रयोजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मचारी की सशस्त्र सेना में आवाहन पर सेवा ("काल आफ सर्विस") की अवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जाएगी।

5. ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में ओर ढील दी जा सकेगी :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत के प्रवजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(3) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सदभाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवजन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(4) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(6) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रवजन किया हो या जांबिया, मालावी, जेरे और इथीपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(7) यदि उम्मीदवार वर्गों से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(8) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वर्गों से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवजन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(9) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किये गये रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(10) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(11) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए सीमा-सुरक्षा बल के रक्षा कार्मिकों के लिए अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(12) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कार्मिकों के लिए जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति के हों, अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(13) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः/भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय परिपत्र हों) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1965 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक 3 वर्ष;

(14) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है तथा भारत मूलक का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति (भारतीय पारपत्र धारी) है तथा साथ ही वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी आपातकाल प्रमाण पत्र रखने वाला ऐसा उम्मीदवार है जो वियतनाम में जुलाई, 1965 के बाद आया है तो अधिकतम आठ वर्ष तक, और

(15) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो अर्थात् जिसका कोई अंग विकृत है और वह आंशिक रूप से बहरा है तो अधिक से अधिक 10 वर्ष।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती है।

6. परीक्षा में असफल होने वाला उम्मीदवार अगली परीक्षा में बैठने का पात्र नहीं होगा, परन्तु उससे अगली या उसके बाद की ही परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

7. ऐसे किसी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा जिसके पास आयोग द्वारा दिया गया प्रवेश पत्र न हो।

8. सामान्य उम्मीदवारों को रु. 8-00 (केवल रु. आठ) तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों को रु. 2-00 (केवल रु. दो) की निर्धारित फीस पोस्टल आर्डरों या बैंक ड्राफ्टों के द्वारा देनी होगी। भूतपूर्व सैनिकों द्वारा कोई फीस नहीं दी जानी है।

9. अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी भी साधन द्वारा समर्थन प्राप्त करने के प्रयास किए जाने से प्रवेश के लिए उसे अनर्हक किया जा सकेगा।

10. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने :—

(1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए प्राप्त किया है, अथवा

(2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(3) किसी अन्य व्यक्ति के छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा

(4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा

(5) गलत या झूठे वक्तव्य दिया है या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या

(8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हों, या

(9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, या

(10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो,

(11) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिये,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

11. परीक्षा के बाद उम्मीदवारों को आयोग द्वारा एक सूची में प्रत्येक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम के अनुसार रखा जाएगा और इसी क्रम में उतने उम्मीदवारों को, जितनों का आयोग द्वारा उत्तीर्ण समझा जाएगा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड "घ" के पदों में परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली अनारक्षित रिक्तियों की संख्या तक नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी।

लेकिन यह भी शर्त है कि यदि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भरी गई हो तो कर्मचारी चयन आयोग द्वारा निर्धारित सामान्य स्तर के अनुसार उस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए उपर्युक्त घोषित कर देने पर उसे सेवा/पद में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों पर नियुक्ति की जाने के लिए परीक्षा में उसके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान किए बिना ही उसकी सिफारिश कर दी जाएगी। आयोग द्वारा जिन भूतपूर्व सैनिकों को परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति के लिए उपर्युक्त समझा जायेगा वे उनके लिए आरक्षित रिक्तियों में नियुक्त होने के पात्र होंगे चाहे इस परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो।

परन्तु यह भी कि यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों से सम्बन्धित भूतपूर्व सैनिकों के

लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटे में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट दे कर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, सेवा में चयन करने के लिए उनकी सिफारिश की जाए बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं में चयन के लिए उपयुक्त हों।

परन्तु यह भी कि यदि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का कोई भूतपूर्व सैनिक चुन लिया जाता है तो उसके चयन की गणना आरक्षण के ऐसे सम्पूर्ण कोटा के प्रति की जाएगी, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के लिए उपबन्धित किया जाए।

टिप्पणी:——उम्मीदवारों को यह भी स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि अर्हक। परीक्षा के लिए परिणामों के आधार पर सेवा के ग्रेड "घ" में नियुक्त किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या निश्चित करने के लिए सरकार पूर्णतया सक्षम है। अतः किसी भी उम्मीदवार का इस परीक्षा में अपने निष्पादन के आधार पर, एक अधिकार के तौर पर, ग्रेड "घ" आशुलिपिक के पद पर नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं होगा।

12. अलग-अलग उम्मीदवारों के परीक्षा-परिणामों की सूचना के स्वरूप तथा प्रकार के बारे में आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार निर्णय किया जाएगा और आयोग उसके साथ परीक्षा-फल के बारे में कोई पत्राचार नहीं करेगा।

13. परीक्षा में सफलता मात्र से ही चयन का तब तक कोई अधिकार नहीं मिलता जब तक कि सरकार द्वारा यथावश्यक जांच पड़ताल न हो जाये कि उम्मीदवार सेवा में अपने चरित्र की दृष्टि से चयन के लिए सब प्रकार से उपयुक्त है।

वह उम्मीदवार जो परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने के पश्चात् अथवा उसमें बैठने के पश्चात् अपने पद से त्याग पत्र दे देता है अथवा सेवा को अन्यथा छोड़ देता है अथवा उसके साथ विच्छेद कर लेता है, उसके विभाग द्वारा उसकी नौकरी समाप्त कर दी जाती है अथवा जो उम्मीदवार, "स्थानान्तरण" पर किसी संवर्ग बाह्य पद अथवा किसी दूसरी सेवा में नियुक्ति किया जाता है और केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में उसका पूर्ण ग्रहणाधिकार नहीं होता है उस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

किन्तु यह उस उम्मीदवार पर लागू नहीं होता जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंवर्ग पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

एच. जी. मंडल, अवर सचिव

परिशिष्ट-I

उम्मीदवारों को अंग्रेजी में या हिन्दी में 10 मिनट की एक श्रुतलेख की परीक्षा 80 शब्द प्रति मिनट की गति से देनी होगी। जो उम्मीदवार अंग्रेजी परीक्षा देने का विकल्प करेंगे उन्हें 65 मिनट में लिप्यन्तर करना होगा और जो उम्मीदवार हिन्दी में परीक्षा देने का विकल्प करेंगे उन्हें क्रमशः 75 मिनट में लिप्यन्तर करना होगा। आशुलिपिक परीक्षा के लिए अधिकतम अंक 300 होंगे।

टिप्पणी:——जो उम्मीदवार आशुलिपिक परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प लेंगे उन्हें अपनी नियुक्ति के बाद अंग्रेजी आशुलिपि और जो उम्मीदवार आशुलिपि की परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प लेंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि सीखनी होगी।

2. उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि के नोटों का टाइपराइटर पर लिप्यान्तरण करना होगा और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपने साथ अपने टाइपराइटर लाने होंगे।

परिशिष्ट-II

प्रपत्र

कर्मचारी चयन आयोग

ग्रेड "घ" आशुलिपिक प्रतियोगिता परीक्षा

अन्तिम तारीख——परीक्षा के महीने में पहले के महीने का 10 तारीख

यहां उम्मीदवार के पासपोर्ट साइज के फोटो की हस्ताक्षरित प्रति चिपकाई जाए। दूसरी हस्ताक्षरित फोटो की प्रति आवेदन पत्र के साथ संलग्न की जानी चाहिए।

(1) पोस्टल आर्डर्स/बैंक ड्राफ्ट का विवरण और मूल्य

(2) उम्मीदवार का नाम श्री/श्रीमती/कुमारी (साफ अक्षरों में)

(3) सही जन्म तिथि (ईस्वी सन् में)

(4) जिस कार्यालय में कार्य कर रहे हों उसका नाम तथा पता

(5) क्या आप :

(1) अनुसूचित जाति . . . . . .

(2) अनुसूचित जनजाति . . . . . .

(3) भूतपूर्व सैनिक . . . . . .

(4) शारीरिक रूप से विकलांग है?
तो उत्तर हां अथवा नहीं में दें।

(6) (1) पिता का नाम

(2) पति का नाम
(महिला उम्मीदवार के मामले में)

(7) जिस भाषा (हिन्दी अथवा अंग्रेजी) में आप आशुलिपि परीक्षा देना चाहते हों, उसका नाम लिखें।

(8) क्या आप पिछली परीक्षा में बैठे थे; यदि हां तो अपना रोल नं. तथा परीक्षा का महीना लिखें।

(9) क्या आप केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड/उच्च श्रेणी ग्रेड के स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त अस्थायी अधिकारी हैं? और क्या आपने उस वर्ष की पहली जनवरी को जिसमें परीक्षा होनी है संगत ग्रेड में न्यूनतम दो वर्ष की अनुमोदित लगातार सेवा कर ली है।

(10) यदि आप सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर हैं अथवा संवर्ग बाह्य पद पर स्थानान्तरण के आधार पर हैं तो क्या आप पूर्व पद पर अपना धारणाधिकार (लियन) रखेंगे।

. . . . . .

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

उस कार्यालय के विभागाध्यक्ष द्वारा भरा जाने के लिए जिसमें उम्मीदवार सेवा कर रहा है।

प्रमाणित किया जाता है कि :—

(1) आवेदन पत्र के कालमों में उम्मीदवार द्वारा की गई प्रविष्टियों को उसके सेवा रिकार्डों से जांच कर ली गई और वे सही हैं।

(2) उसके आवेदन पत्र की जांच कर ली गई है और प्रमाणित किया जाता है कि वह नियमों में निर्धारित सभी शर्तों को पूरा करता है तथा वह परीक्षा में बैठने के लिए सभी तरह से पात्र है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

विभाग/कार्यालय

संख्या . . . . . .

तारीख . . . . . .

टिप्पणी :—जो उम्मीदवार एक बार फेल हो जाता है वह केवल अगले तीनों महीनों के बाद की परीक्षा में बैठ सकता है अर्थात् जो उम्मीदवार अप्रैल में ली जाने वाली परीक्षा में फेल हो जाए तो वह अगस्त अथवा उसके बाद होने वाली परीक्षा 2 में बैठ सकता है।

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1982

नियमावली

सं. 81/इं. (जी.आर.) 1/2/65—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियां भरने के लिए 1982 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा—इंजीनियरी सेवा परीक्षा की नियमावली मंत्रालयों/विभागों की सहमति से सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है:—

वर्ग 1-सिविल इंजीनियरी

ग्रुप क सेवाएं/पद

(1) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा

(2) भारतीय रेल भंडार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)

(3) केन्द्रीय इंजीनियरी पद

(4) सैनिक इंजीनियर सेवा (भवन तथा सड़क संवर्ग)

(5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)

(6) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)

(7) सहायक इंजीनियर (सिविल), डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कंध।

(8) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा।

(9) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) सिविल इंजीनियरी पद ।

ग्रुप ख सेवाएं/पद

(10) सहायक इंजीनियर (सिविल), डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कंध।

(11) सहायक इंजीनियर (सिविल), सिविल निर्माण-स्कंध, आकाशवाणी।

वर्ग 2—यांत्रिक इंजीनियरी

ग्रुप क सेवाएं/पद

(1) यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा।

(2) भारतीय रेल भंडार सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)

(3) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)

(4) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

(5) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

(6) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा, (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

(7) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ), भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण।

(8) ड्रिलिंग इंजीनियर कनिष्ठ भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण ।

(9) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) (डाक-तार दूर-संचार कारखाना संगठन) ।

(10) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (यांत्रिक तथा वैद्युत) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)—सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा।

(11) कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिक), ई.एम.ई. कोर, रक्षा मंत्रालय।

(12) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

13) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिदेशालय (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

(14) भारतीय आपूर्ति सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

ग्रुप ख सेवाएं/पद

(15) सहायक यांत्रिक इंजीनियर, भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण।

वर्ग 3—वैद्युत इंजीनियरी

ग्रुप क सेवाएं/पद

(1) वैद्युत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा।

(2) भारतीय रेल भंडार सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)।

(3) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (वैद्युत) इंजीनियरी पद)।

(4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (वैद्युत इंजीनियरी पद)।

(5) भारतीय नौसेना आयुध सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)।

(6) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)।

(7) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (वैद्युत) (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कंध)।

(8) कर्मशाला अधिकारी (वैद्युत), ई.एम.ई. कोर, रक्षा मंत्रालय।

(9) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिदेशालय (वैद्युत इंजीनियरी पद)।

(10) भारतीय आपूर्ति सेवा (वैद्युत इंजीनियरी) ।

ग्रुप ख सेवाएं/पद

(11) सहायक इंजीनियरी (वैद्युत) (डाक-तार इंजीनियरी स्कंध)।

(12) सहायक इंजीनियरी (वैद्युत), सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी।

(13) कर्मशाला अधिकारी (वैद्युत), ई.एम.ई. कोर, रक्षा मंत्रालय।

वर्ग 4—इलैक्ट्रानिकी और दूर-संचार इंजीनियरी

ग्रुप क सेवाएं/पद

(1) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा।

(2) भारतीय रेल भंडार सेवा (दूर संचार) (इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद)।

(3) भारतीय दूर संचार सेवा।

(4) इंजीनियर वायरलैस आयोजन और समन्वय स्कंध/अनुश्रवण संगठन।

(5) उप प्रभारी इंजीनियर, समुद्रपार संचार सेवा।

(6) सहायक स्टेशन इंजीनियर, आकाशवाणी।

(7) तकनीकी अधिकारी, सिविल विमानन विभाग।

(8) संचार अधिकारी, सिविल विमानन विभाग।

(9) भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद)।

(10) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद)।

(11) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (दूर संचार इंजीनियरी पद)।

(12) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिदेशालय (इलैक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी पद)।

ग्रुप ख सेवाएं/पद

(13) सहायक इंजीनियरी, आकाशवाणी।

(14) सहायक इंजीनियर, समुद्रपार संचार सेवा।

(15) तकनीकी सहायक (ग्रुप ख, अराजपत्रित), समुद्रपार संचार सेवा।

(16) कर्मशाला अधिकारी (इलैक्ट्रानिकी), ई. एम. ई. कोर, रक्षा मंत्रालय ।

1. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित रीति से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग निश्चित करेगा।

2. उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं/पदों के वर्ग में से किसी एक या अधिक के लिए प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन पत्र में उन सेवाओं/पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वह वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक हो।

उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उन्हीं सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उन पर विचार किया जाएगा जिनके लिए उन्होंने अपनी वरीयता का उल्लेख किया है और किसी अन्य सेवा/पद के लिए नहीं।

ध्यान दें 1:—उम्मीदवार जिन सेवा/पद से सम्बद्ध वर्ग/वर्गों अर्थात् सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलैक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी के प्रतियोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना देखिए) उनके अन्तर्गत आने वाली सेवाओं/पदों के बारे में उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं में परिवर्तन के अनुरोध पर कोई ध्यान तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक ऐसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कार्यालय में लिखित परीक्षा के परिणाम के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर प्राप्त नहीं हो जाता है। आयोग या रेल मंत्रालय उम्मीदवारों को कोई ऐसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे उनके आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए परिशोधित वरीयता निर्दिष्ट करने को कहा जाए।

ध्यान दें 2:—उम्मीदवार केवल उन्हें सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता बताएं जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों जिन सेवाओं और पदों के लिए वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों से संबंधित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। अतः नियम 5 (ख) या 5 (ग) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवार केवल उनमें उल्लिखित सेवाओं/पदों के लिए ही प्रतियोगी बनने के पात्र होंगे अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयता पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा। इसी तरह नियम 6 के परन्तुक के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की वरीयता पर भी केवल उक्त परन्तुक में उल्लिखित पदों के लिए ही विचार किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिए वरीयता, यदि कोई है, पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में विनिर्दिष्ट की जाएगी अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों का अर्थ संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां सूचियां (संशोधन), आदेश 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा तथा संशोधित, संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959, संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962, संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967, संविधान (गोवा, दमन तथा दियू), अनुसूचित जातियां आदेश, 1968, संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968, और संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970; संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति 1978 तथा संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश 1978 में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से कोई एक है।

4. कोई उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया, मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रव्रजन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो,

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 1982 को 20 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 27 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त 1955 से पहले और 1 अगस्त 1962 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी नीचे के कालम 1 में उल्लिखित प्राधिकारियों में से किसी के नियंत्रण में रहने वाले विभाग/कार्यालय में नियोजित हैं और यदि वे कालम 2 में उल्लिखित समरूपी सेवा(ओं)/पद (पदों) हेतु परीक्षा में बैठने का आवेदन करते हैं तो उनके मामले में 27 वर्ष की उपरी आयुसीमा में छूट देकर 32 वर्ष तक कर दी जायेगी।

(1) वह उम्मीदवार जो सम्बद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में मूल रूप से स्थाई पद पर है। उक्त विभाग/

कार्यालय में स्थाई पद पर नियुक्ति परिवीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परिवीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी।

(2) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1982 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थाई सेवा नियमित आधार पर कर चुका हो।

कालम	कालम
रेल विभाग	आई० आर० एस० ई०, आई० आर० एस० ई० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एम० ई०, आई० आर० एस० एस०।
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सी० ई० एस० ग्रुप क, सी० ई० एण्ड एम० ई० एस० ग्रुप क
इंजीनियर-इन-चीफ, थल सेना मुख्यालय	एम० ई० एस० ग्रुप क (बी० एण्ड आर० कैडर) एम० ई० एस० ग्रुप क (ई० एण्ड एम० कैडर)।
आयुध कारखाना महानिदेशालय	आई० ओ० एफ० एस० ग्रुप क
केन्द्रीय जल आयोग	सी० डब्ल्यू० ई० (ग्रुप क) सेवा
केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण	सी० पी० ई० (ग्रुप क) सेवा
भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण	यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क
बेतार आयोजन तथा समन्वय स्कन्ध	इंजीनियर (ग्रुप क), डिप्टी इंजीनियर।
अनश्रवण संगठन, समुद्रपार संचार सेवा	इन चार्ज (ग्रुप क) सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख)। तकनीकी सहायक ग्रुप ख--(अराजपत्रित)।
आकाशवाणी	सहायक स्टेशन इंजीनियर (ग्रुप क) सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (सिविल/इलेक्ट्रिकल), सिविल कंस्ट्रक्शन विंग, आकाशवाणी।
नागर विमानन विभाग	तकनीकी अधिकारी (ग्रुप क) संचार अधिकारी (ग्रुप क)
भारतीय नौ सेना	भारतीय नौसेन आयुध सेवा
डाक तार विभाग	भारतीय दूरसंचार सेवा, ग्रुप क सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल वैद्युत) ग्रुप क, डाक तार सिविल स्कंध सहायक इंजीनियर (सिविल वैद्युत) ग्रुप ख, डाक तार सिविल स्कंध सहायक इंजीनियर (कारखाना) ग्रुप क, डाक तार दूरसंचार कारखाना संगठन।
सीमा सड़क संगठन	सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा।
तकनीकी विकास महानिदेशालय	सहायक विकास अधिकारी। (इंजीनियरी) ग्रुप "क"।
आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय	आई० एस० एस० (ग्रुप 'क')

नोट :—प्रशिक्षुता की अवधि के बाद यदि रेलों में किसी कार्यकारी पद पर नियुक्ति हो जाती है तो आयु में छूट के प्रयोजन के लिए प्रशिक्षुता की अवधि रेल सेवा मानी जायेगी।

(ग) इसके अलावा निम्नलिखित स्थितियों में भी ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जायेगी :—

(1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

(2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित हो कर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित हो कर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;

(4) यदि उम्मीदवार अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हो कर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और अक्तूबर, 1964 को या उसके बाद भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को वस्तुतः प्रत्यावर्तित हो कर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(6) यदि उम्मीदवार बर्मा से 1 जून 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(7) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से 1 जून 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(8) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;

(9) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(10) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय परिपत्र हों) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण पत्र है और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(11) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः

प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारिपत्र हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात-काल का प्रमाण-पत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(12) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो या जांबिया, मलावी, जेरे और इथीयोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(13) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और भारत मूलक वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथीयोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्प-कालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;

(15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधि-कारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) तथा जो अनुसूचित जातियां या अनुसूचित जन जातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।

ध्यान दें: —जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त, नियम 5 (ख) या (ग) में उल्लिखित आयु सम्बन्धी रियायतें देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद यह परीक्षा देने से पहले या बाद में सेवा से त्याग पत्र दे देता है या उसके विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है।

किन्तु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छंटनी हो जाती है तो वह परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस सेवा/पद हेतु विभाग की आयु संबंधी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता बशर्ते कि उसका आवेदन-पत्र उसके मूल विभाग द्वारा अग्रेषित कर दिया गया हो।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जायेगी।

6. उम्मीदवार—

(क) के पास भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनु-दान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्थान से इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिये, अथवा

(ख) इंजीनियरी की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग क और ख उत्तीर्ण हो; अथवा

(ग) के पास किसी विदेशी विश्वविद्यालय/कालिज/संस्था से इंजीनियरी में डिग्री/डिपलोमा होना चाहिए, जिसे समय-समय पर इस प्रयोजन के लिये सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो, अथवा

(घ) इलेक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरों की संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; अथवा

(ङ) भारतीय वैमानिक सोसाइटी की एसोशिएट मेम्बरशिप परीक्षा भाग ।। और ।।। खंड क और ख उत्तीर्ण की; या

(च) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई, इलेक्ट्रानिकी और रेडियो संचार इंजीनियरों की संस्था (लंदन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

नवम्बर, 1959 से पहले इलेक्ट्रानिकी और रेडियो इंजीनियरों की संस्था (लंदन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा भी निम्नलिखित स्थितियों में स्वीकार्य होगी :—

(1) कि जिन उम्मीदवारों ने नवम्बर, 1959 से पहले ली गई परीक्षा उत्तीर्ण की है वे ग्रेजुएट मेम्बर-शिप परीक्षा की 1959 के बाद की योजना के अनुसार निम्नलिखित अतिरिक्त प्रश्न-पत्रों में बैठे हों और उनमें उत्तीर्ण हों—

(1) रेडियो और इलैक्ट्रानिकी 1 के सिद्धान्त (सेक्शन "ए") (2) गणित 2 (सेक्शन "बी")।

(2) कि सम्बद्ध उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) पर निर्धारित शर्तों को पूरा करने के लिये इलेक्ट्रानिकी और रेडियो इंजीनियरी की संस्था लन्दन से प्रमाण-पत्र लेकर प्रस्तुत करना चाहिये।

किन्तु वायरलैस आयोजन तथा समन्वय स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन संचार मंत्रालय में इंजीनियरी ग्रुप क, समुद्रपार संचार सेवा में उप प्रभारी इंजीनियर ग्रुप क, आकाशवाणी में सहायक स्टेशन इंजीनियर ग्रुप क, भारतीय नौसेना आयुद्ध सेवा में इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी (पद) आकाशवाणी में सहायक इंजीनियर ग्रुप ख समुद्रपार संचार सेवा में सहायक इंजीनियर ग्रुप ख और समुद्रपार संचार सेवा में तकनीकी सहायक (ग्रुप ख अराजपत्रित) के पदों के लिये उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो जैसे :—

वायरलैस संचार इलेक्ट्रानिकी रेडियो भौतिक या रेडियो इंजीनियरी के विशेष विषय के साथ एम. एस. सी. डिग्री या समकक्ष।

नोट 1—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे वह उत्तीर्ण कर लेने पर वह शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जायेगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जायेगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 अक्तूबर, 1982 तक नीचे निर्धारित पत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

नोट 2—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

नोट 3—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हक प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है जो सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिये।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थाई रूप से काम कर रहे हों चाहे वे किसी काम के लिये विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों अथवा जो लोक उद्यमों में सेवारत हों उन सबको इस आशय का परिवचन (अन्डरटेकिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमीशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने—

(1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिये समर्थन प्राप्त किया है, अथवा

(2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्मवेश रूप में कार्यसाधन कराया है, अथवा

(4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा

(5) गलत या झूठे वक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या

(8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हों, या

(9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, या

(10) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो,

(11) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया हो,

तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिये,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई वारित तब तक नहीं की जाएगी जब तक—

(1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग की विवेज्ञा पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुलाया जायेगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों के लिये इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिये साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाये जा सकते तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुला सकता है।

13. साक्षात्कार के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से लिये गये कुल प्राप्तकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनायेगा और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के

लिये अनुशंसा की जायेगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाये गये हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिये आयोग स्तर में छूट देकर चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई स्थान हो, नियुक्ति के लिये अनुशंसित किये जा सकेंगे, बशर्ते कि वे उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिये उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाये, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिये बताये गये वरीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जायेगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिये आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाये कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिये हर प्रकार से उपयुक्त है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिये और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिये जो सम्बन्धित सेवा के अधिकारों के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टर परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि इन शर्तों को पूरी नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिये अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनकी डाक्टरी जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरंत बाद आने वाले कार्य दिवस को की जायेगी (दूसरे शनिवार को छोड़कर रविवार और छुट्टियों वाले दिन डाक्टरी जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिये सभी सफल उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे, बसन्त लेन, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चश्मा लगाते हों तो उन्हें हाल ही के चश्मे के नम्बर के साथ मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिये।

डाक्टरी जांच की तारीख या स्थान में परिवर्तन का अनुरोध सामान्यतः स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिये कि किसी भी हालत में डाक्टरी जांच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा से सम्बन्धित विनियमों की ओर आकर्षित किया जाता है। उसमें विभिन्न सेवाओं के लिये शारीरिक स्वस्थता के मापदण्ड अलग-अलग हैं। अतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिये वे प्रतियोगी हैं जिनके सेवाओं/पदों के लिये मं. लो. से. आ. को वरीयता बतायी है उन सेवाओं के विशेष संवर्ग में इन मापदंडों को ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि—

(1) उनको (सोलह रुपये) रु. 16/-की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;

(2) डाक्टरी जांच के सम्बन्ध में की गई यात्राओं के लिये उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जायेगा; और

(3) उम्मीदवार की डाक्टरी जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिये उसके मामले पर विचार किया ही जायेगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उनको रेलवे मंत्रालय द्वारा डाक्टरी जांच से संबंधित अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जायेगी।

निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरी परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षाओं में गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट ।। में दिये गये हैं। 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों और सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुए व्यक्तियों को प्रत्येक सेवा की अपेक्षाओं में स्तर में छूट दी जायेगी।

18. जिस व्यक्ति ने—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायक होगा जो कि उम्मीदवार को सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण करनी है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट ।।। में दिया गया है।

हिम्मत सिंह, सचिव

परिशिष्ट 1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग ।—लिखित परीक्षा दो भागों में होगी। भाग। में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग ।। में परम्परागत प्रश्नपत्र होंगे। दोनों भागों में संगत इंजीनियरी शिक्षा शाखाओं जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी और इलैक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी की पूरी पाठ्यचर्या होगी। इन प्रश्न पत्रों के लिए निर्धारित स्तर

तथा पाठ्यचर्या परिशिष्ट की अनुसूची में दिये गए हैं। लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गये हैं।

भाग II.—लिखित परीक्षा के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2. **लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी:—**

श्रेणी I सिविल इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण		2 घंटे	200
(भाग क: सामान्य अंग्रेजी)	01		
(भाग ख: सामान्य अध्ययन)	02		
सिविल इंजीनियरी प्रश्न पत्र-I	11	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न पत्र-II	12	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न पत्र			
सिविल इंजीनियरी प्रश्न पत्र I	13	3 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न पत्र-II	14	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी II—यांत्रिक इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण		2 घंटे	200
(भाग क: सामान्य अंग्रेजी)	01		
(भाग ख: सामान्य अध्ययन)	02		
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न पत्र I	21	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न पत्र II	22	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न पत्र			
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न पत्र I	23	3 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न पत्र II	24	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी III—वैद्युत इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड I वस्तुपरक प्रश्न पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण		2 घंटे	200
(भाग क: सामान्य अंग्रेजी	01		
भाग ख: सामान्य अध्ययन)	02		
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न पत्र I	41	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न पत्र II	42	2 घंटे	200
खण्ड II परम्परागत प्रश्न पत्र			
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न पत्र-I	43	3 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न पत्र II	44	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी—IV इलेक्ट्रॉनिकी और दूर संचार इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड I वस्तुपरक प्रश्न पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण		2 घंटे	200
(भाग क: सामान्य अंग्रेजी)	01		
(भाग ख: सामान्य अध्ययन)	02		
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न पत्र-I	61	2 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न पत्र-II	62	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न पत्र			
इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न पत्र I	63	3 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न पत्र II	64	3 घंटे	200
योग			1000

3. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता पहल तथा मेधा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक ऊर्जास्विता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिये जाये।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

6. आयोग अपनी विवक्षा से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सतही ज्ञान के लिये अंक नहीं दिये जायेंगे।

8. लिखाई खराब होने पर लिखित विषयों के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिये जायेंगे।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को श्रेय दिया जायेगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में क्रमबद्ध, प्रभाव पूर्ण ढंग की और सही हो।

10. प्रश्न-पत्रों में यथा आवश्यक तौल और माप की मीटरी प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट—उम्मीदवारों को जब भी जरूरी समझा जाएगा परीक्षा भवन में सन्दर्भ हेतु भारतीय मानक संस्था द्वारा संकलित तथा प्रकाशित मीटरी इकाइयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी।

11. उम्मीदवारों को परंपरागत (निबंध) प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पाकेट केलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से केलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए केलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

12. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतरराष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

परिशिष्ट 1 की अनुसूची

स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न पत्र का स्तर वैसा ही होगा जैसा कि एक इंजीनियरी/विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है। अन्य विषयों के प्रश्न पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा। किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

सामान्य योग्यता परीक्षण

भाग (क) :—सामान्य: अंग्रेजी (कोड सं. 01) अंग्रेजी का प्रश्न पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जांच हो सके।

भाग (ख) :—सामान्य अध्ययन (कोड सं. 02) सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र से सामयिक घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देते हुए, जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है। प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सकेंगे।

सिविल इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिये)

प्रश्न-पत्र—I

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिये कोड सं. 11 और परंपरागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 13

1. भवन सामग्री और निर्माण—पत्थर, इमारती लकड़ी ईंट, सिमेंट, लेप, कंक्रीट रचिति, इस्पात।
2. धन यांत्रिकी
   प्रतिबल, विकृति, धन द्रव्य का विफलन सिद्धान्त, साधारण बंकन और विमोटन के सिद्धांत, अपरूपण केन्द्र
3. आलेखी स्थैतिकी
   बल बहुभुज, प्रतिबल आरेख
4. संरचनात्मक विश्लेषण
   ट्रसेस और फ्रेम का विश्लेषण
   प्लास्टिक विश्लेषण का परिचय
5. धातु संरचना का अभिकल्पन
   कार्यकारी प्रतिबल और साधारण संरचना के चरम सामर्थ्य अभिकल्पन
6. कंक्रीट और चिनाई रचना के अभिकल्पन
   चिनाई दीवार का अभिकल्पन, कार्यकारी प्रतिबल समतल का अभिकल्पन, प्रबलित और प्रतिबलित कंक्रीट, प्रबलित और प्रतिबलित कंक्रीट का चरम सामर्थ्य अभिकल्पन।

प्रश्न पत्र—II

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए कोड सं. 12 और परंपरागत प्रश्न पत्र के लिए कोड सं. 14

1. तरल यांत्रिकी, जल स्रोत, इंजीनियरी
   विवृत चैनल, और पाइप प्रवाह, जल विज्ञान, नहरों का अभिकल्पन, और जलीय संरचना
2. मृदा यांत्रिकी और आधार इंजीनियरी सामर्थ्य पैरामीटर, भूमि दाब सिद्धांत, उथले और गहरे आधारों का अभिकल्पन
3. सर्वेक्षण सहित परिवहन इंजीनियरी
   सड़क, अतिउन्नयन, नियमन प्रवणता, फुटपाथ, यातायात नियंत्रण, विचारणीय अभिकल्पन
4. पर्यावरण इंजीनियरी
   जल स्वच्छता, सीवेज अभिक्रिया एवं निपटान
5. निर्माण, नियोजन और प्रबन्ध
   निर्माण पद्धति के तत्व, बार चार्ट, सी. पी. एम. पी. ई. आर. टी.।

यांत्रिक इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र—I

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए कोड सं. 21 और परंपरागत प्रश्न पत्र के लिए कोड सं. 23

1. उष्मागतिकी
   नियम, आदर्श गैसों और वाष्प के गुण धर्म, विद्युत चक्र, गैस पावर चक्र, गैस टरबाइन चक्र, ईंधन और दहन
2. आई. सी. इंजन
   सी. आई. और एस. आई. इंजन, अभिस्फोटन, ईंधन अन्तः श्वेपण और काबूरेशन निष्पावन और परीक्षण. टर्बो जेट और टर्बो प्रोपेलर इंजन, राकेट इंजन नाभिकीय शक्ति संयंत्र और नाभिकीय ईंधन का प्रारम्भिक ज्ञान।
3. वाष्प बायलर, इंजन, वाष्प टरबाइन, प्रारूप, नाजल से वाष्प प्रवाह, आवेग और अभिक्रिया टरबाइन के वेग आरेख। दक्षता और नियंत्रण।
4. संपीडित्र, गैस गतिकी और गैस टरबाइन प्रत्यगामी, केन्द्रभिमुख और अक्षीय प्रवाह के संपीडित्र वेग आरेख/दक्षता और निष्पावन। प्रवाह पर यांत्रिक अंकों का प्रभाव, आइसेन ट्रापिक प्रवाह, नोजल से सामान्य प्रपात और प्रवाह बहुचरणीय संपीडन सहित गैस टरबाइन चक्र, पुर्नतापन, पुनरुत्पादन।
5. उष्मा अन्तरण, प्रशीतन और वातानुकूलन चालन, संवहन और विकिरण उष्मा/विनिमयक प्ररूप। संमिलित उष्मा अंतरण। संपूर्ण उष्मा अंतरण गुणांक। प्रशीतन और उष्मा पम्प चक्र। प्रशीतन प्रणाली। निष्पादन के गुणांक—साइक्रोमीट्रिक और साइक्रोमीट्रिक चार्ट कम्फर्ट सूचक, प्रशीतन और निरार्द्रीकरण विधि। औद्योगिक वातानुकूलन प्रक्रिया। शीतलन और तापन भार गणना।
6. तरलों के वर्गीकरण और गुणधर्म, तरल स्थैतिकी शुद्ध गतिकीय और गतिकी; सिद्धांत और प्रयोग। दाबांतरमापीय और उत्प्लावन। आदर्श तरलों का प्रवाह। स्तरीय तथा प्रक्षुब्ध प्रवाह। पटिगीमा स्तर सिद्धांत। निमज्जित वस्तुओं पर प्रवाह। पाइपों और खुली नालियों में प्रवाह, विमीय विश्लेषण तथा सादृश्य तकनीक अविमीय विशिष्ट गति तथा सामान्यतः तरल मशीनों का वर्गीकरण ऊर्जा हस्तांतरण सम्बन्ध। पम्पों और आवेगों तथा प्रतिक्रिया जल टरबाइन का निष्पादन और संचालन। द्रवगतिक विद्युत संचारण।

प्रश्न पत्र—।।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए कोड सं. 22 और परंपरागत प्रश्न पत्र के लिए कोड सं. 24

7. मशीनों का सिद्धांत (1) गतिमान पिंड (2) मशीनों के वेग और त्वरण ग्लाइन का निर्माण, मशीनों में जड़त्व बल कैम्स, गीयर और गियर्न गति-पालक चक्र और नियामक पिंडों का पूर्णी एवं प्रत्यगा-मीसंतुलन स्वतंत्र और प्रणोदित कम्पमान की प्रणाली शैफ्ट की क्रांतिक गति और भ्रमरी।

8. मशीन अभिकल्पन—पेच बन्धन और पावर स्क्रू का जोड़—कुंजियां कोटर्स, युग्मन—वेल्ड संधि पार-गमन पद्धति :—पट्टा और चेन चालित—तार रज्जु—शेफ्ट।

गिअर—सर्पी और रोलिंग बेयरिंग।

9. पदार्थों की सबलता :
द्विवमीय प्रतिबल और विकृति मोहर से चक्र प्रत्या-स्थिरता के बीच सम्बन्ध।

किरणपुंज—बंकन आघूर्ण अपरूपक बल और विक्षेप शैफ्ट—सम्मिलित बंकन प्रत्यक्ष और मरोड़ी प्रतिबल। स्थूल—वेल्ड सिलिन्डर और दाब के अन्तर्गत गोलक स्प्रिंग, आलंबन स्तंभ और कालम, विफलन का सिद्धांत।

10. इंजीनियरी पदार्थ :

मिश्र धातु और धातुमिश्रण ताप अभिक्रिया; संयोजन गुणधर्म और प्रयोग प्लास्टिक और अन्य नये इंजीनियरी पदार्थ।

11. उत्पादन इंजीनियरी :

धातु मशीनीकरण :—कर्तन औजार, औजार धातु, घिसाई और यांत्रीकरणीयता कर्तन शक्ति का माप प्रक्रियाएं—मशीनीकरण—प्रेषण, वेधन, गीअर, निर्माण धातु रूपांकन, धातु संचकन और सम्मिलन बेसिक, विशेष प्रयोजन, कार्यक्रम और संख्यात्मक। नियंत्रित मशीनी औजार, जिग और अनुलग्नी (तत्वों का अवस्थापन)।

12. औद्योगिक इंजीनियरी :
कार्य अध्ययन और कार्य की माप मजदूरी प्रोत्साहन उत्पादन कीमत और उत्पादन प्रणाली का अभि-कल्पन, संयंत्र विन्यास के सिद्धांत—उत्पादन नियोजन एवं नियंत्रण, पदार्थ व्यवस्था, संक्रिय विज्ञान। रैखिक प्रोग्रामन पंक्ति सिद्धांत इंजीनियरी जाल विश्लेषण। सी. पी. एम. एवं पी. ई. आर. टी. संगणकों का उपयोग।

वैद्युत इंजीनियरी

(वस्तुपरक और परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न पत्र—।

बस्तपरक प्रकार के प्रश्न पत्र के लिए कोड सं. 41 और परंपरागत प्रश्न पत्र के लिए कोड सं. 43

1. वैद्युत परिपथ :

जाल प्रमेय, ज्यावक्रीय जाल के सोपानों, रैम्प, आवेग और ज्यावक्रीय निवेश की अनुक्रिया. आवृति क्षेत्र का विश्लेषण, द्विवप्रदार जाल संश्लेषन का तत्व। संकेत-प्रवाह ग्राफ।

2. ई. एम. सिद्धांत :

वैद्युत स्थैतिक, मदिश प्रणाली का प्रयोग करते हुए चुम्बक स्थैतिक चुम्बकीय पदार्थों और चालक के अन्तर्गत परावैद्युत के क्षेत्र। समय परवर्ती क्षेत्र, मैक्सवेल का समीकरण, चालन परावैद्युत मीडिया में समतल तरंग संचरण, संचरण लाइन का गुणधर्म।

3. पदार्थ विज्ञान : (वैद्युत—पदार्थ)

पट्ट सिद्धांत स्थितिज और वैकल्पिक क्षेत्रों का व्यवहार, दाव विद्युत्। धातु की चालकता अति-चालकता, पदार्थों का चुम्बकीय गुणधर्म। फेरो और फेरी—चुम्बकत्व अर्द्धचालकों में चालकता हाल प्रभाव।

4. वैद्युत मापन :

मापन के सिद्धांत। परिपथ पेरामीटर का सेतु मापन। माप यंत्र। वी. टी. वी. एम. तथा सी. आर. ओ. क्यू.—मीटर, स्पेक्ट्रम विश्लेषक। ट्रान्सड्यूसर्स तथा गैर-वैद्युत् मात्राओं का मापन, अंकीय मापन दूर-मापन तथ्य अभिलेखन तथा प्रदर्श।

प्रश्न पत्र—।।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्र के लिए कोड सं. 42 और परंपरागत प्रश्न पत्र के लिए कोड सं. 44

5. अभिकलन के तत्व :

अंकीय प्रणाली, एल्गोरिदम विधियों, प्रवाह-संचित्रण भाण्डारण: प्ररूप विवरण, सारणी भाण्डारण अंक गणित निष्पीड़न, तार्किक निष्पीड़न निर्दिष्टीकरण विवरण, कार्यक्रम संरचना, वैज्ञा-निक तथा इंजीनियरी अनुप्रयोग।

6. वैद्युत् उपकरण तथा प्रणालियां:

वैद्युत यांत्रिकी : वैद्युत यांत्रिकीय ऊर्जा रूपान्तरण के सिद्धांत। डी. सी., तुल्यकालिक तथा प्रेरण मशीनों का विश्लेषण। भिन्न कम से अश्व-शक्ति मोटर। नियंत्रण प्रणालियों में मशीनें। ट्रांसफार्मर्स। चुम्ब-कीय परिपथ तथा परिचालनों के लिए मोटरों का चयन।

विद्युत प्रणाली:—विद्युत उत्पादन : तापीय, जलीय चालक, विद्युत प्रणाली रक्षण। आर्थिक परिचालन, लोड आवृति—नियंत्रण, स्थापित्व विश्लेषण।

7. नियंत्र प्रणालियां :

विवृत—पाश तथा सवृत पाश प्रणालियां, अनुक्रिया विश्लेषण, मूल केन्द्र प्रविधि, स्थायित्व, प्रतिपूरण तथा अभिकल्पन प्रविधियां। स्थिति-परिवर्ती उप-गमन।

8. इलैक्ट्रानिकी तथा संचार:

इलैक्ट्रानिकी:—घनावस्था युक्तियां तथा परिपथ। लघु सिगनल प्रवर्धक अभिकल्प, पूनर्भरण प्रवर्धक दोलीम तथा संक्रियात्मक प्रवर्धक एफ.ई.टी. परि-पथ तथा रैखिक आई.सी.। स्विचन परिपथ बूलीय बीजगणित, तर्क परिपथ, सांयोजिक तथा अनुक्रमिक अंकीय परिपथ।

संचार:—सिगनल विश्लेषण, सिगनलों का प्रेषण। माडूलन तथा विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियों का समूचन। संचार प्रणालियों का निष्पादन।

इलैक्ट्रानिकी तथा दूरसंचार इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथ्य परंपरागत दोनों प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र-1 वस्तु परक प्रकार के प्रश्न पत्र के लिए कोड़ सं. 61 और परम्परागत प्रश्न पत्र के लिए कोड़ सं. 63

पदार्थ

1. सामग्री, घटक तथा युक्तियां,:

वैद्युत इंजीनियरी सामग्रियों की संरचना तथा गुण-धर्म। निष्क्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म। सक्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म। घनावस्था युक्तियां भौतिक, लक्षण तथा नमूने।

2. जाल सिद्धांत:

जाल प्रमेय। विद्युत परिपथों की स्थिर अवस्था तथा क्षणिक अनुक्रिया। परिपथ जाल विश्लेषण। प्रारम्भिक परिपथ जाल संश्लेषण।

3. विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत:

क्षेत्रगत सिद्धांत। संचरण लाइन सिद्धांत। एंटेना सिद्धांत। परिबद्ध तथा अपरिबद्ध मीडिया में विद्युत चुम्बकीय तरंगों का पवर्तन।

4. मापन तथा यंत्रीकरण.

वैद्युत मात्राओं का आधारभूत माप। यंत्रों का मापन तथा उनकी कार्य-प्रणाली का सिद्धांत। ट्रान्सड्यूसर्स। गैर वैद्युत मात्राओं का माप।

प्रश्न-पत्र-2 वस्तु परक प्रकार के प्रश्न पत्र के लिए कोड़ सं. 62 और परम्परागत प्रश्न पत्र के लिए कोड़ सं, 64

1. रैखिक तथा अरैखिक अनुरूप परिपथ:
मूल रैखिक इलैक्ट्रानिक परिपथ। स्पंद—रूपण परिपथ। तरंग आकार जनित्र। स्थायीकारक।

2. अंकीय परिपथ:
तर्क परिपथ तथा गेट। संगणक परिपथ। संयोजिक तथा अनुक्रमिक परिपथ।

3. नियंत्रण प्रणालियां.
पुनर्भरण सिद्धांत। नियंत्रण प्रणाली घटक। नियंत्रण प्रणालियों की प्रतुक्रिया। व्यवहारिक प्रणाली का अभिकल्पन।

4 संचार प्रणालियां:
मूल सूचना सिद्धांत। माडूलन तथा संसूचन प्रक्रियाएं। विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियां। रेडियो तथा लाइन संचार। दूरदर्शन तथा रेडार। संचालन महाय। अनुगामी संचार सिद्धांत।

5. सूक्ष्म-तरंग इंजीनियरी:

सूक्ष्म-तरंग स्रोत। सूक्ष्म-तरंग घटक तथा जाल। मापन तथा सूक्ष्म-तरंग आवृतियां। सूक्ष्म-तरंग संचार प्रणालियां।

परिशिष्ट—2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनिमय

[ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं । ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) को मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न पाते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षी बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह बात भी भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।]

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो।

2. (क) भारतीय (एग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेर के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिए कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित है, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता:—

सेवा का नाम	कद	छाती का घेर (पूरा फुला कर)	फैलाव
रेल इंजीनियरी सेवा (सिविल, पथ, यांत्रिक और सिग्नल) और के० लो० नि० वि० में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा केन्द्रीय वैद्युत् इंजीनियरी सेवा			
ग्रुप क.			
(क) पुरुष उम्मीदवारों के लिये	152 सें० मी०	84 स०मी०	5 सें० मी०
(ख) महिला उम्मीदवारों के लिये	150 सें०मी०	79 सें०मी०	5 सें० मी०

अनुसूचित जन जातियों तथा उन जातियों जैसे गोरखाओं गढ़वालियों, असमियों, नागालैंड के आदिवासियों आदि जिनका औसत कद स्पष्टतः ही कम होता है, के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

(ग) सेना इंजीनियरी सेवाओं, ग्रुप 'क' भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप 'क' (तथा कर्मशाला अधिकारी ग्रुप क और ग्रुप ख के लिए छाती की नाप में कम से कम 5 सें. मी. के फैलाव की गुंजाइश रखनी होगी।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा:—

वह अपने जूते उतार देगा और माप दण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाय एड़ियों के पांवों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां, नितम्ब और कंधे माप दंड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बर्टेक्स आफ दी हैड लेवल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) नीचे आए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा:—

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है—

उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके हाथ जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एंगिल्स) के पीछे लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि। माप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

ध्यान दें:—अन्तिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापी जानी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा:—

(1) सामान्य—किसी रोग या असामान्यता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कान्टिगुअस स्ट्रेक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि-तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूटी)—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिये और दूसरी नजदीक की नजर के लिये। प्रत्येक आंख की अलग अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना आंख की नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा:—

सेवायें	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि		
	अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख	अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख	
1	2	3	4	5	
क. तकनीकी					
1. रेल इंजीनियरी सेवाएं, (सिविल वैद्युत् यांत्रिक और सिग्नल)					
2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय विद्युत् तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क					
केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)	6/6 अथवा 6/12	जे I	जे II		
ग्रुप क तथा तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत्) ग्रुप क (भारतीय दूरसंचार इंजीनियरी स्कंध)	6/9	6/9			
सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत्) ग्रुप ख (डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कंध) । डब्ल्यू० पी० एंड सी० स्कंध, अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय में इंजीनियर का पद/ओ० सी० एस० में डिपुटी इंजीनियर इंचाज, ग्रुप क, आकाशवाणी में सहायक स्टेशन इंजीनियर ग्रुप क, नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी ग्रुप क, नागर विमानन विभाग में संचार अधिकारी, ग्रप क, भारतीय नौसेना, आयुध सेवा में, भारतीय आयुधशाला सेवा, ग्रप क, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' आकाशवाणी में सहायक इंजीनियर ग्रप ख, ओ० सी० एस० में सहायक इंजीनियर ग्रुप ख और ओ० सी० एस० में तकनीकी सहायक (ग्रप ख—अराजपत्रित)। और सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिदेशालय					
3. सेना इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, तथा सहायक प्रबन्धक (कारखाना) ग्रुप क, डाकतार संचार कारखाना संगठन कमशाला अधिकारी ग्रुप 'क' और ग्रुप 'ख'	6/6	6/18	जे I	जे II	
	6/9	6/9			
ख. गैर-तकनीकी					

1	2	3	4	5
4. भारतीय रेल भंडार सेवा, ब्रिलिंग इंजीनियर कनिष्ठ	6/9	6/12	जे I	जे II
ग्रुप क और सहायक यांत्रिक इंजीनियर ग्रुप "ख" और भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क				
आपूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' भारी उद्योग विभाग (उद्योग मंत्रालय) में सहायक निदेशक (तकनीकी) ग्रुप "क" (यांत्रिक इंजीनियरी पद)				

नोट (1):

(क) उपर्युक्त क पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में मियोपिया (सिलेन्डर सहित) का कुल परिमाण—4.00 डी. से अधिक नहीं होगा। हाइपरमेट्रोपिया (सिलैण्डर सहित) का कुल परिमाण+4.00 डी. से अधिक नहीं होगा।

किन्तु शर्त यह है कि "तकनीकी" (रेल मंत्रालय अधीन सेवाओं के अलावा अन्य) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि हाई मियोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नेत्र विज्ञानियों के विशेष बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह मियोपिया रोगात्मक है कि नहीं। यदि यह रोगात्मक नहीं हो तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि सम्बन्धी अपेक्षाएं पूरी कर दे।

(ख) मियोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में जांच करानी चाहिए और उसके नतीजों को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की कोई रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने और उससे उम्मीदवार की कार्य कुशलता पर असर पड़ने की सम्भावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

नोट (2):

तकनीकी विकास महानिदेशालय में भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप क और सहायक विकास अधिकारी इंजीनियरी के अलावा उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के सम्बन्ध में वर्ण दर्शन की जांच अनिवार्य होगी।

जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण-अवगम उच्चतर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो लैन्टर्न में द्वारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हो:—

ग्रेड	वर्ण अवगम का उच्चतर ग्रेड	वर्ण अवगम का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16′	16′
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर
3. दिखाने का समय	5 सेकेन्ड	5 सेकेन्ड

रेल इंजीनियरी सेवा (सिविल वैद्युत सिग्नल और यांत्रिक) और जन सुरक्षा से सम्बन्धित अन्य सेवाओं के लिए ऊंचे ग्रेड के वर्ण दर्शन की जरूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन को पर्याप्त माना जाना चाहिए:

सेवाओं/पदों के वर्ग जिनके लिए उच्च या निम्न ग्रेड का वर्ण-दर्शन अपेक्षित है नीचे दिए जा रहे हैं:—

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए उच्च ग्रेड का वर्णदर्शन अपेक्षित है:—

(1) रेल इंजीनियरी सेवा
(2) सैन्य इंजीनियरी सेवा
(3) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
(4) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा
(5) संचार अधिकारी ग्रुप 'क' नागर विमानन विभाग
(6) तकनीकी अधिकारी ग्रुप 'क' नागर विमानन विभाग
(7) सहायक कारखाना प्रबन्धक (कारखाना) (डाक-तार) दूर संचार कारखाना संगठन
(8) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'
(9) कर्मशाला अधिकारी ग्रुप 'क' तथा ग्रुप 'ख'

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए निम्न ग्रुप का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :—

(1) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा
(2) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा
(3) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा का ग्रेड
(4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा
(5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा
(6) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत) ग्रुप 'क', (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कंध) क्लास I डाक-तार
(7) सहायक स्टेशन इंजीनियर ग्रुप 'क' आकाशवाणी
(8) इंजीनियर ग्रुप 'क' बेतार आयोजन और समन्वय स्कंध अनुश्रवण संगठन
(9) उप प्रभारी इंजीनियर ग्रुप 'क' समुद्र पार संचार सेवा
(10) सहायक इंजीनियर सिविल वैद्युत दूर संचार और इलैक्ट्रानिकी ग्रुप 'ख' आकाशवाणी
(11) सहायक इंजीनियर (सिविल और वैद्युत) ग्रुप 'ख' (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कंध)
(12) सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख' समुद्र पार संचार सेवा
(13) तकनीकी सहायक ग्रुप 'ख' (अराजपत्रित), समुद्र पार संचार सेवा।

लाल, हरे और सफेद रंग के संकेत को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक वर्ण दर्शन है। वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिए इशिहारा की प्लेटों तथा एडरिजमीन को लैंटर्न-दोनों का प्रयोग किया जाएगा ।

नोट (3)—दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि द्वारा दृष्टि की क्षेत्र जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिभाषी (पेरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

नोट (4)—रतौंधी (नाइट ब्लाइंडनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौंधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतौंधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैंडर्ड टैस्ट निश्चित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टैस्ट कर लेने चाहिएं जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि क्षीणता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

नोट (5)—केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा हेतु उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण दर्शन और रतौंधी सम्बन्धी परीक्षण पास करना होगा।

नोट (6)—दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशाएं (आक्यूलर कंडीशन्स)।

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन त्रुटि (रिफ्रेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) भैंगापन—ऊपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हेतु जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है भैंगापन अयोग्यता माना जाएगा चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो। यदि दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार हो तो अन्य सेवाओं हेतु भैंगापन अयोग्यता नहीं माना जाएगा।

(ग) यदि कोई एक आंख वाला व्यक्ति है या उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य है तथा दूसरी आंख की दृष्टि कमजोर है या उसकी दृष्टि उप-सामान्य है तो इसका सहज प्रभाव यह होता है कि गहनता अवगम के लिए उसके पास त्रिविम दृष्टि की कमी है। कई सिविल पदों के लिए ऐसी दृष्टि जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्वस्थ होने की अनुशंसा कर सकता है बशर्ते कि उसी सामान्य आंख :—

(1) की चश्मा लगाकर या चश्मे के बिना दूर दृष्टि 6/6 और निकट दृष्टि जे । बशर्ते कि किसी मेरीडियन में दूर दृष्टि सम्बन्धी दोष 4 डायोप्ट्रेल से अधिक न हो।

(2) का दृष्टि-क्षेत्र पूर्ण हो।

(3) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण दर्शन।

किन्तु बोर्ड सन्तुष्ट हो कि उम्मीदवार सन्दर्भगत कार्य विशेष सम्बन्धित सभी कार्रवाई कर सकता है।

"तकनीकी" के रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिए दृष्टि की तीक्ष्णता का शिथिल किया हुआ उपर्युक्त मानक लागू नहीं होगा।

नोट (7) कान्टेक्ट लेन्स—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टेक्ट लेन्स प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

नोट (8) आवश्यक है कि आंख का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति 15 फुट कन्डिल की प्रदीप्ति जैसी हो।

नोट (9) सरकार किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में विशेष कारणवश किसी भी शर्त में छूट दे सकती है।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल मेक्जीम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :—

(1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+आयु होता है।

(2) 25 वर्ष की ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+आधी आयु का सामान्य नियम बिलकुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. से ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम. एम. से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेन्ट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कार्यिक (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्सरे और इलक्ट्रोकार्डियाग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकाय (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमतः पारे वाले दाबमापों (सरकरी मैनोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म का व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत हारिजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर हो तथा उसके कंधे तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर को ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इन्च ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहू धमनी (ब्रेकिअल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूंढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों बीच स्टेथ-स्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम. एम. एच. जी. हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्राय हो जाएं यह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकारक होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निर्शिचित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर वे गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गेप" से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किये गये मूत्र की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रसायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिह्न और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टेंडे के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधुमेही (नान डायबेटिक) है और बोर्ड इस केस को मेडिसिन के किसी ऐसे विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टेंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी किलिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने

स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण किया जाना चाहिए:--

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। यह उपबंध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं सेना इंजीनियरी सेवा, भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और सीमा सड़क इंजीनियरों की सेवा ग्रुप 'क' पर लागू लाभ नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है--

(1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन, दूसरा कान सामान्य होगा	यदि हायर फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर तकनीकी कार्यों के लिये योग्य ।
(2) दोनों कानों में बहरेपन का प्रत्यक्ष बोध जिसमें, श्रवण यंत्र (हियरिंग ऐड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।	यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिये योग्य।
(3) सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्बरेन का छिद्र	(i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्बरेन का छिद्र हो तो अस्थाई आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा से स्थिति सुधरने पर दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गये नियम 4 (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।
	(ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।
	(iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थाई रूप में अयोग्य ।
(4) कान के एक ओर (दोनों ओर) से मस्टायड केविटी के सब नार्मल श्रवण।	(i) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सब नार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये योग्य।
	(ii) दोनों ओर से मस्टायड केविटी तकनीकी काम के लिये अयोग्य। किसी भी काम को श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाये सुधार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिये योग्य।
(5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला	तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिये अस्थाई रूप में अयोग्य।
(6) नाक पट की हड्डी संबंधी विषमताओं (बोनी डिफार्मिटी) से हत अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलर्जिक दशा	(i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।
	(ii) लक्षणों सहित नासापट विचलन विद्यमान होने पर अस्थाई रूप में अयोग्य।
(7) टोंसिल्स और/या कंठ की जीर्ण प्रदाहक दशाएं	(i) टोंसिल और/या कंठ की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य।
	(ii) यदि आवाज में अत्याधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थाई रूप से अयोग्य।
(8) कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर मेलिगनट ट्यूमर	(i) हल्का ट्यूमर--अस्थाई रूप से अयोग्य।
	(ii) मैलिगनेंट ट्यूमर--अयोग्य।
(9) आटोमाइकिलेरोसिस	आपरेशन के बाद या श्रवण यंत्र की सहायता से श्रवणता 30 डेसिबल के अन्दर होने पर योग्य।
(10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष।	(i) यदि काम काज में बाधक न हो--योग्य।
	(ii) यदि भारी मात्रा में हकलाहट हो--अयोग्य।
(11) नेजल पोली	अस्थाई रूप से अयोग्य।

(ख) वह बिना रुकावट बोल लेता/लेती है ।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में है या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं।
(अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती काफी फैलती है या उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रपचर है या नहीं।

(छ) उसे हाइड्रोसील, स्फीत शिरा या बवासीर तो नहीं है।

(ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है और उसकी ग्रंथियां भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं।

(झ) उसके कोई चिरस्थाई त्वचा की बीमारी नहीं है।

(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष नहीं है।

(ट) उसके किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान नहीं हैं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) उसके शरीर पर कारगर टीके के निशान हैं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबिल) रोग नहीं है ।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी असामान्यता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हों, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्सरे परीक्षा की जानी चाहिए।

उम्मीदवार के स्वास्थ्य के बारे में संदेह की स्थिति में मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष सरकारी नौकरी के लिए उम्मीदवार के योग्य स्वास्थता या अयोग्य का निर्णय करने के लिए अस्पताल के किसी उपयुक्त विशेषज्ञ की सलाह ले सकता है जैसे यदि कोई उम्मीदवार किसी मानसिक रोग या विकार से पीड़ित है, तो बोर्ड के अध्यक्ष किसी अस्पताल के मनोविकार विज्ञानी/मनोविज्ञानी आदि की सलाह ले सकते हैं।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार द्वारा ड्यूटी के अपेक्षित दक्षतापूर्वक निष्पादन में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं ।

12. उन उम्मीदवारों को जो मेडिकल बोर्ड के किसी निर्णय के खिलाफ अपील करना चाहते हैं तो उन्हें भारत सरकार रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित रीति से 50/- रु. का अपील शुल्क जमा करना होगा। यह शुल्क उन उम्मीदवारों को वापस कर दिया जाएगा जिन्हें अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किया जाएगा जबकि अन्य मामलों में यह शुल्क जब्त कर लिया जाएगा। उम्मीदवार, यदि चाहे तो अपनी स्वस्थता के दावे के समर्थन में चिकित्सा प्रमाण-पत्र लगा सकते हैं। उम्मीदवार को पहले मेडिकल बोर्ड के निर्णय की सूचना प्राप्त होने के 21 दिन के भीतर अपनी अपील प्रस्तुत कर देनी चाहिए अन्यथा अपीली मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए किये गये अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। चिकित्सा परीक्षा के लिए अपीलीय मेडिकल बोर्ड की व्यवस्था उम्मीदवार के खर्च पर की जाएगी। अपीलीय मेडिकल बोर्ड के द्वारा की जाने वाली चिकित्सा परीक्षा के संबंध में किसी प्रकार का यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। रेल मंत्रालय द्वारा अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए आवश्यक कार्यवाही तभी की जाएगी जब निर्धारित शुल्क के साथ निश्चित समय के भीतर सभी अपीलें प्राप्त होंगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस के लिए अपनाये जाने वाले स्टैण्डर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल यदि कोई हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए ।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्यता प्राप्त नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथारिटी) को यह तसल्ली नहीं हो जाती कि उसे ऐसी कोई बीमारी रचना संबंधी दोष या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो गया हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि स्वस्थता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरंतर कारगर सेवा में बाधक माना गया हो। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए। ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाय तो संबद्ध प्राधिकारी एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिये कह सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर अयोग्य करार दिया जाये तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिये अस्थाई तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित विवरण देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिएं। नीचे दिए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया जाता है :—

1. अपना पूरा नाम लिखें . . . . . (साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म-स्थान लिखें . . . . . .

3. क्या आप ऐसी जाति जैसे गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैंड, आदिवासी आदि में से किसी से संबंधित हैं जिनका औसत कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है। "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। उत्तर "हां" में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

3. (क) क्या आपको कभी खंखक रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना थूक में खून आना दमा दिल की बीमारी फेफड़े की बीमारी मूर्छा के दौरे रिह्यमेटिज्म एपेंडिसाइटिस हुआ है?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना जिसके कारण शैय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो हुई है?

4. आपको चेचक आदि का टीका पिछली बार कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई?

6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्योरे दें :—

यदि पिता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है उनकी मृत्यु के समय आयु और मृत्यु का कारण
1	2	3	4

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहिनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहिनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
5	6	7	8

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हां" में हो तो बताइये किस सेवा/किन सेवाओं/पद (पदों) के लिये आपकी परीक्षा की गई थी?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था . . . . . .

10. मेडिकल बोर्ड कब और कहां था? . . . . . .

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो? . . . . . .

मैं घोषित करता हूं कि जहां तक मेरा विश्वास है ऊपर दिये गये सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर. . . . . .

मेरे सामने हस्ताक्षर किए. . . . . .

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर. . . . . .

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाये तो वार्धक्य नियुक्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउंस) का आनुतोषिक (ग्रेचुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) . . . . . (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा से सम्बद्ध मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास :—अच्छा . . . साधारण . . . कम . . . .
पोषण : पतला . . . औसत . . . मोटा . . . .
कद (जूते उतार कर) . . . . वजन . . . . .
अत्युत्तम वजन . . . . . कब था . . .
वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन . . .
तापमान . . . . . .
छाती का घेर . . . . . .
(1) पूरा सांस खींचने पर . . . . . .
(2) पूरा सांस निकालने पर . . . . . .

2. त्वचा . . . . . कोई प्रत्यक्ष बीमारी . . .

3. नेत्र :—
(1) कोई बीमारी . . . . . .
(2) रतौंधी . . . . . .
(3) वर्ण दर्शन संबंधी दोष . . . . . .
(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन) . . . . .
(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विज़ुअल एक्विटी) . . . .
(6) फंडस की जांच . . . . . .

चश्मे की प्रबलता

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना	चश्मे के साथ.....		
		स्फी०	सिलि०	एक्सस०
दूर की नजर	दा० ने० बा० ने०			
पास की नजर	दा० ने० बा० ने०			
हाइपरमेट्रोपिया	दा० ने० बा० ने०			

4. कान निरीक्षण . . . . . सुनना
दायां कान . . . बायां कान

5. ग्रंथियां . . . . . थाइराइड . . . . .

6. दांतों की हालत . . . . . .

7. श्वसन तंत्र (रेसपिरेटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के अंगों में किसी अपसामान्यता का पता चला है . . . . . .
यदि हां, तो उसका परा ब्यौरा दें . . .

8. परिसंचरण तंत्र (सक्यूलेटरी सिस्टम) . . . .

(क) हृदय : कोई आंगिक विक्षत (आगनिक लीजन)

. . . .

वेग (रेट) . . . .

खड़े होने पर . . . .

25 बार फुदकने के बाद . . . .

फुदकने के 2 मिनट बाद . . . .

(ख) ब्लड प्रेशर . . . . .सिस्टालिक . . .

डायस्टालिक . . . .

9. उदर (पेट) :—घेर . . . . स्पर्श सहायता (टेंडरनेस) . . . .

हर्निया . . . .

(क) स्पर्श्य यकृत . . . .

सिल्ली . . . . गुर्दे . . . . . .

ट्यूमर . . . .

(ख) रक्तार्श . . . .

भगंदर . . . .

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक अशक्तता का संकेत . . . .

11. चलन तंत्र (लोकोमीटर सिस्टम), कोई अपसामान्यता

. . . .

. . . .

12. जनन मूत्र तंत्र (जेनिटी यूरीनरी सिस्टम) : हाइड्रोसील वैरिकासील आदि का कोई संकेत। मूत्र विश्लेषण :

(क) कैसा दिखाई पड़ता है . . . .

(ख) विशिष्ट गुरुत्व (स्पैसिफिक ग्रेविटी) . . .

(ग) एल्वयूमेन . . . .

(घ) शक्कर . . . .

(ङ) कास्ट . . . .

(च) कोशिकाएं (सेल्स) . . . .

13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट . . . . .

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा से सम्बद्ध, जिसका वह उम्मीदवार है, ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिये अयोग्य हो सकता है।

नोट :—यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो, उसे विनियम 9 के अनुसार अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिये जाने के बाद किन सेवाओं से सम्बद्ध ड्यूटी के दक्षतापूर्वक तथा लगातार निष्पादन के लिये सब प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिये अयोग्य पाया गया है? क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिये योग्य है?

नोट :—बोर्ड को अपना निष्कर्ष निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी में रिकार्ड करना चाहिए।

(1) योग्य (फिट) . . . .

(2) . . . . के कारण अयोग्य (अनफिट)।

(3) . . . . के कारण अस्थाई रूप से अयोग्य।

स्थान . . . .

तारीख . . . .

अध्यक्ष . . . .

सदस्य . . . .

परिशिष्ट- III

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है।

1. भारतीय रेल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल विद्युत् इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल सिगनल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा और भारतीय रेल भंडार सेवा।

(क) परिवीक्षा :—इन सेवाओं के लिये भर्ती किये गये उम्मीदवार तीन वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें दो वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यूनतम एक वर्ष के लिये परिवीक्षा पर रहना होगा। यदि उक्त प्रशिक्षण को संतोषजनक रूप से पूरा न करने के कारण किसी स्थिति में प्रशिक्षण अवधि को बढ़ाना पड़े तो तदनुसार परिवीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी। परिवीक्षा की अवधि के दौरान भी यदि कार्यकारी पद पर काम संतोषजनक नहीं पाया गया तो सरकार द्वारा परिवीक्षा की कुल अवधि को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है।

(ख) प्रशिक्षण :—समस्त परिवीक्षाधीन अधिकारियों को सेवा/पद विशेष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुसार दो वर्ष की अवधि के लिये प्रशिक्षण लेना होगा। उन्हें इस अवधि के लिए उक्त प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए।

(ग) नियुक्ति की समाप्ति :—

(1) परिवीक्षा की अवधि के दौरान दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष की ओर से तीन महीने का लिखित नोटिस देकर परिवीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु संविधान के अनुच्छेद 311 के खंड (2) के उपबन्धों के अनुसार की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के फलस्वरूप सेवा से बर्खास्तगी और सेवा से हटाने के तथा मानसिक एवं शारीरिक अक्षमता के फलस्वरूप अनिवार्य सेवा निवृत्ति के मामलों में ऐसा नोटिस देना आवश्यक नहीं होगा, किन्तु सरकार को तत्काल सेवायें समाप्त करने का अधिकार है।

(2) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक है या उसके कार्य कुशल बनने की सम्भावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(3) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। परिवीक्षा की अवधि के दौरान अनुमोदित स्तर की हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर सेवाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(घ) स्थायीकरण :—परिवीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा नियुक्ति के लिए

सभी दृष्टियों से योग समझे जाने पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी कर दिया जाएगा।

(ङ) वेतनमान :—

(1) कनिष्ठ वेतन:—रु. 700-40-900-द. रो. 40-1100-50-1300

(2) वरिष्ठ वेतनमान :—रु. 1100-(5 वां वर्ष या इससे पहले)—50-1600

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु. 1500-60-1800-100-2000

(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—स्तर 2—रु. 2250-125/2-2500

(5) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-स्तर 1—रु. 2500-125/2-2750

इसके अतिरिक्त रु. 2500 तथा रु. 3500 के वेतन के बीच के सुपरटाइम वेतनमान वाले पद भी जिनके लिए उपर्युक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

परिवीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम वेतन से प्रारंभ करेगा तथा उसे समय वेतनमान में अवकाश पेंशन तथा वेतन वृद्धियों के लिए परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को गिनने की अनुमति होगी।

मंहगाई तथा अन्य भत्ते भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार प्राप्य होंगे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय तथा अन्य परीक्षाओं को उत्तीर्ण न करने पर वेतन वृद्धियों को रोका या स्थगित किया जा सकता है।

(च) प्रशिक्षण व्यय लौटाना :—यदि किसी ऐसे कारणवश जो सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी के नियंत्रण से बाहर नहीं है, कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण अथवा परिवीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उस परिवीक्षा की अवधि के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का पूरा व्यय और अन्य धनराशियों को वापस करना होगा। किन्तु जिन परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा आदि में नियुक्ति हेतु परीक्षा के लिए आवेदन करने हेतु अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यय को वापस नहीं करना पड़ेगा।

(छ) छुट्टी :—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र हैं।

(ज) चिकित्सा सुविधा :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार कराने के पात्र होंगे।

(झ) पास तथा विशेषाधिकार टिकट :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकटों के पात्र होंगे।

(ञ) भविष्यनिधि तथा पेंशन :—उक्त सेवा के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमावली द्वारा शासित होंगे और समय-समय पर लागू उस निधि के नियमों के अंतर्गत राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) में अंशदान करेंगे।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवारों को भारत या भारत से बाहर किसी भी रेलवे या परियोजना पर कार्य करना पड सकता है।

(ठ) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का दायित्व :—यदि आवश्यकता हुई तो नियुक्त किए गए परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा :—

किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

और

केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। परिवीक्षा संतोषजनक रूप में पूरी कर लेने पर यदि स्थायी पद उपलब्ध हुए तो उनके स्थायी करने या कार्य करते रहने पर विचार किया जाएगा। परिवीक्षा की दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की कोई बढ़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि अधिकारी स्थायी नियोजन/बरकरारी के उपयुक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या परिवीक्षा की बढ़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति/बरकरारी के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्य मुक्त कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

(ख) जैसाकि इस समय स्थिति है, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क में नियुक्त सभी अधिकारी, सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के बाद अगले ऊंचे ग्रेड अर्थात कार्यपालक इंजीनियर के रूप में पदोन्नति में पात्र होंगे, बशर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों और वे ऐसी पदोन्नति के अन्यथा योग्य पाए जाएं।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्त दरें निम्न प्रकार हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान—रु० 700-40-900-द०रो-40-1100-50-1300।

वरिष्ठ वेतनमान—रु० 1100 (छठा वर्ष या कम)-50-1600 प्रशासनिक (चयन) पद।

अधीक्षण इंजीनियर—रु० 1500-60-1800-100-2000 ।

मुख्य इंजीनियर—रु० (i) रु० 2250-125/2-2500 ।

(ii) रु० 2500-125/2-2750 ।

इंजीनियर-इन-चीफ-रु० 3000-100-3500 (केन्द्रीय इंजीनियर सेवा ग्रुप 'क' के लिए) ।

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अथवा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ०आर० 22 बी (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा ।

(ङ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) और केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) के पदों से संबंधित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप ।

केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार के) जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, संस्था तथा अनुसंधान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हवाई अड्डे, महामार्ग तथा पुल आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते वे पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुंच जाते हैं।

(2) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार के) विद्युत घटकों के, जिसमें वैद्युत संस्थापन, इलैक्ट्रीकल सब स्टेशन तथा पावर हाउस, वातानुकूल तथा प्रशीतन, हवाई अड्डों की रनवे लाइटिंग, यांत्रिक कर्मशालाओं का परिचालन, निर्माण मशीनरी की प्राप्ति तथा रख-रखाव आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते वे पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुंच जाते हैं।

3. सेना इंजीनियर सेवा ग्रुप क :—

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षाधीन अधिकारी को अपनी परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित विभाग तथा भाषा संबंधी परीक्षण उत्तीर्ण करने पड़ सकते हैं। यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण असंतोषजनक है का ऐसा आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है अथवा यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी उक्त अवधि के दौरान निर्धारित परीक्षण उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसे उस नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि इतनी बढ़ा सकती है जितनी वह ठीक समझे ।

उम्मीदवारों को दो वर्गों की परिवीक्षा की अवधि के दौरान एम. ई. एस. प्रोसीजर सुपरिन्टेंडेंटस (वी/आर एण्ड ई/एम ग्रेड 1 एक्जामिनेशन तथा हिन्दी परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे । हिन्दी परीक्षा का स्तर प्राज (मैट्रिकुलेशन स्तर के समकक्ष) का होगा।

(ख) (1) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(2) उम्मीदवारों पर एम. आर. ओ. नं. 92 दिनांक 9 मार्च 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलयन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइबिलिटी रूल्स भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) वेतन की प्राप्य दरें निम्न प्रकार हैं :—

	वेतनमान
सहायक कार्यपालक इंजीनियर/ सहायक निर्माण सर्वेक्षक	रु० 700-40-900 द० रो०-40-1100-50-1300।
कार्यपालक इंजीनियर निर्माण सर्वेक्षक	रु० 1100 (छठा वर्ष या कम)-50-1600।
अधीक्षण इंजीनियर/ अधीक्षण-निर्माण सर्वेक्षक	रु० 1500-60-1800-100-2000।
उप मुख्य इंजीनियर	रु० 1500-60-1800-100-2000 तथा साथ में विशेष वेतन रु० 200/-
मुख्य इंजीनियर	रु० 2250-125/2-2500
मुख्य निर्माण सर्वेक्षक	विचाराधीन।

4. भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा ग्रुप क

(क) चुने हुए उम्मीदवार तीन वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे। सरकार महानिदेशक, आयुद्ध कारखाना/अध्यक्ष, आयुद्ध कारखाना बोर्ड की सिफारिश पर परिवीक्षा अवधि घटा या बढ़ा सकती है। परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सरकार द्वारा यथाविहित व्यावहारिक प्रशिक्षण लेना होगा तथा सरकार द्वारा यथा विहित विभागीय तथा भाषा परीक्षण उत्तीर्ण करना होगा। भाषा का परीक्षण का हिन्दी में परीक्षण होगा। सरकार द्वारा परिवीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी की उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा। किन्तु परिवीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असन्तोषजनक रहा है तो सरकार उसको कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि जितनी ठीक समझे और बढ़ा सकती है।

(ख) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी, तो सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(2) उम्मीदवारों पर एस. आर. ओ. नं. 92 दिनांक 9 मार्च 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइबिलिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) वेतन की प्राप्ति दरें निम्न प्रकार हैं :—

कनिष्ठ समय वेतनमान	रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300
वरिष्ठ समय वेतनमान	रु० 1100- (छठा वर्ष या कम)-50-1600
कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	रु० 1500-60-1800-100-2000
कनिष्ठ प्रशासनिक चयन ग्रेड	रु० 2000-125/2-2250
वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर II	रु० 2250-125/-2-2500
वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर-I	रु० 2500-125/-2-2750
अतिरिक्त महानिदेशक, आयुद्ध कारखाना/सदस्य, आयुद्ध कारखाना बोर्ड	रु० 3000 (नियत)
महानिदेशक, आयुध कारखाना/अध्यक्ष आयुध कारखाना बोर्ड	रु० 3500 (नियत)

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्रावधिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उसका वेतन रक्षा मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का. ज्ञा. सं. 15(6)/64/डी (एपाइंटमेन्टस)/1051/डी (सी 4 – 1), दिनांक 25 नवम्बर, 1965 के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को मसूरी/नागपुर में फाउंडेशनल कोर्स करना होगा।

(ङ) इस प्रकार भर्ती हुए परिवीक्षाधीन अधिकारी को सेवा प्रारंभ करने से पहले एक बंध-पत्र भरना होगा

5. भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप क :

(क) दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्ति परिवीक्षा पर की जाएगी। सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण यदि असंतोषजनक है या उससे यह आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल कार्यमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर सरकार, यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हों, उस वक्त नियुक्ति पर स्थायी बना सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य अथवा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे सेवामुक्त कर सकती है या जितनी ठीक समझे उतनी अवधि के लिए उसकी परिवीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान जो भी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं निर्धारित की जाएं, अधिकारियों को उत्तीर्ण करनी होंगी। उनको स्थायी किए जाने से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा संबंधी परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

(ख) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा संबंधी परीक्षण नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को:—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा;

(2) साधारणः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(च) प्राप्त वेतन की दरें निम्न प्रकार हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान :	रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300
वरिष्ठ वेतनमान :	रु० 1100 (छठा वर्ष या कम)-50-1600।
कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :	रु० 1500-60-1800-100-2000
वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :	(i) रु० 2250-125/2-2500 (ii) रु० 2500-125/2-2750

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ. आर. 22-बी(1) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय दूरसंचार सेवा ग्रुप क के कनिष्ठ वेतनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानापन्न वेतन रु. 780/- या इससे अधिक है तो वह तब तक वेतन वृद्धि प्राप्त नहीं करेगा जब तक विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न कर ले।

(छ) भारतीय दूरसंचार सेवा (ग्रुप क) के पदों से सम्बद्ध कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व ।

सहायक डिवीजनल इंजीनियर टेलीग्राफ

सहायक डिवीजनल इंजीनियर टेलीग्राफ, टेलिग्राफ/टेलिफोन इंजीनियरी सब डिवीजन, कैरियर बी. एफ. टी., कौक्सिअल, माइक्रोवेव, लौंग डिस्टेंस, इलैक्ट्रिकल तथा वायरलैस के इंचार्ज होंगे और सामान्यतः डिविजनल इंजीनियर के अधीन कार्य करेंगे। वे विभिन्न दूर संचार निर्माण के संस्थापन संरचना करने के लिए परियोजना संगठन में भी कार्य कर सकते हैं।

डिविजनल इंजीनियर

डिवीजनल इंजीनियर को टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी डिवीजनों जिसमें लांग डिस्टेंस, कौक्सिअल, माइक्रोवेव मेंटिनेंस डिवीजन तथा वायरलैस डिवीजन शामिल हैं, का प्रभारी बनाया जाता है। वे अपने प्रभार में रहने वाले टेलीग्राफों तथा टेलीफोनों के उपस्करों के रख-रखाव के पूरे जिम्मेदार होंगे तथा अपने डिवीजन में रह कर कार्य करेंगे। जब डिवीजनल इंजीनियर परियोजना संगठन पर लगाए जाते हैं तो उन्हें यूनिट में निर्माण/संस्थापन कार्य करना होगा।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सर्किल और टेलिफोन डिस्ट्रिक्ट में दूर संचार सम्बन्धी परिसम्पत्तियों के प्रशासन और दूर संचार संस्थापनों के प्रशासन तथा आयोजन के लिए, दूर संचार प्रणालियों आदि में अनुसंधान और विकास के लिए जिम्मेदार है। वे माइनर टेलिफोन डिस्ट्रिक्ट, दूर संचार सर्किल, आदि के लिए भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सर्किल/टेलिफोन डिस्ट्रिक्ट/प्रोजेक्ट सर्किल/दूर संचार अनुरक्षण क्षेत्र का प्रधान, जो कार्य प्रभार में उसका पूरी तरह से प्रबंध व प्रशासन करने के लिए जिम्मेदारी डाक तार बोर्ड में उप महानिदेशक, डाक तार बोर्ड की नीति निर्धारित करने तथा समग्र प्रशासन करने में उच्चस्तरीय सहायता प्रदान करता है। निदेशक, दूर संचार अनुसंधान केन्द्र और अतिरिक्त निदेशक, दूर संचार अनुसंधान केन्द्र, दूर संचार अनुसंधान केन्द्र के अनुसंधान सम्बन्धी समग्र कार्यकलापों के लिए जिम्मेदार हैं।

6. केन्द्रीय इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा

(1) केन्द्रीय जल आयोग में सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर भर्ती हुए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु सरकार आवश्यक होने पर, दो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परिवीक्षा की उपर्युक्त अवधि या बढ़ी हुई अवधि, जैसी भी स्थिति हो, समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपर्युक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या उसको उसके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार उम्मीदवारों से प्रशिक्षण तथा दीक्षण का ऐसा कोर्स करने और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने को कह सकती है जिसे वह परिवीक्षा की सफल पूर्ति की एक शर्त के रूप में ठीक समझे।

(2) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बताई गई अवधि यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत का रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा;

किन्तु उस व्यक्ति को--

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा;

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(3) सहायक निदेशक सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्त अधिकारी निर्धारित शर्त पूरी करने के बाद उप निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर/अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)/निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड) और मुख्य इंजीनियर के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं।

(4) केन्द्रीय जल आयोग में इंजीनियरी पदों के ग्रुप "क" के लिए वेतनमान निम्न प्रकार है :--

(केन्द्रीय जल आयोग में सिविल और यांत्रिक पद)

1. सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर	रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।
2. उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर	रु० 1100 (छठा वर्ष या कम)-50-1600।
3. अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)।	रु० 1500-60-1800-100-2000
4. निदेशक चयन ग्रेड अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)।	रु० 2000-125/2-2250।
5. मुख्य इंजीनियर	(i) 2250-125/2-2500 (स्तर II)
	(ii) 2500-125/2-2500 (स्तर I)

(5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा में पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सहायक निदेशक अधिकारी (सिविल और यांत्रिक)।

सिंचाई, नौसंचालन, विद्युत, घरेलू जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिए आकलन, रिपोर्ट आदि तैयार करने सहित परियोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषण तथा अभिकल्पना।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा यांत्रिक) :--

उनको आबंटित उप मण्डल या अन्य एककों के निर्माण कार्य के लिये वे जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार के अधीन रोकड़ तथा भंडारों का लेखा जोखा रखना होगा तथा परोक्ष रूप से उपमण्डल में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिये कुछ आनुषंगिक कार्यों को भी देखना होगा। विहित नियमों आदि के अनुसार वे अपने प्रभार के अधीन माप बहियों, मस्टर रोल तथा अन्य अभिलेखों के सही रख-रखाव के लिये जिम्मेदार होंगे।

7. केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा

(1) संगठन का विवरण :

विद्युत (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 की धारा 3(1) के अधीन केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण संगठित किया गया था और इसका दायित्व राष्ट्रीय विद्युत साधनों के नियंत्रण तथा उपयोग के सम्बन्ध में योजना अभिकरणों के कार्यकलापों के समन्वय करने के लिए एक सुदृढ़, पर्याप्त और एकरूप विद्युत निति का विकास करना है। देश की सभी विद्युत योजनाओं (उत्पादन संरक्षण, वितरण और विद्युत आपूर्ति का उपयोग) की संभाव्यता तकनीकी विश्लेषण, आर्थिक व्यवहार्यता आदि के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित करने के लिये केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में संवीक्षा की जाती है कि ये योजनाएं राज्यों तथा क्षेत्रों के समग्र विकास के लिये उपयुक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के अनुरूप होंगी। इस संगठन का राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के विकास और विद्युत को इसकी मुख्य गतिदायी शक्ति प्रदान करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(2) उस ग्रेड का विवरण जिसके लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है।

रु. 700-1300 के वेतनमान में सहायक निदेशक/सहायक प्राधिकारी इंजीनियर के ग्रेड में साठ प्रतिशत पद संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक आधार पर ली गई सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (ग्रुप क) में सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गये व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षाधीन रहेंगे किन्तु जहां आवश्यक हो वहां सरकार उक्त दो वर्षों की अवधि के अतिरिक्त अवधि बढ़ा सकती है जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि उपर्युक्त परिवीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि जैसी भी स्थिति हो, के समाप्त होने के बाद सरकार यह समझे कि कोई उम्मीदवार स्थाई नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा ऐसी परिवीक्षा की अवधि या बढ़ाई गई अवधि के दौरान किसी भी समय वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि उक्त उम्मीदवार ऐसी परिवीक्षा अवधि या बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति के बाद स्थाई नियुक्ति के योग्य नही होगा तो वह उसे सेवा मुक्त कर सकती है या उसके स्थाई पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जैसा वह उचित समझे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण लेना होगा तथा अनुदेश का पालन करना होगा तथा ऐसी

परीक्षायें उत्तीर्ण करनी होंगी जो सरकार द्वारा परिवीक्षा की अवधि को सन्तोषजनक रूप में पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित की जायं।

यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किये गये किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(3) उच्चतर ग्रेडों के लिये पदोन्नति

सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर नियुक्ति अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा, नियमावली, 1965 में निर्धारित शर्तें पूरी करने के बाद उच्चे ग्रेडों अर्थात् उपनिदेशक कार्यपालक इंजीनियर, निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड), निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड), उपमुख्य इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (स्तर 2) और मुख्य इंजीनियर (स्तर 1) के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं बशर्ते कि सम्बद्ध ग्रेड में रिक्तियां उपलब्ध हों।

(4) वेतनमान

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप क) सेवा के पदों पर वेतनमान निम्नलिखित हैं :—

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में विद्युत, यांत्रिक और दूर संचार से सम्बद्ध पद

क्र० सं०	पद का नाम	वेतनमान
1.	सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर	रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300
2.	उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर	रु० 1100 (छठा वर्ष या कम) -50-1600
3.	निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड)	रु० 1500-60-1800-100-2000
4.	निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)	रु० 2000-125/2-2250
5.	उपमुख्य इंजीनियर	रु० 2000-125/2-2250
6	मुख्य इंजीनियर (स्तर II)	रु० 2250-125/2-2500
7.	मुख्य इंजीनियर (स्तर-I)	रु० 2500-125/2-2750

नोट :—सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर ग्रेड से उप-निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति होने पर वेतन नियतन के प्रयोजनार्थ इस सेवा के सदस्यों के लिये तृतीय वेतन आयोग की अनुशंसाओं पर अपनाई गई समनुक्रमणिका सारणियां लागू हैं।

(5) कर्त्तव्य और दायित्व

सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर सम्बद्ध कर्त्तव्यों और दायित्वों के स्वरूप इस प्रकार हैं :—

विद्युत विकास के क्षेत्रों की विविध प्रकार की समस्याओं से सम्बद्ध अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का संग्रह संकलन और परस्पर सम्बन्ध। उन्हें इनसे सम्बद्ध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना संचालन अनुरक्षण तथा विद्युत योजनाओं परियोजनाओं की अभिकल्पनाओं आदि के तैयार करने में सहायता देते हुए उनके संचरण तथा वितरण/विद्युत प्रणालियों की परियोजना रिपोर्टों का अध्ययन करना सम्मिलित है। क्षेत्र एककों में कार्य करते हुए वे उप मण्डल या उनको आवंटित अन्य कार्यों के लिये उत्तरदायी होंगे।

8. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप क :

(क) चुने हुए उम्मीदवार सहायक कार्यकारी इंजीनियरी के पद पर दो वर्ष के लिए परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त किये जाएंगे। परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर यदि स्थाई रिक्तियां उपलब्ध हुई और वे स्थाई नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थाई किया जाएगा। सरकार दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है।

परिवीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थाई नियोजन के योग्य नहीं है या ऐसी परिवीक्षा अवधि या परिवीक्षा की बढ़ाई गई अवधि के दौरान वह इससे सन्तुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थाई नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उस सहायक कार्यकारी इंजीनियर को सेवा निवृत्त कर सकता है अथवा ऐसे आदेश पास कर सकती है जो वह ठीक समझे।

अधिकारियों का स्थाईकरण से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किये गये किसी भी व्यक्ति को भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्व पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सड़क पुल यांत्रिक)—

रु. 700-40-900-द. रो.-40-1100-50-1300

इंजीनियर (सड़क/पुल/यांत्रिक)—

कार्यकारी

रु. 1100 (छठे वर्ष या कम)-50-1600

अधीक्षण इंजीनियर (सड़क/पुल/यांत्रिक)—

रु. 1500-60-1800-100-2000

मुख्य इंजीनियर (सड़क/पुल/यांत्रिक)—

(1) रु. 2250-125/2-2500।

(2) रु. 2250-125/2-2700।

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क पुल)—

महानिदेशक (सड़क विकास)—रु. 3000-100-3500

नोट :—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क/ग्रुप ख में परिवीक्षाधीन नियुक्ति

से पहले मूल रूप में किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थाई पद पर है एफ. आर. 22-ख(1)

(1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जायेगा।

(ख) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप ग्रुप क के पद से सम्बद्ध कर्त्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सड़क/पुल कार्यों की अभिकल्पना और आकलन तैयार करने की योजना में और राज्यों से ऐसे कार्यों के लिये प्राप्त प्रस्तावों की संवीक्षा करने में जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कन्ध के मुख्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करना।

9. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के पद :—

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर कनिष्ठ (ग्रुप क पद) और सहायक यांत्रिक इंजीनियर (ग्रुप ख पद) के पदों पर अस्थाई आधार पर भर्ती किये गये व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। दो वर्ष से अधिक अतिरिक्त अवधि के लिये सेवा में उनका रखना परिवीक्षा अवधि के दौरान उनके द्वारा किये गये कार्य के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकार की विवेक पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है उन्हें क्रमशः रु. 700-40-900-द. रो.-40-1100-50-1300 और रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के समय वेतनमान में वेतन मिलेगा। सन्तोषजनक रूप से उनकी परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर यदि वे स्थाई नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो मूल रिक्तियों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके स्थायीकरण पर विचार किया जायेगा।

यदि आवश्यकता हुई तो भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) और सहायक यांत्रिक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये व्यक्तियों को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ)/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) या सहायक यांत्रिक इंजीनियर के पद पर नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों के अनुसार जो उम्मीदवार योग्य पाये जाते हैं उनके लिये पदोन्नति का क्षेत्र निम्नलिखित है :—

क—बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) के लिये—रु. 700-40-900 द. रो. 40-1100-50-1300

(1) बरमा इंजीनियर (वरिष्ठ)-रु. 1100-50-1600।

(2) निदेशक (बरमा)—रु. 1500-60-1800-100-2000।

(3) उपमुख्य इंजीनियर (बरमा)—रु. 1800-100-2000।

(4) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा)—रु. 2250-125/2-2500।

ख—यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क (रु. 700-40-900- द. रो. - 40-1100-50-1300)।

सहायक यांत्रिक इंजीनियर (ग्रुप ख) (रु. 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000 द. रो. -40-1200)।

(1) यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ)—रु. 1100-50-1600।

(2) निदेशक (यांत्रिक इंजीनियरी)—रु. 1500-60-1800-100-2000।

(3) उप मुख्य इंजीनियर (यांत्रिक)—रु. 1800-100-2000।

(4) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा)—रु. 2250-125/2-2500।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में भर्ती किये गये अधिकारियों को भारत में या विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

नोट—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले स्थाईवत हैसियत से किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थाई पद पर है, एफ. आर. 22-ख (1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जायेगा।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में पदों से सम्बद्ध कर्त्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप

यांत्रिक इंजीनियर

(कनिष्ठ)

बरमा, वाहनों और अन्य उपस्करों का अनुरक्षण तथा मरम्मत। विविध क्षेत्र के कर्त्तव्यों तथा कार्यों के लिए ड्राइवरों तथा वाहनों का आवंटन पी. एस. एल. अंकों तथा अभिलेखों, लाग बुक, इतिवृत्तों की संवीक्षा तथा अनुरक्षण।

बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ)

कोर रिकवरी का इष्टतम प्रतिशत सुनिश्चित करते हुए एक या अधिक ड्रिलिंग रिगों से खनिज अन्वेषण के संबंध में छेदन कार्य करना। सरकारी भण्डारों और उसको सौंपे गये हथियारों की ठीक प्रकार से सुरक्षा के लिये लगाई गई मशीनरी और वाहनों का समारक्षण। भण्डारों तथा रोकड़ लेखों को रखना और अपने अधीन नियोजित कर्मचारी वर्ग का कल्याण देखना।

सहायक यांत्रिक इंजीनियर

वाहन, बरमा और अन्य उपस्करों का मरम्मत और अनुरक्षण। क्षेत्रों में मरम्मत करने के लिए मोबाइल कर्मशालाओं का पर्यवेक्षण।

10. डाक-तार दूर संचार कारखाना संगठन में सहायक प्रबन्धक कारखाना ग्रुप के पद

(1) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) के पद पर भर्ती किए गये व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

(2) परिवीक्षा अवधि के अन्तर्गत उम्मीदवारों को प्रशिक्षण के कार्यक्रम के अनुसार व्यवहारिक प्रशिक्षण, जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित किया जाय, प्राप्त करना होगा और व्यावसायिक परीक्षा तथा हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

(3) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक प्रबन्धक (कारखाना) के पद पर नियुक्त किये गये किसी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को:—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

डाक तार-दूर संचार कारखाना संगठन में इंजीनियरी पदों के वेतनमान निम्नलिखित हैं:—

(1) सहायक प्रबन्धक (कारखाना)—रु. 700-40 900-द. रो.-40-1100-50-1300 ।

(2) सहायक महाप्रबन्धक वरिष्ठ इंजीनियर—रु. 1100-50-1600 ।

(3) उपमहाप्रबन्धक/दूर संचार प्रबन्धक (कारखाना)—रु. 1500-60-1800 ।

11. इंजीनियर (ग्रुप क) वायरलैस, योजना और समन्वय स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय—

(क) वेतनमान रु. 700-40-900 द. रो. 40-1100-50-1300 ।

(ख) ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा करने के बाद इंजीनियर के पदधारी सहायक वायरलैस सलाहकार, वायरलैस योजना और समन्वय स्कन्ध । इंजीनियर प्रभारी अनुश्रवण संगठन (वेतनमान रु. 1100-50-1600 तथा सहायक वायरलैस सलाहकार के पद के लिए रु. 100 प्रतिमास विशेष वेतन) के ग्रेड में रिक्तियों के 100 प्रतिशत पदोन्नति के पात्र हैं। सहायक वायरलैस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के ग्रेड में उनकी पदोन्नति ग्रुप क पदों के लिए संगठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार पर की जाएगी।

सहायक वायरलैस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक वायरलैस सलाहकार और इंजीनियर प्रभारी उप वायरलैस सलाहकार (वेतनमान रु. 1500-60-1800) के पद पर पदोन्नति के लिए विचार किये जाने के पात्र हैं। उप वायरलैस सलाहकार के ग्रेड में रिक्तियां ग्रुप क पदों के लिये गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती है ।

जिन उप वायरलैस सलाहकारों ने इस ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है वे निदेशक (वायरलैस मानीटरिंग) (वेतनमान रु. 2000-125/2-2250) के ग्रेड में विचारण के पात्र हैं। निदेशक के ग्रेड में रिक्ति चयन के आधार पर पदोन्नति द्वारा भरी जाती है।

अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथा पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की है और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

(ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये व्यक्ति को भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(घ) यदि आवश्यकता हुई तो इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को:—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य न करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(ख) पद (पदों) से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप :

(1) अनुश्रवण केन्द्रों का प्रभारी होना। तकनीकी सहायकों, रेडियो तकनीशियनों और उनके अधीन अन्य कर्मचारी वर्ग के कार्य का पर्यवेक्षण।

(2) विशिष्ट अनुश्रवण उपस्करों, जिनमें आवृत्ति माप उपस्कर रेडियो निदेशक अन्वेषी दूरबीन, आयनमंडली रिकार्डर, स्वरिकार्डर, आदि सम्मिलित हैं, के संस्थापन, संचालन और अनुरक्षण का कार्यभार संभालना ।

(3) प्रयोग में लाने वाले विभिन्न विभागों और सेवाओं की आवृत्ति अपेक्षाओं का निर्धारण।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियमों का प्रशासन और उनसे संबंधित करार करना।

(5) आवृत्ति अभिलेख और सम्बद्ध प्रलेख तैयार करना।

(6) वायरलैस संस्थापनाओं का अनुज्ञापन तथा निरीक्षण।

(7) रेडियो उपस्करों की विशिष्टियां तैयार करना।

(8) ट्रांसमीटरों, रिसीवरों और सहायक उपकरणों की विविध प्रकार की जांच करना।

(9) रेडियो आपरेटरों को दिये जाने वाले प्रवीणता प्रमाण-पत्र के लिए परीक्षाओं के आयोजित करने में सहायता देना।

(10) प्रचार समस्याओं और समवर्ग अनुसन्धान की जांच करना, और

(11) रेडियो एवं अध्ययन, आयनमण्डली अध्ययन और क्षेत्र तीव्रता माप आदि के तथ्यों का परीक्षण, विश्लेषण और समन्वय करना।

12. संचार मंत्रालय की समुद्रपार संचार सेवा में उप इंजीनियर प्रभारी (ग्रुप क), सहायक इंजीनियर (ग्रुप क—राजपत्रित) और तकनीकी सहायक (ग्रुप ख—राजपत्रित)

(क) तकनीकी सहायक/सहायक इंजीनियर/उप इंजीनियर प्रभारी के पद पर नियुक्ति के लिये चुने गये उम्मीदवार कम से कम दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किये जायेंगे और आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है।

(ख) तकनीकी सहायक/सहायक इंजीनियर/उप इंजीनियर प्रभारी के पद पर नियुक्त किये गये किसी भी अधिकारी को भारत में कहीं भी कार्य करना होगा।

(ग) तकनीकी सहायक/सहायक इंजीनियर/उप इंजीनियर प्रभारी के पद पर अस्थाई नियुक्ति की स्थिति में अधिकारी की सेवा उसके द्वारा निष्पादित बन्ध पत्र में निर्धारित शर्तों के अतिरिक्त किसी भी पक्ष की ओर से एक महीने का नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी। किन्तु विभाग अस्थाई कर्मचारी को

नोटिस के स्थान पर एक महीने का वेतन तथा भत्ते देकर उसकी सेवा समाप्त कर सकता है परन्तु अधिकारी को इस प्रकार का कोई विकल्प नहीं दिया गया है।

(घ) वेतनमान

(1) तकनीकी सहायक – रु. 550-25-750 द. रो. 30-900।

(2) सहायक इंजीनियर – रु. 650-30-740-35-810 द. रो. 35-880-40-1000 द. रो.-40-1200।

(3) उप-प्रभारी इंजीनियर – रु. 700-40-900 द. रो. 40-1100-50-1300।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर

(1) तकनीकी सहायक––सम्बद्ध ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले सभी तकनीकी सहायक विभागीय पदोन्नति के लिये आरक्षित 50 प्रतिशत रिक्तियों में योग्यता के आधार पर चयन द्वारा रु. 650-30-740-35-810 - द. रो. - 35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में सहायक इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के लिये पात्र हैं :––

(2) सहायक इंजीनियर––इस ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक इंजीनियर विभागीय पदोन्नति के लिए आरक्षित 75 प्रतिशत रिक्तियों में योग्यता के आधार पर चयन द्वारा रु. 700-40-900 द. रो. 40-1100-50-1300 के वेतनमान में उप प्रभारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र हैं।

(3) उप प्रभारी इंजीनियर––उप प्रभारी इंजीनियर प्रभारी या सहायक इंजीनियर के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले उप प्रभारी इंजीनियर के पद के पदधारी दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के सफलतापूर्वक पूरा कर लेने पर समुद्र पार संचार सेवा में प्रभारी इंजीनियर (वेतनमान रु. 1100-50-1600) के पद पर पदोन्नति के लिये पात्र हैं।

(4) प्रभारी इंजीनियर––प्रभारी इंजीनियर के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले प्रभारी इंजीनियर के पद के पदधारी समुद्रपार संचार सेवा में निदेशक के पद (वेतनमान रु. 1300-50-1700) पर पदोन्नति के लिए पात्र हैं। निदेशक के ग्रेड में पदोन्नति पद के लिये गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन होने के आधार पर की जायेगी।

(5) निदेशक––निदेशक के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले निदेशक के पद के पदधारी समुद्र पार संचार सेवा में उप महानिदेशक के पद (वेतनमान: रु. 1500-60-1800-100-2000) पर पदोन्नति के लिए पात्र हैं। उप महानिदेशक ग्रेड में पदोन्नति पद के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन होने के आधार पर की जायेगी।

(6) उपमहानिदेशक––उपमहानिदेशक के ग्रेड में कम से कम 7 वर्ष की सेवा सहित उपमहानिदेशक के पद का पदधारी समुद्रपार संचार सेवा में अतिरिक्त महानिदेशक (वेतनमान रु. 2250-125/2-2500) के पद पर पदोन्नति का पात्र है। अतिरिक्त महानिदेशक के ग्रेड में पदोन्नति उक्त पद के लिए यथागठित विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों पर चयन के आधार पर होगी।

(7) अतिरिक्त महानिदेशक––अतिरिक्त महानिदेशक के ग्रेड में कम से कम 2 वर्ष की सेवा सहित अतिरिक्त महानिदेशक के पद का पदधारी समुद्रपार संचार 2500-125/2-2750) के पद पर पदोन्नति का पात्र है। महानिदेशक के ग्रेड में पदोन्नति उक्त पद के लिए यथागठित विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों पर चयन के आधार पर होगी।

अगले उंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथा पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की है और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

(च) यदि आवश्यकता हुई तो तकनीकी सहायक, सहायक इंजीनियर या उप-प्रभारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो)। सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसा रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :––

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और

(2) सामान्यत: 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

नोट:––सेवा की शेष शर्तें जैसे स्थानान्तरण/दौरों पर अवकाश यात्रा भत्ते कार्यारम्भ समय/कार्यारम्भ समय वेतन, चिकित्सा सुविधायें, यात्रा रियायत, पेंशन और आनुतोषिक नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि वही होंगी जो समान हैसियत के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिये लागू हों।

(छ) पद (पदों) से सम्बद्ध कर्त्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

1. उप प्रभारी इंजीनियर––समुद्रपार संचार सेवा में उप-प्रभारी इंजीनियर के पद का पदधारी प्रभारी इंजीनियर के शिफ्टी के रूप में कार्य करता है और अन्तर्राष्ट्रीय दूर-संचार उपस्कर के संचालन तथा अनुरक्षण से सम्बन्धित सभी तकनीकी मामलों में प्रभारी इंजीनियर की सहायता करता है और स्टाफ, स्टाफ कालोनी, जलपूर्ति, विद्युत पूर्ति, इंजीनियरी, और स्टेशनरी तथा अन्य वस्तुओं के प्रबन्ध के लिये भी जिम्मेदार है।

पदों के पदधारियों को न केवल तकनीकी कार्य का ही प्रवेक्षण करता है बल्कि बहुमूल्य दूर संचार उपस्करों के संस्थापन और रख रखाव में भी अपने आपको लगाना है। समुद्र पार संचार सेवा की उपस्कर विशेषताओं का गहन उपयोग मुख्य रूप से उप प्रभारी इंजीनियर की कार्य से सम्बद्ध समन्वय तथा निष्पादन

करने की उस योग्यता पर निर्भर है। जिसमें काम चला पाने की क्षमता तथा विश्वसनीयता मानकों को बनाये रखने का समावेश हो।

2. सहायक इंजीनियर—पद का पदधारी सामान्यतः के लिये जिम्मेदार है। उसे तकनीकी मामलों पर विदेश एसोशिएटों द्वारा उठाई गई शंकाओं के बारे में स्तर पर निर्णय करना है और त्रुटियों को दूर करना है।

पद पर्यवेक्षकीय तथा संचालानात्मक है। पद के पदधारी को अपनी पारी में तकनीकी सहायकों और कनिष्ठ तकनीकी सहायकों के स्तर के अधीनस्थों पर नियंत्रण रखना है। जब कुछ कर्मचारी शिफ्ट का प्रभारी है और उपस्करों के संचालन तथा अनुरक्षण प्रयुक्त अनुसंधान तत्व के विकास और अनुसंधान में लगे हों तो सभी सहायक इंजीनियरों को अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार मानकों की जानकारी होनी चाहिए और उनका अनुपालन करना चाहिये।

3. तकनीकी सहायक—पद के कर्तव्य और दायित्व विभिन्न कतारों टेलीफोन और अन्य वायरलैस उपकरणों और उपस्करों के संचालन का समायोजन करना, विभिन्न प्रकार के उच्च, शक्ति वाले ट्रांसमीटरों/रिसीवरों का अनुरक्षण और संस्थापन करना और उनमें हुई खराबी को देखना है। समुद्रपार टेलीफोन काल के दौरान जब दो ग्राहकों के बीच आवाज जा रही हो या पदधारी को रेडियो टर्मिनल के पूरे परिपथ पर भी नियंत्रण रखना है।

13. सहायक स्टेशन इंजीनियर—(ग्रुप क) और सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) आकाशवाणी महानिदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा के आधार पर की जायेगी।

(ख) (1) पद पर नियुक्त किये गये अधिकारी को भारत में कहीं भी कार्य करना होगा और किसी भी समय उसका लोक निगम के अधीन स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसे स्थानान्तरण पर वह निगम के कर्मचारियों के लिये निर्धारित की गई सेवा की शर्तों में शासित होगा।

(2) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक स्टेशन इंजीनियर या सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर, पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) सरकार बिना कोई नोटिस दिये निम्नलिखित परिस्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर सकती है :—(1) परिवीक्षा अवधि के अन्तर्गत या उसके समाप्त होने पर (2) अनधीनता असंयम, कदाचार या उस सम्बन्ध सेवा से संबद्ध प्रवृत्त नियमावली के उपबन्धों में से किसी को भंग करने या अनुपालन न करने के लिये (3) यदि वह डाक्टरी रूप से अनुपयुक्त पाया जाता है और अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन में अस्वथता के कारण बहुत अधिक समय तक अयोग्य बना रहता है।

अस्थाई नियुक्तियों के मामले में किसी पक्ष की ओर से कोई कारण बताये बिना एक महीने का नोटिस देकर किसी भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है।

(घ) वेतनमान :—

(1) सहायक स्टेशन इंजीनियर – रु. 700-40-900-द. रो. -40-1100-50-1300।

(2) सहायक इंजीनियर – रु. 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो.-40-1200।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर :—

सहायक इंजीनियर और सहायक स्टेशन इंजीनियर :—

(1) संबद्ध ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले सहायक इंजीनियर विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर विभागीय पदोन्नति के लिये आरक्षित 40 प्रतिशत पदों पर चयन द्वारा रु. 700-40-900-द. रो.-40-1100-50-1300 के वेतनमान में आकाशवाणी में सहायक स्टेशन इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(2) संबद्ध ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सहायक स्टेशन इंजीनियर विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन के आधार 1100-50-1600 के वेतनमान में आकाशवाणी में स्टेशन इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(3) क्लास 1 में 10 वर्ष, जिसमें से 4 वर्ष की सेवा स्टेशन इंजीनियर के ग्रेड में, की नियमित सेवा रखने वाले स्टेशन इंजीनियर विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चुने जाने के आधार पर रु. 1500-60-1800 के वेतनमान में वरिष्ठ इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(4) वरिष्ठ इंजीनियर, उप मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं (रु. 1800-100-2000) उप मुख्य इंजीनियर के अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। (रु. 2000-125/2-2250) और अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं मुख्य इंजीनियर। (रु. 2500-125-3000)

अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथापूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और संबद्ध में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

नोट :—सेवा की शेष शर्तें जैसे स्थानान्तरण/दौरों पर अवकाश, यात्रा भत्ता, कार्यारम्भ समय, कार्यारम्भ समय वेतन, चिकित्सा सुविधायें, यात्रा रियायत, पेंशन और आनुतोषिक, नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि, वही होंगी जो समान हैसियत के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिये लागू हों।

(ख) सहायक स्टेशन इंजीनियर (ग्रुप क) और सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) के पद से संबद्ध कर्त्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सहायक स्टेशन इंजीनियर :—प्रसारण और समाचार दूर दर्शन स्टूडियो तथा ट्रांसमीटरों की अभिकल्पना, संस्थापन, संचालन और अनुरक्षण।
अधीनस्थ इंजीनियरों के कार्य के पर्यवेक्षण के लिये जिम्मेदार :

सहायक इंजीनियर :

प्रसारण और समाचार दूर दर्शन स्टूडियों तथा ट्रांसमीटरों का संस्थापन, संचालन और अनुरक्षण। पानी में कार्य का पर्यवेक्षण करते हुए अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन के लिए जिम्मेदार।

14. सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (सिविल तथा विद्युत) सिविल-निर्माण स्कन्ध, आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा के आधार पर होगी।

(ख) (1) पद पर नियुक्त किये गये अधिकारी को भारत में कहीं भी कार्य करना होगा और किसी भी समय उसका लोक निगम के अधीन स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसे स्थानान्तरण पर वह निगम के कर्मचारियों के लिये निर्धारित की गई सेवा की शर्तों से शासित होगा ।

(2) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक स्टेशन इंजीनियर या सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) सरकार बिना कोई नोटिस दिये निम्नलिखित परिस्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर सकती है :—

(1) परिवीक्षा की अवधि के अन्तर्गत या उसके समाप्त होने पर, (1) अनधीनता असंयम, कदाचार या उस समय सेवा से संबंध प्रवृत्त नियमावली के उपबंधों में किसी को भंग करने या अनुपालन करने के लिये, (2) यदि वह डाक्टरी रूप से अयोग्य पाया जाता है और अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन में अस्वस्थता के कारण बहुत अधिक समय तक अयोग्य बना रहता है।

अस्थाई नियुक्तियों के मामलों में किसी पक्ष की ओर से कोई कारण बताये बिना एक महीने का नोटिस देकर किसी भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है।

(घ) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत्) रु. 650 -30 -740 -35 -810 -द. रो. -35 -880 -40 -1000 -द. रो.- 40-1200।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर:—

(1) संबद्ध ग्रेड में कम से कम 8 वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत्) रु. 1100-50-1600 के वेतनमान में कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(2) ग्रेड में कम से कम 7 वर्ष की सेवा रखने वाले कार्यकारी इंजीनियर रु. 1800-100-2000 के वेतनमान में अधीक्षण इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(3) ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधीक्षण इंजीनियर रु. 2000-125-2250 के वेतनमान में अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर (सिविल) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

नोट :—सेवा की शर्तों, जैसे स्थानान्तरण/दौरों पर अवकाश यात्रा भत्ते, कार्यारम्भ समय/कार्यारम्भ समय वेतन, चिकित्सा सुविधाएं, यात्रा-रियायत, पेंशन और आनुतोषिक नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि, वही होंगी जो समान हैसियत के अन्य केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए लागू हों ।

(च) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) के पद से सम्बद्ध कर्त्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप :—

अभिकल्पना और आरेखन में कार्य के लिए निर्धारित किए गए मानदंड और स्तर के अनुसार कार्यों का निष्पादन करना

15. तकनीकी अधिकारी (ग्रुप क) और संचार अधिकारी (ग्रुप क), सिविल विमानन विभाग, पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय।

(क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को आगामी आदेशों तक संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया जाएगा। वे दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे, जिसे आवश्यकता पड़ने पर बढ़ाया जा सकता है। उनकी नियुक्ति परिवीक्षा अवधि के अन्तर्गत बिना कोई नोटिस दिए समाप्त की जा सकती है। नियुक्ति के बाद जब संभव हो उम्मीदवार को 16 सप्ताह की अवधि के लिए सिविल विमानन प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण कोर्स के लिए जाना होगा। संचार अधिकारी, तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में उनके स्थायीकरण के लिए स्थायी पदों के उपलब्ध होने पर उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

(ख) यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण, सरकार की राय में असंतोषजनक है, या यह दर्शाता है कि उसके कार्य में दक्षता प्राप्त करने की संभावना नहीं है, तो सरकार उसकी सेवाएं तत्काल समाप्त कर सकती है।

(ग) परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर स्थायी रिक्तियों के उपलब्ध होने पर सरकार की राय में अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक पाए जाने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है अथवा कार्य या आचरण असंतोषजनक पाए जाने पर सरकार या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि बढ़ा सकती है, जैसा सरकार उचित समझे।

(घ) यदि सेवा में नियुक्ति करने के लिए सरकार किसी अधिकारी को शक्तियां प्रत्यायोजित कर देती है तो वह अधिकारी इस नियम के अधीन सरकार की शक्तियों में से किसी का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए अधिकारी उस समय प्रवर्तमान और केन्द्रीय सरकार के अधिकारियों के लिए लागू नियमों के अनुसार अवकाश, वेतन-वृद्धि और पेंशन के पात्र होंगे। वे केन्द्रीय भविष्य निधि को विनियमित करने वाले नियमों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि में अंशदान करने के भी पात्र होंगे।

(च) आपात स्थिति के अन्तर्गत अधिकारियों का भारत में या भारत से बाहर किसी फील्ड सर्विस के लिए भारत में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा। उड़ते हुए वायुयान में भी उन्हें कार्य करने के लिए कहा जा सकता है।

(छ) इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से नियुक्त किए गए अधिकारियों को वरीयता सामान्यतः उनके परीक्षा में योग्यता क्रम के अनुसार निश्चित की जाएगी। किन्तु भारत सरकार को अपनी विवेक पर अलग-अलग मामलों में वरीयता निश्चित करने का अधिकार है।

विभागीय उम्मीदवारों के मुकाबले में सीधी भर्ती द्वारा लिए गए उम्मीदवारों की वरीयता भर्ती नियमों में निर्धारित कोटे पर आधारित और इस विषय में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले आदेशों के अनुसार होगी।

(ज) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर:—वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड के लिए पदोन्नति :—

सम्बद्ध ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी रु. 1100-50-1600 के वेतनमानों में रिक्तियां होने पर अपनी वरीयता तथा योग्यता के आधार पर सिविल विमानन विभाग में वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं। उप निदेशक संचार नियंत्रक के ग्रेड के लिए पदोन्नति :—

उक्त संवर्ग में कम से कम तीन वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन के आधार पर रु. 1500-60-1800 के वेतनमान में संचार संगठन में उपनिदेशक/संचार नियंत्रक के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने पर सिविल विमानन विभाग में पदोन्नति की श्रृंखला में आगामी उच्चतर पद, रु. 1800-100-2000 के वेतनमान में संचार निदेशक, निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, निदेशक, प्रशिक्षण, तथा लाइसेंसिंग और क्षेत्रीय निदेशक, रु. 2000-125/2-2500 के वेतनमान में उप महानिदेशक और रु. 3000 (नियत) के वेतनमान में महानिदेशक के पद हैं।

अगले उंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथापूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की है और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

(1) सेवा की अपेक्षाओं के अनुसार इन सेवा-शर्तों में परिशोधन किया जा सकता है। यदि बाद में लागू की जाने वाली सेवा शर्तों में परिवर्तन करने से किसी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तो उम्मीदवार किसी क्षतिपूर्ति के हकदार नहीं होंगे।

(झ) सिविल विमानन विभाग में संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पदों के वेतनमान नीचे दिए गए हैं :—

(1) संचार अधिकारी (ग्रुप क) :—रु. 700-40-900-द. रो.-40-1100-50-1300।

(2) तकनीकी अधिकारी (ग्रुप क) :—रु. 700-40-900-द. रो.-40-1100-50-1300।

(ञ) यदि आवश्यकता हुई तो संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को:—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा,
और

(ख) सामान्यः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(1) तकनीकी अधिकारी ग्रुप क और संचार अधिकारी ग्रुप क के पद (पदों) से संबद्ध कर्त्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

तकनीकी अधिकारी और संचार अधिकारी

उपर्युक्त वर्गों के अधिकारियों को कभी कभी वैमानिक संचार केन्द्रों पर भी तैनात किया जाता है जहां रेडियो संचार और संचालनीय उपस्करों का अनुरक्षण होता है और विभिन्न उपस्करों और प्रचालन स्थितियों का प्रबन्ध करने के लिए बहुत सी तकनीकी परिचालन स्टाफ नियोजित किया जाना है।

किन्तु बहुत ए. सी. स्टेशनों में "संचार और तकनीकी अधिकारी" वरिष्ठ वेतनमान वाले अधिकारी के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्य करते हैं। इन परिस्थितियों में उनके द्वारा कर्त्तव्यों का निर्वहन पूर्णतः उनके स्टेशन के दिन प्रतिदिन प्रशासन का होगा। वे अधीनस्थ क्षेत्रीय मुख्यालयों और अन्य कार्यालयों से भी संबद्ध हैं।

रेडियो निर्माण तथा विकास एकक या केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो में जहां कार्य मुख्य रूप से उपस्करों और समवर्गी विषयों के परीक्षण तथा संस्थापन से संबद्ध होगा; केवल तकनीकी अधिकारियों को ही नियुक्त किया जाता है।

प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य करने वाले तकनीकी/संचार अधिकारियों के कर्त्तव्य

वैमानिक संचार स्टेशन :

ए. सी. स्टेशन का सामान्य प्रशासन और अनुशासनिक नियंत्रण जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं :—

(1) विविध रेडियो/संचालनीय एककों का कुशल अनुरक्षण;

(2) पूरे स्टाफ को वेतन तथा भत्तों का संवितरण;

(3) भंडार से संबद्ध सी. पी. डब्ल्यू. ए. लेखों से संबद्ध हिसाब का रख-रखाव उचित प्राधिकारियों का आवधिक विवरणियां प्रस्तुत करना;

(4) विविध उपस्करों के लिए पर्याप्त अतिरिक्त सामग्री की व्यवस्था;

(5) अपने अधीन एककों में विभिन्न वर्गों के स्टाफ को भेजना;

(6) हवाई अड्डे मौसमविज्ञान एयर लाइन्स आदि के अधिकारियों के साथ पर्याप्त सम्पर्क।

(7) सामान्यतः वैमानिक संचार स्टेशनों से अधिकतम दक्षता से कार्य करना।

प्रमुख स्टेशन/रेडियो निर्माण और विकास एकक रेडियो भण्डार डिपो में नियुक्ति तकनीकी अधिकारी के कर्तव्य

सी. ए. डी. में प्रयुक्त विविध श्रेणियों के रेडियो तथा रेडार/संचालनीय उपस्करों के स्वीकारी परीक्षण, संस्थापन और प्रतिदिन का अनुरक्षण।

अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार विभाग के संचालीय सहायक उपकरणों का उड़ान परीक्षण।

संचालनीय सहायक उपकरणों आदि के संस्थापन हेतु स्थलों को चुनने और संस्थापन के प्रयोजन के लिए एककों के आयात प्रतिस्थापन तथा निर्माण से सम्बद्ध कार्य का विकास।

विभाग में प्रयोग में आने वाले उपकरणों के लिए स्थानीय तथा विदेशी अभिकरणों से विभिन्न श्रेणियों के अतिरिक्त पार्ट्स उपलब्ध कराना।

प्रमुख स्टेशनों में नियुक्त "संचार अधिकारियों" के कर्त्तव्य

स्टेशन में विविध संक्रियात्मक सुविधाओं जिनमें भू-लाइन और रेडियो टेलीटाइप चैनल, मोर्स परिपथ, इंटरकाम तथा अन्य स्थानीवाक परिपथ सम्मिलित हैं के कुशल संचालन के लिए जिम्मेदार।

पूरी पारी का पूरा चार्ज लेने पर उन्हें यह सुनिश्चित करना है कि सभी तकनीकी एकक/टेलीग्राफ परिपथों का ठीक प्रकार से कार्य संचालन हो।

वैमानिक सूचना सेवा से सबद्ध मामले—वायु सैनिकों को सूचनाओं का प्रसार करना। विमान कर्मचारियों को संक्षेप में बताना तथा समवर्गी मामले।

16. भारतीय नौसेना आयुध सेवा।

(क) पद पर नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन नियुक्त किया जाएगा और यह अवधि समक्ष प्राधिकारी की सिफारिश पर बढ़ाई जा सकती है। सक्षम प्राधिकारी की राय में परिवीक्षा अवधि संतोषजनक रूप से पूरी न करने पर उन्हें सेवा मुक्त किया जा सकेगा। परिवीक्षा अवधि के अन्तर्गत उन्हें 9-12 महीने की अवधि के लिए एक तकनीकी प्रशिक्षण पर जाना होगा और ज्यादा से ज्यादा तीन प्रयास में विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। यदि वे विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाते हैं तो सरकार की विवक्षा पर उनकी सेवाएं समाप्त की जा सकेंगी। उन्हें प्रशिक्षण पर जाने से पहले रु. 15000/- (समय-समय पर धनराशि में परिवर्तन किया जा सकता है) के लिए एक बंध-पत्र पर भी हस्ताक्षर करने होंगे जिसके अनुसार उन्हें प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद तीन वर्ष की अवधि के लिए भारतीय नौसेना में अनिवार्य सेवा करनी होगी।

(ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक महीना और स्थायी नियुक्ति के मामले में तीन महीने) देकर किसी समय भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु सरकार को नियुक्त उम्मीदवारों की सेवाएं नोटिस की अवधि या इसके न समाप्त हुए भाग के लिए वेतन तथा भत्तों के बराबर की राशि का भुगतान करके तत्काल या नोटिस की निर्धारित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने का अधिकार होगा।

(ग) वे समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों, के अनुसार रक्षा सेवा प्राक्कलन से प्रदत्त सिविलियन सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू सेवा-शर्तों के अधीन होंगे वे समय-समय पर संशोधित फील्ड सर्विस दायित्व नियमावली 1957 के अधीन होंगे।

(घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा।

(ङ) वेतनभाग तथा वर्गीकरण—ग्रुप क-राजपत्रित वेतनमान रु. 700-1300।

(i) उप-आयुध आपूर्ति अधिकारी ग्रेड (II) रु० 700-40-900-ई०बी०-40-1100-50-1300

(ii) उप-आयुध आपूर्ति अधिकारी ग्रेड-I रु० 1100-50-1600

(iii) नौसेना आयुध आपूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) रु० 1500-60-1800

(iv) नौसेना आयुध आपूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) रु० 1500-60-1800-100-2000

(v) निदेशक आयुध आपूर्ति रु० 2000-125/2-2250।

(च) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर—

(1) उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड

पांच वर्ष की सेवा रखने वाले उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड 2 विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं चयन के आधार पर रु. 1100-1600 के वेतनमान में उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड 1 के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं परन्तु केवल उन्हीं अधिकारियों की पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा जिन्होंने ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो जो आई., आई. टी. किरकी में तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स नौसेना तकनीकी स्टाफ अधिकारी कोर्स के बाद ली गई हो।

विभागीय परीक्षा की पाठ्यचर्या नीचे दी गई है :—

1. नौसेना आयुध डिपो विशाखापटनम
   (क) शाला-कार्य (तीन मास)
   (ख) गन व्हार्फ तकनीकी कोर्स
   (ग) गोला बारूद तकनीकी कोर्स 1-37 सप्ताह
   (घ) प्रशासनिक तथा लेखा कोर्स
   (ङ) बालसौर कोसोपोर, ईशापोर और जबलपुर देखने जाना ।
2. गनरी स्कूल तथा टी. ए. एस. स्कूल
3. भारी वाहन कारखाना अवाड़ी और कार्डाइट कारखाना अरुबंगाडु देखने जाना ।
4. नौसेना आयुध बम्बई 2½ सप्ताह
   (क) गनव्हार्फ तकनीकी कोर्स 2
   (ख) गोला बारूद तकनीकी कोर्स 2
   (ग) आयुध कारखाना, अम्बरनाथ देखने जाना ।
   5 सप्ताह
5. आयुध प्रौद्योगिकी संस्थान किरकी
6. एच. ई. कारखाना, शास्त्रागार, ए. आर. डी. ई. और ई. आर. डी. एल. किरकी देखने जाना।
   1/4 सप्ताह
7. नौसेना मुख्यालय नई दिल्ली जाते हुए आयुध कारखाना तथा शेल आमर्स फैक्टरी कानपुर देखना।
   4 1/2 सप्ताह
8. नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली
   दिल्ली रक्षा विज्ञान प्रयोगशालाएं देखने जाना।

अंतिम परीक्षा 1 1/4 सप्ताह

(2) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड)

उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड 1 के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में पांच वर्ष की सेवा की हो उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन आने के आधार पर रु. 1500-60-1800 के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(3) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)

नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में 3 वर्ष की सेवा की हो। उपयुक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर 1500-60-1800-100-2000 के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(4) आयुध पूर्ति निदेशक

सम्बद्ध ग्रेड (ग्रेडों) में पांच वर्ष की सेवा रखने वाले नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड/साधारण ग्रेड) उपयुक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु. 2000-125/2-2250 के वेतनमान में आयुध पूर्ति निदेशक के रूप में पदोन्नति के पात्र हैं।

अगले उच्चे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथा पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

नोट:—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति के तत्काल पहले किसी आवधिक पद के अतिरिक्त मूल रूप से स्थायी पद धारण किए हुए थे, एफ. आर. 22 क (1) के प्रावधानों तथा भारतीय नौसेना परिवीक्षाधीन व्यक्तियों को लागू सी. एस. आर. के तदनुरूपी अनुच्छेद के अधीन विनियमित किया जा सकता है।

(ज) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड 2 के पद से सम्बद्ध कर्त्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप।

(1) विविध यांत्रिक इलैक्ट्रानिकी तथा वैद्युत साधनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुध सामग्री की मरम्मत, आशोधन तथा अनुरक्षण से संबद्ध कार्य का प्रस्तुतीकरण, आयोजन तथा निदेशन।

(2) मरम्मत, अनुरक्षण और ओवरहाल के लिए इलैक्ट्रानिक तथा वैद्युत् उपस्करों की मशीनरी का उपलब्ध कराना।

(3) आयात प्रतिस्थापना से सम्बद्ध विकासीय कार्य, स्वदेशी अभिकल्पन विशिष्टियां तैयार करना।

(4) आयुध के लिए यांत्रिक इलैक्ट्रानिक तथा वैद्युत अतिरिक्त पार्टसह का उपलब्ध कराना।

(5) आयुध (मिसाइलस टार्पेडीज, माइन्स तथा गन) मापने वाले यंत्रों आदि के यांत्रिक इलैक्ट्रानिक तथा वैद्युत मदों के उप समुच्चय तथा समुच्चयों का आवधिक अशांकन परीक्षण/जांच।

(6) फ्लीट तथा नौसेना प्रतिष्ठानों को आयुध सामग्री की पूर्ति।

(7) आयुधों के बारे में यांत्रिक, इलैक्ट्रानिक, तथा वैद्युत इंजीनियरी से सम्बद्ध सभी मामलों में संबद्ध सेवा को तकनीकी सलाह देना।

17. सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(1) चुना हुआ उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षाधीन व्यक्ति को परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा विहित विभागीय परीक्षणों को उत्तीर्ण करना होगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान या इसकी समाप्ति पर किसी समय यदि सरकार की राय में उसका कार्य और आचरण असन्तोषजनक रहा है, तो हो सकता है कि सरकार या तो उसे कार्य मुक्त कर दे या उस की परिवीक्षा अवधि यथा अपेक्षित समय के लिए बढ़ा दे।

(2) चुने गए उम्मीदवारी को भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें युद्ध तथा शांति के क्षेत्र सम्मिलित हैं, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिए निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(3) उनको प्राप्त वेतन की दरें निम्नलिखित हैं:—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—रु. 700-40-900 द. रो. 40-1100-50-1300 ।

कार्यकारी इंजीनियर—रु. 1100 (छठे वर्ष या इस से कम) 50-1600।

अधीक्षण इंजीनियर—रु. 1500-60-1800-100-2000 ।

मुख्य इंजीनियर (सिविल) ग्रेड-2-रु. 2000-125/2-2250 ।

मुख्य इंजीनियर (सिविल) ग्रेड-2-रु. 2250-125/2-2500 ।

मुख्य इंजीनियर (सिविल) ग्रेड-1-रु. 2250-125/2-2500 ।

(4) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षण, इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियरी के अधिकारियों के लिए) लागू उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की प्रत्याशा कर सकते हैं।

अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथा पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

(5) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी कुछ विनिर्दिष्ट इलाकों में तैनात होने पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को यथाग्राह्य अन्य सामान्य भत्तों जैसे मकान किराया भत्ता तथा नगर प्रतिपूरक भत्ता आदि के अलावा विहित दर पर विशेष प्रतिपूरक भत्ता और मुफ्त राशन के हकदार हैं। वे वर्दी के वास्ते परिसज्जा भत्तों के भी हकदार हैं ।

(6) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' पदों पर नियुक्त अधिकारियों पर अनुशासन के मामले में थल सेना अधिनियम, 1950 लागू होगा ।

18. डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध में सहायक कार्यकारी इंजीनियर/सहायक इंजीनियर (सिविल/वैद्युत)

(क) उम्मीदवारों की नियुक्तियां परिवीक्षा आधार पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी। उन्हें यथा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा। यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण सन्तोषजनक न हो या उसमें यह आभास हो कि उसके कार्यकुशल होने की संभावना नहीं है, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हुई तो सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी बना सकती है और यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित समझे और बढ़ा सकती है।

अधिकारियों को ऐसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो परिवीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित की जायें। उन्हें हिन्दी में एक परिक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारी के अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सम्मिलित है परन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्य वेतन दरें निम्न प्रकार हैं:—ग्रुप ख (सहा. कार्यकारी इंजीनियर सिविल) रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000 द. रो. 40-1200 ।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर ग्रुप क रु. 700-40-900-द. रो. 40-1100-50-1300 ।

कार्यकारी इंजीनियर/एस. डब्ल्यू. रु. 1100-50-1600 अधीक्षण इंजीनियर/एस. एस. डब्ल्यू. रु. 1500-60-1800-100-2000 मुख्य इंजीनियर (1) रु. 2250-125/2500।

(घ) डाक तार सिविल स्कन्ध में उक्त पदों से जो कर्त्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध हैं नीचे गए हैं :—

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से डाक तार सिविल स्कन्ध में भर्ती हुए उम्मीदवारों को डाक-तार विभाग के विभिन्न सिविल निर्माणों के जिनमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, दूरभाष केन्द्र भवन, डाकघर भवन, कारखाने, भंडार तथा प्रशिक्षण केन्द्र आदि सम्मिलित हैं, आयोजन अभिकल्पन, निर्माण और अनुरक्षण पर लगाए जाते हैं। उम्मीदवार विभाग में अपनी सेवा सहायक - कार्यकारी इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और सेवा करते करते विभाग के विभिन्न वरिष्ठ पदों पर पदोन्नत पा जाते हैं।

19. तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद :—

(क) तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

(ख) इस ग्रुप 'क' राजपत्रित पद का वेतनमान रु. 700-40-900- द. रो. 40-1100-50-1300 है।

(ग) उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा के बाद सहायक विकास अधिकारी तकनीकी विकास महानिदेशालय में रु. 1100-50-1500-द. रो. 60-1800 के वेतनमान में विकास अधिकारी के पद पर पदोन्नत के पात्र होंगे। विकास अधिकारी के संवर्ग में 60 प्रतिशत पद पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। विकास अधिकारी औद्योगिक परामर्शदाता (रु. 2000-125/2-2500) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। औद्योगिक परामर्शदाता उप महानिदेशक (रु. 2500-125/2-3000) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं तथा उप महानिदेशक इसके बदले में तकनीकी विकास महानिदेशक (रु. 3000/- वेतन आयोग की अनुशंसा के आधार पर परिशोधित किया जा सकता है) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

(घ) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति को आवश्यक होने पर किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित, यदि कोई है, कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध किसी पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) ऐसी नियुक्ति के दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा,

(2) चालीस वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद सामान्यतया पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) सहायक विकास अधिकारी के पद से सम्बद्ध कार्यों और उत्तरदायित्वों का स्वरूप उससे सम्बद्ध प्रभागों अर्थात् यांत्रिक इंजीनियरी, औद्योगिक मशीनरी, मशीन औजार, वैद्युत इंजीनियरी, आटोमोबील, इलैक्ट्रानिक इंजीनियरी, उद्योगों आदि, उद्योगों के विकास में विकास अधिकारी की सहायता करनी है।

20. ई. एम. ई. कोर, रक्षा मंत्रालय में कर्मशाला अधिकारी का पद :—

(क) ई. एम. ई. कोर में कर्मशाला अधिकारी के पद पर भर्ती व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर होंगे।

(ख) उक्त पद पर नियुक्त उम्मीदवारों को भारत में कहीं भी काम करना होगा।

ग्राह्य वेतन की दरें निम्न प्रकार हैं :—

(i) कर्मशाला अधिकारी ग्रुप 'क' रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1,000-द० रो०-40-1200।

(ii) कर्मशाला अधिकारी ग्रुप 'क' रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।

(iii) वरिष्ठ कर्मशाला अधिकारी रु० 1100-50-1500।

(iv) कर्मशाला अधीक्षक रु० 1,500-60-1800।

(v) कर्मशाला अधीक्षक (चयन ग्रेड) रु० 1,800-100-2000।

(घ) कर्त्तव्य :—'ए' 'बी' और 'सी' वाहनों, तोप, वायरलैस तथा रेडार उपस्कर व उपकरणों की मरम्मत कार्य करने वाले अनुभाग के प्रभारी के रूप में कार्य करना। ई. एम. ई. आर्मी बेस वर्कशाप/स्टेशन वर्कशाप के अधिकारी के रूप में कार्य करना और/या स्टाफ/ई. एम. ई. (रेजिमेंट के अलावा रोजगार) नियुक्तियों में कैप्टेन (ई. एम. ई.) के स्थान पर कार्य करना या ई. एम. ई. प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशासकीय कर्त्तव्यों के साथ साथ अनुदेशक के रूप में कार्य करना होगा।

(ङ) प्रारंभ में उक्त पद गैर पेंशनी हैं लेकिन स्थायी होने पर ये पद पेंशनी हो जाएंगे। किन्तु यदि सरकार के अधीन स्थायी पेंशनी पद पर कार्यरत व्यक्ति इस पद पर नियुक्त किया जाता है तो उसे पेंशन के सारे लाभ मिलते रहेंगे।

(च) उक्त पद के लिए चुने गए उम्मीदवार फील्ड में सेवा के दायित्व से प्रतिबद्ध हैं और उनका स्वस्थता—स्तर वर्ग 1 (एक) होना चाहिए।

21. भारतीय आपूर्ति सेवा :—

(क) चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर अधिकारियों को स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाने पर स्थायी पदों के उपलब्ध होते ही स्थायी कर दिया जाएगा। सरकार इस दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है।

यदि परिवीक्षा की उक्त अवधि या उसकी बढ़ी हुई अवधि के समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो वह उस अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जो वह उचित समझे।

अधिकारियों को स्थायी होने से पहले हिन्दी में एक विहित परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित यदि कोई हो, कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा :—

किन्तु उस व्यक्ति को —

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) ग्राह्य वेतन की निम्नलिखित दरें हैं :—

ग्रेड III—कनिष्ठ (ग्रुप 'क')

वेतनमान : रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300

ग्रेड 2—वरिष्ठ (ग्रुप 'क')

वेतनमान : रु० 1100 (छठा वर्ष या इससे कम)-50-1600।

ग्रेड 1—प्रशासनिक चयन पद—रु० 1500-60-1800-100-2000

सुपरटाइम वेतनमान पद : (क) रु० 2000-125/2-2250।

(ख) रु० 2250-125/2-2500।

(ग) रु० 2050-125/2-2750।

टिप्पणी :—जिस सरकारी कर्मचारी ने इस परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले आवधिक पद से अन्यथा किसी स्थायी पद पर स्थायी हैसियत से काम किया है उसका वेतन एफ. आर. 22-बी (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(घ) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' से सम्बद्ध कार्य तथा जिम्मेदारियों का स्वरूप।

भारतीय आपूर्ति सेवा के अधिकारियों का मुख्य कार्य भारत सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि की ओर से भंडार सामग्री खरीदना तथा बची हुई सामग्री का निपटान करना है। भारतीय आपूर्ति सेवा के अधिकारियों से आशा की जाती है कि उनके पास आपूर्ति एवं निबलयन महा नि. और विदेश स्थित राजदूतावासों/उच्चायोगों को आपूर्ति स्कन्धों को भेजे गए विभिन्न प्रकार के मांग पत्रों से निपटान के लिए अपेक्षित तकनीकी पृष्ठ भूमि हो।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 1980

No. 10-Pres./82.—The President is pleased to approve the award of the "SENA MEDAL"/"ARMY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage :—

Major ONKAR NATH DUBEY (IC 13059), Rajput.

Major Onkar Nath Dubey was the Officer-in-Charge of the troops deployed in flood relief operations in Balotra, District Barmer, Rajasthan in July, 1979. The town was cut off from all directions and the houses and huts in the villages around the town, which were submerged under flood water, had collapsed. Major Dubey organised prompt relief and rescue operation with courage and ability to sustain the faith of the civil population of the town. He provided all help to the business community by organising effective distribution of commodities.

On the occasion, he learnt that some twenty persons were perched on the roof of a temple across the Luni river which was in spate. The temple was about 4½ metres under water. Major Dubey took out a boat and, along with two of his men, set out to rescue the marooned persons. While on the way, their boat was swept away by the fast current. Undaunted, he jumped into the river, managed to pull the boat out of the current, took it to the temple and evacuated the stranded persons.

In this operation, Major Onkar Nath Dubey displayed courage, leadership and devotion to duty of a high order.

Major HARDIAL SINGH GILL (IC 18040), Mahar.

On the 4th April, 1979, the Headquarters of United Nations Military Observation Group in India and Pakistan at Srinagar was attacked by an unruly crowd shouting slogans Major Hadial Singh, Indian Army Liaison Officer to the Organisation, was overall incharge of security of the building. Realising the gravity of the situation, he organised his guard and the personnel of an Independent Transport Platoon for the protection of the building. With a view to restraining the crowd from causing any further harm to his men and damage to the vehicles and the building he ordered his men to open fire in self defence when the situation became grave. He moved from one end to the other inspiring his small force and held on for over five hours till the arrival of the reinforcement.

In this action, Major Hardial Singh Gill displayed determination, courage and leadership of a high order.

Major TRILOK SINGH RAWAT (IC 14642), Sikh.

Major Trilok Singh Rawat has been in command of the far flung border posts in the Pochury area of Nagaland. As commander of these posts, he was entrusted with the task of preventing unauthorised infiltration and exfiltration across the border and providing all possible cooperation and help to the locals in that area.

Through meticulous deployment of his troops and through personal supervision, by undertaking frequent visits to the posts Major Rawat virtually sealed the border. He organised several civic programmes and established effective rapport with the local people. In one incident, his prompt action resulted in saving major portion of a village from total destruction by fire. This considerably helped in fostering feelings of good will for the security forces amongst the local population.

Major Trilok Singh Rawat thus displayed initiative and devotion to duty of a very high order.

Major AKKANATU MATHAI MATHEW (V 157), Remount and Veterinary Corps.

Major Akkanatu Mathai Mathew planned and undertook the daring adventure of 434 Kilometres long mounted expedition from Srinagar to Leh through the most inhospitable and high altitude terrain. The expedition, which consisted of three officers and three Other Ranks was flagged off Srinagar on 1st September, 1978, under his leadership.

This expedition faced innumerable odds at various stages. On the 3rd September, 1978, falling boulders caused extreme panic both amongst the horses and their riders in the Zojila area. False tracks over the high mountains, which led to untrodden slopes, also caused considerable inconvenience to the team. On the way, Major Mathew developed acute stress syndrome of passing blood through urine. Without disclosing his own sickness, he looked after the other two members of his expedition who had developed similar ailments and inspired his team mates to withstand their physical discomfort. Braving all such oods, Major Mathew led his team and succeeded in his mission when he reached Leh on 8th September, 1978.

Major Akkanatu Mathai Mathew thus displayed initiative, un-deterred determination, forbearance and devotion to duty of an exceptional order.

Major ANIL BHOLA (IC 18796), 8, Gorkha Rifles.

On the 11th February, 1978, it was learnt that an armed gang of hostiles which had gone to a neighbouring country, was trying to enter Mizoram. Major Anil Bhola was entrusted with the task of intercepting that gang.

Major Anil Bhola organised his company for the task and set out on the mission. He and his men, sustaining themselves on the available rations, covered more than 500 kilometres of inhospitable jungle and rocky tefrain on foot in pursuit of the hostiles. During that search operation which continued till March, they underwent tremendous hardships. The determined pursuit which kept the hostiles always on the run was made possible by the inspiring leadership of Major Bhola and resulted in the capture of the leader of the gang.

In this operation, Major Anil Bhola displayed leadership, determination and devotion to duty of a high order.

Captain SURESH CHANDER MOHAN (IC 28636), Army Service Corps.

On the 19th February, 1979, two Other Ranks of an Engineer Regiment got entrapped in the midst of a wide nala flowing beside the location of a unit of an Army Service Corps Battalion in the Northern Sector. Captain Suresh Chander Mohan was detailed to organise the rescue of the stranded persons.

Captain Suresh Chander Mohan got ropes thrown on the other side of the nala and proceeded towards the Other Ranks. At one stage, he was caught in the turbent flow of the nala and saved himself from being carried into deep water after struggling hard against the current. At last, he reached the marooned people and rescued them, one by one, with the help of the rope.

Captain Suresh Chander Mohan thus showed courage, determination and devotion to duty of a high order.

Captain HARISH CHANDRA SRIVASTAVA (IC 29656), Army Ordnance Corps.

On the 11th May, 1979, a fire broke out in Transport Nagar, Kanpur. In response to a call for Army assistance, Fire Master of the Central Ordnance Depot, was ordered to rush to the spot with his men and fire fighting equipment to assist the civil fire brigade. On reaching the site, he observed that the civil fire brigade was not able to control the fire which had almost engulfed one entire shed containing costly stores.

Captain Harish Chandra Srivastava took control of the fire fighting operation, got the area cordoned off by the civil police and fire brigade personnel and ordered his men to go into action. Finding his men hesitating to get closer to the burning shed, he hoisted himself on the ladder of a fire fighting vehicle and climbed the wall of an adjacent shed. This inspired his men who, undaunted by the fire, started fighting the fire. It took about four hours of sustained effort to control of the fire and another three hours to totally extinguish it.

In this action, Captain Harish Chandra Srivastava displayed courage professional skill and devotion to duty of a high order.

Captain PADUBIDRI LAKSHMINARAYANA (MS 9986), Army Medical Corps

Captain Padubidri Lakshminarayana was attached to an Infantry battalion operating in Champawat area. The area was a rocky terrain covered with jungle and several rivulets.

On the 6th March, 1979, while the unit was proceeding along a foot path, one Other Rank slipped and fell into a *khud*. Captain Lakshminarayana immediately climbed down

the slippery slope and personally organised the evacuation of the unconscious jawan. At a short distance ahead, two other sepoys slipped and fell into the *khud*. They lay unconscious at the base of a cutting. Captain Lakshminarayana again climbed down the steep slopes with the help of ropes. He administered first aid to the unconcious jawans and took great care to keep the victims warm and was able to bring one of them to consciousness. Subsequently, he succeeded in reviving the other jawan by personally resorting to mouth to mouth respiration during the five hour period when he was being carried by the jawans.

Captain Padubidri Lakshminarayana thus displayed professional skill, courage and devotion to duty of a high order.

Captain SURENDRA SINGH DHAKA (IC 28423), Army Ordnance Corps.

On the 17th February, 1978, a huge avalanche came down at Mana, where a company of Scouts was located as part of operational deployment during winter. The avalache damaged the barracks where artillery, small arms, ammunition and explosives were stored. The ammunition got burried under snow and debris of the building.

Captain Surendra Singh Dhaka, Officer Commanding of a Mobile Ammunition Repair Section, reached the site of accident on 4th April, 1978, to retrieve the ammunition burried under the debris. Although he was instructed not to resort to digging he decided to undertake the digging despite the risk involved. He motivated his men by digging the snow himself and was successful in recovering almost the entire ammunition after strenuous efforts which took almost two months.

In this action, Captain Surendra Singh Dhaka displayed leadership, courage and exceptional devotion to duty.

Captain LAKHA SINGH (C 28748), Para.

Captain Lakha Singh was the deputy leader of the Parachute Mountaineering Expedition to Kinner Kailash which was undertaken in May/June, 1978. During the second week of April 1978, he carried out a route reconnaissance up to the proposed Base Camp site after struggling hard through deep snow for two days. Subsequently, when he was given the task of taking the advance party to the site, he led them on with determination and successfully established the Base Camp. Again, he voluntarily explored the route further, along with others, through a highly crevasse glacier up to the site for the proposed Advance Base Camp. Thereafter, he led an independent rope and he opened the route up to the summit. At the Advance Base Camp, he often got up in the night and, despite strong blizzard and biting cold came out of the tent to clear off the accumulated snow from over the tents. On 13th June, 1978, Captain Lakha Singh led his men to the summit and was amongst the first to stand atop the challenging Kinner Kailash.

Captain Lakha Singh thus displayed courage, determination and devotion to duty of a high order.

Captain JAGDEV SINGH YADAV (IC 31029), 3, Gorkha Rifles.

On the 11th August, 1978, in the evening there was an unexpected spate in the Indus river which had engulfed most of the low lying areas of Kiari (Leh), where Army units were stationed. Captain Jagdev Singh Yadav, along with 20 men, was detailed to rescue the marooned personnel of an Infantry Battalion and to save the Government stores. Through his prompt and determined efforts, he succeeded in saving all the men and materials before the river water could cause any damage.

On the 12th August, 1978, the gushing waters had breached a bund and the embankments of a bridge over the river and there was a danger of these being washed away. Captain Yadav promptly organised his men, ferried stones from the hill side and plugged the breaches.

On the following day Capt. Yadav learnt that the river bridge was in danger of being washed away. Within a short time, he got a stone wall constructed in front of the threatened embankments and thereby got the pressure of water reduced on the bridge. In the meantime, the river water started breaching the Kiari Leh road which was the life line for the adjoining areas and the troops stationed there. Captain Yadav and his men, although tired after a day long work, plugged the road breach. The same day while on his way back, he saw two land slides which had blocked the road. Captain Yadav inspired his men and got the road cleared of the debris.

Captain Jagdev Singh Yadav thus displayed leadership, determination and devotion to duty of an exceptional order.

Captain KARAN SINGH YADAV (SS 26884), Kumaon.

Captain Karan Singh Yadav was commanding a post at the Amritsar Border. His patrol party was assigned the task of dominating the border line and of providing covering fire for the move of another patrol party.

On the 14th October, 1978, the other patrol party suddenly came under intense fire from across the border. In order to assist the other Patrol, Captain Yadav directed his men to engage the adversary. While his men were bringing down heavy and effective fire, he noticed that adversary was also making a move to encircle his troops. He immediately moved forward, directed heavy LMG fire on the adversary and continued it until his troops withdrew to safety.

Captain Karan Singh Yadav thus displayed courage, undeterred determination and devotion to duty of an exceptional order.

JC 48039 Subedar CHANDI PRASAD DHULIYA, 2 Garhwal Rifles.

Subedar Chandi Prasad Dhuliya of an Infantry Battalion was commanding a Platoon in a foreward area in the Northern Sector. On the 27th June, 1978, information was received that a Pakistani had crossed the Line of Control and was trying to collect information about the Army from the locals. Subedar Dhuliya along with five of his men, immediately left in pursuit of the intruder, and, after covering a difficult route at night, spotted him in a village. He took the intruder by surprise in a house, grappled with him all alone and despite his being fully armed, overpowered him. The captured intruder was later found to be a seasoned spy.

In this action, Subedar Chandi Prasad Dhuliya displayed courage, promptitude and devotion to duty of an exceptional order.

JC 64646 Subedar BHAG SINGH, *Sikh Light Infantry.*

The Central Reserve Police Force Centre at Jharoda Kalan had been taken over by the agitating personnel at the Centre and arms were reported to have been distributed amongst them with a view to resisting any attempt to dislodge them. An Infantry Battalion was assigned the task of securing the Armoury and Magazine of the Central Reserve Police Force Group Centre at Jharoda Kalan.

Subedar Bhag Singh formed part of a Company which was given the task of securing the Armoury after closing into the perimeter wall and cutting the wire fencing. When his platoon neared the Armoury, armed Central Reserve Police Force agitators, who had taken up positions on the roof of the building, opened fire on them. Seeing that the advance of his platoon was held up because of the firing from the agitators, Subedar Bhag Singh, undeterred by the agitators fire covering that area, rushed towards the stairs located in centre of the building, climbed up the stairs, charged at the agitators on the roof top and quickly disarmed them.

In this action Subedar Bhag Singh displayed exemplary courage, inspiring leadership and devotion to duty of an exceptional order.

NYA (13719109) Naib Subedar Dhani Ram, J&K Rifles.

Naib Subedar Dhani Ram, along with three Other Ranks, was detailed for patrolling the Line of Control and the adjoining forward area in the Northern Sector. Instead of making it a routine patrolling activity, Naib Subedar Dhani Ram, on his own initiative, simultaneously started enquiring from the locals about any anti-national activities by foreign agents or by the residents of the area. During the course of these enquiries, he got an inkling that one person had crossed over to the occupied Kashmir a few days back and that he would return on the night of 30th April/1st May, 1979.

Naib Subedar Dhani Ram informed his company Commander and on getting his approval, proceeded to reconnoitre for a suitable ambush site on the likely route of that person. When the suspect was spotted, he was duly challenged and ordered to surrender his weapon, if any. However, instead of surrendering, he took to his heels in his bid to escape of

making full use of his topographical knowledge of the area. Naib Subedar Dhani Ram's warning to open fire did not stop him from running away. Naib Subedar Dhani Ram and his three men were not deterred by this and after a whole night pursuit, succeeded in apprehending him the next morning.

In this action, Naib Subedar Dhani Ram displayed tact, determination and devotion to duty of an exceptional order.

JC 83873 Naib Subedar GURCHARAN SINGH SIDHU, Artillery.

Naib Subedar Gurcharan Singh Sidhu received his training as senior operator of Combat Control Cabin in USSR. During the recent past, he has put in tremendous hard work and attained commendable proficiency in operating the equipment. As a senior crew member, he has not only personally attained a high standard of handling the complicated equipment but has also encouraged and guided his subordinates to achieve proficiency in that direction.

Naib Subedar Gurcharan Singh Sidhu has thus displayed determination and devotion to duty of a high order.

JC 78410 Naib Subedar DINKAR MASKE, Engineers.

Naib Subedar Dinkar Maske was incharge of the task of providing water supply line to a post in high altitude area of Lakuma in Sugar Sector. The post was located in an area which was prone to heavy land and rock slides, intermittent rains and snow fall. The work on laying water pipe line was in progress but the pipe line already laid was over ground and had got covered with snow. A party led by Naib Subedar Maske and three sappers proceeded to clear the snow, to dig a trench to bury the pipe line and save it from any damage.

On the first of September, 1979, while Naib Subedar Maske was busy clearing the pipe line of snow, the heard a shriek and noticed that an Other Rank had fallen down into a khud. With the help of a rope, he soon reached the spot and, after an hour long effort, succeeded in dragging the Other Rank to safety. Despite this un-nerving incident, he inspired his men to resume the work and completed the task.

In this action, Naib Subedar Dinkar Maske displayed leadership, determination and devotion to duty of a high order.

2644312 Havildar SAJJAN SINGH, Grenadiers.

Havildar Sajjan Singh of an Infantry Battalion was asked to lead a patrol for intercepting a gang of hostiles. After relentless pursuit of three days and three nights through rugged and difficult terrain, he laid an ambush near a village. Three hostiles walked into the ambush. Taken completely by surprise, the hostiles made a bid to flee into the jungle. Havildar Sajjan Singh, along with one of his comrades, pounced on them and captured the three hostiles who were armed and were carrying essential supplies and medicines for the gang.

In this action Havildar Sajjan Singh displayed courage, determination and devotion to duty of an exceptional order.

13604046 Havildar DAYA CHAND, Para.

Havildar Daya Chand of an Infantry Battalion was a climbing member of the Parachute Mountaineering Expedition to Kinner Kailash, in Sugar Sector, which was undertaken during May-June, 1978. An experienced climber, he has been an instructor at High Altitude Warfare School. He was always in the fore front during the expedition. He accompanied the advance party and contributed a lot in opening the route upto and beyond Camp I. He ferried heavy loads between various camps. Displaying cool headedness under stress and strain, he imparted on the spot training at difficult pitches to his rope makes during the second summit assault. Although beaten back just two hundred feet short of the summit of Kinner Kailash on 13th June, he volunteered against to lead the second summit party. On the 18th June, 1978, Havildar Dava Chand, alongwith his ropemates was given the task of winding up Camp I and to unfix all the ropes fixed along the north ridge as far forward as possible. This was a dangerous task in view of the extremely dangerous route. But Havildar Daya Chand, with the help of his ropemates, accomplished the task successfully by retrieving nearly seventy five percent of the rope.

Havildar Daya Chand thus displayed courage, determination and devotion to duty of a high order.

13719454 Lance Havildar MOHAMMAD ABDULLA BUTT, JAK Rifles.

Lance Havildar Mohammad Abdulla Butt of an Infantry Battalion was in command of a patrol in Southern Mizoram along the Indo-Burma border. On the 16th November, 1978, the Patrol was suddenly attacked by the hostiles. In utter disregard to his own safety and under heavy small arms fire, he led his men against the hostiles and succeeded in beating them back after inflicting heavy casualties on them.

In this action, Lance Havildar Mohammad Abdulla Butt displayed courage, leadership and devotion to duty of an exceptional order.

4151384 Lance Havildar JIT SINGH, Kumaon.

Lance Havildar Jit Singh of an Infantry battalion was incharge of a captive ferry which was used for conveying men and material to forward posts, across the river Manawar Tawi at Palanwala in Jammu and Kashmir.

Lance Havildar Chander Singh was leading a patrol party on an island in the river. On the night of 19th February, 1979, due to heavy rain in catchment areas of the river, the water level was expected to rise and the patrol was ordered to withdraw. While the patrol was being ferried back to the base, the boat got stuck up in the mid stream. All efforts by Lance Havildar Jit Singh to row the boat failed. The lives of patrol members were in great danger. Remaining cool and composed in the situation and determined to take the boat safely to the bank, Lance Havildar Jit Singh ordered his men to sit squarely so that the balance of the boat was not disturbed. But the rope connecting the boat with the anchor broke down under the heavy stress of the rushing water and the boat went swirling down the stream. Undeterred he made a determined effort to steer the boat on to a sand bar. In the process, the sand bar got dislodged and the boat drifted speedily down the stream until it reached near Marala Headworks in Pakistani territory whence the boat came into calmer waters. The troops disembarked from the boat at the banks near Marala.

Through out this crisis, Lance Havildar Jit Singh displayed an uncanny judgement in keeping the boat afloat, courage, determination and devotion to duty of a high order.

4150754 Lance Havildar CHANDER SINGH, Kumaon.

Lance Havildar Chander Singh was commander of a patrol party detailed to check and prevent possible infiltration from across the line of Control.

On the night of 19th/20th February, 1979, when the patrol proceeded on their job, it was raining heavily and the water level in the river Manawar Tawi was raising speedily. Consequently the patrol party was ordered to withdraw. The withdrawal route lay across the main channel of the river where a captive ferry had been provided for carrying troops across. Lance Havildar Jit Singh was the incharge of the boat. While the boat, with the patrol party on board, was mid way, it was swept away by the swirling water of the rive endangering the lives of the occupants. The boat was ultimately saved by a plan drawn by the incharge of the boat. In the process, the boat was carried away down the stream into Pakistani territory, near Marala Headworks.

At that point, an attempt to cross the river was abondoned because of the depth and fast current of the water. It was still dark and, taking cover of this darkness, Lance Havildar Chander Singh decided to move stealthily along the western bank of the river and cautioned his men to be ready with their arms in case of encounter with Pakistani troops. They were in Pakistani territory till the day break. He accordingly instructed his men to disperse and lie hidden throughout the day in the reeds. He prepared a plan to cross the river over to own side on the following night, moved his troops, and reached a place near to own post. They were at last spotted by own men on the other side of the river. The troops were later on retrieved through a talk with Pakistani Post Commander.

In this action, Lance Havildar Chander Singh displayed courage, determination and devotion to duty of an exceptional order.

2555295 Naik BOMMI KADIRVELU,
Madras.

On the 18th August, 1978, Naik Bommi Kadirvelu was detailed to lay additional mines and trip wire in a mine-field in the Northern Sector. He entered the mine field in utter disregard to his own safety and accomplished the given task. But, while coming back from the mine field, he tripped over a mine and got his right foot blown off, causing permanent disability.

Naik Bommi Kadirvelu thus displayed courage and devotion to duty of an exceptional order.

7767166 Naik DHARAMBIR SINGH CHAUHAN,
Corps of Military Police.

On the 24th November, 1978, Naik Dharambir Singh Chauhan of Provost Unit attached to Headquarters, Madhya Pradesh Sub Area, Bhopal, was detailed as incharge of an outrider squad for the Defence Minister's motorcade from the Raj Bhavan to Vallabh Bhavan. When the motorcade reached a crossing, a vehicle came rushing from the opposite direction and, despite the pointman's warning, it turned towards the same road which was taken by Defence Minister's motorcade. The driver had lost control of that vehicle and it posed a danger to the Defence Minister's vehicle.

Naik Dharambir Singh, visualising the situation moved his motor cycle towards that vehicle in a bid to stop it before it could hit the Defence Minister's car. In the process, he was injured but as a result, the motorcade came to a halt. The safety of the VIP was thus ensured.

In this action, Naik Dharambir Singh Chauhan, displayed fore-sight, courage and devotion to duty of an exceptional order.

13900007 Naik SACHIDA NAND YADAV,
Army Medical Corps.

On the 3rd November, 1978, information was received at Leh that a helicopter had crashed near a village and the pilots, who had been critically wounded, required immediate evacuation. A Medical Officer along with Naik Sachida Nand Yadav, one Nursing Assistant and one member of a Medical Battalion, were rushed to the accident site to provide first aid and evacuate the wounded to the nearby Hospital.

On reaching the reported site of the accident, the party discovered that the helicopter had crashed on the other side of the Indus river. The party had no expedients to cross the river and there was no bridge nearby. In an endeavour to save the lives of pilots, Naik Sachida Nand Yadav swam across the river in complete disregard to his personal safety and walked bare-footed approximately 10 kilometers to reach the accident site. He found that the pilots were dead in the burnt helicopter. By the time the rescue helicopter landed near the site to evacuate the casualties, Naik Sachida Nand Yadav had extricated the bodies from the burnt helicopter. It was solely because of his determined efforts that the bodies of the dead pilots were evacuated.

In this action, Naik Sachida Nand Yadav displayed courage, determination and devotion to duty of a high order.

1565668 Lance Naik DARSHAN SINGH,
Engineers.

Lance Naik Darshan Singh was working with a Field Company entrusted with the task of supplying water to detached posts in Sugar Sector along Indo-Tibet border. These posts are located at high altitude and the area, with its extreme climatic conditions, is prone to frequent land slides.

On 1st September, 1978, there was heavy snowfall and, due to land slides enroute, the water supply was cut off. Lance Naik Darshan Singh and three Other Ranks were detailed to restore the water supply. While clearing the land slide to reach the pipe line, one of his comrades fell down into a khud owing to a slide caused by the movement of a boulder. Lance Naik Darshan Singh rushed towards the slipping colleague, caught hold of him and rescued him, with the help of a rope lowered by another Other Rank.

Lance Naik Darshan Singh thus displayed promptitude and devotion to duty of a high order.

2667518 Grenadier RAM SINGH,
Grenadiers.

On the 3rd March, 1978, Grenadier Ram Singh of an Infantry Battalion was a member of a patrol sent to intercept a gang of hostiles which was trying to enter Mizoram through a neighbouring country. After traversing through 30 kilometers of treacherous terrain in a very short time, the patrol leader decided to lay an ambush. Three hostiles walked into the ambush. Grenadier Ram Singh in utter disregard to his own safety, pounced on the armed hostiles and quickly overpowered one of them. In the meantime, the two other hostiles in their bid to escape, started running into the jungle. Grenadier Ram Singh reacted quickly, chased the running hostiles and succeeded in over-powering one of them.

In this action, Grenadier Ram Singh displayed courage, presence of mind and devotion to duty of an exceptional order.

2456361 Sepoy JAISHI RAM, (Posthumous)
Punjab.

On the 4th August, 1978, Sepoy Jaishi Ram was detailed to transport a postal collection party. After the party had alighted, Sepoy Jaishi Ram parked his vehicle in the vehicle-park of an Independent Infantry Brigade group. The vehicle park is located beside a bridge on the Suru River where a rivulet rising from the hills situated to the south of the Brigade Headquarters joins Suru River.

The rivulet was in spate and, due to rains, its water level kept on rising. Sepoy Jaishi Ram noticed a sudden gush of over kowing water of the rivulet which could wash away his vehicle. Without caring for his own safety, he decided to take his vehicle to a safer place. He drove it against the flow which was pushing it towards the confluence of the rivulet and the Suru river. He continued his efforts to save the vehicle till the fast current threw the vehicle upside down into the Suru River. Sepoy Jaishi Ram was subsequently found dead inside his vehicle.

In this action, Sepoy Jaishi Ram displayed courage, determination and devotion to duty of an exceptional order.

No. 11-Pres./82.—The President is pleased to approve the ward of the *Bar* to "SENA MEDAL"/"ARMY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage :—

13604263 Naik Ananda Rao Chavan, SM,
2 Para.

On the 4th April, 1979, a violent mob attacked the building occupied by Headquarters, United Nations Military Observation Group, India and Pakistan at Srinagar. The building was guarded by an Infantry Battalion. The mob forced open the main gate of the building and attached the guard room and the sentry on duty. Seeing that the sentry was the target of mob's fury and his life was in danger, Naik Ananda Rao Chavan, who was second in command of the guard on duty, rushed to help him. In utter disregard to his own safety, Naik Chavan shielded with his own body the Sentry who had fallen down. In the process, although he himself got injured in the face and nose, he protected the sentry from any further injuries from the infuriated mob.

In this action, Naik Ananda Rao Chavan displayed courage, high determination and devotion to duty of an exceptional order.

S. NILAKANTAN,
Deputy Secretary to the President.

MINISTRY OF PLANNING
(DEPARTMENT OF STATISTICS)

New Delhi, the 11th January 1982

No. H-11013/1/81-Coord.—The Government of India hereby reconstitutes the Technical Advisory Committee on Statistics of Prices and Cost of Living with effect from the 1st February, 1982, with the following membership :—

1. Director-General, Central Statistical Organisation, Department of Statistics, *New Delhi.*	Chairman
2. Adviser, Employment Labour & Manpower, Planning, Planning Commission, *New Delhi.*	Member
3. Economic & Statistical Adviser, Ministry of Agriculture & Irrigation, *New Delhi.*	Member

4.	Chief Economic Adviser, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, *New Delhi.*	Member
5.	Economic Adviser, Ministry of Industry, *New Delhi.*	Member
6.	Economic Division Adviser, Planning Commission, *New Delhi.*	Member
7.	Member-Secretary, Agricultural Prices Commission, Department of Agriculutre, Ministry of Agriculture & Irrigation, *New Delhi.*	Member
8.	Director, Field Operations Division, National Sample Survey Organisation, Department of Statistics, *New Delhi.*	Member
9.	Director, Survey Design & Research Division, National Sample Survey Organisation, *Calcutta.*	Member
10.	Director, Labour Bureau, Ministry of Labour, *Simla.*	Member
11.	Statistical Adviser, Reserve Bank of India, *Bombay.*	Member
12.	Director, Bureau of Applied Economics and Statistics, Government of West Bengal, *Calcutta.*	Member
13.	Director, Directorate of Economics and Statistics, Government of Madhya Pradesh, *Bhopal.*	Member
14.	Director, Directorate of Statistics and Evaluation, Government of Jammu & Kashmir, *Srinagar.*	Member
15.	*Joint Director,* Central Statistical Organisation, Department of Statistics, *New Delhi.*	Member-Secretary

2. The representatives of the State Governments will serve on the Committee for a period of 2 years with effect from 1st February, 1982.

3. The functions of the reconstituted Committee will be as under :—

(a) Examination of proposals for the conduct of family budget enquiries by Central Government, State Government or Union Territory Administrations;

(b) Examination of schemes prepared by the Central Government, State Governments, or Union Territory Administrations, for the construction of consumer price and comparative costliness indices, and special problems connected therewith, including problems concerning all-India and State level indices;

(c) Improvement and standardization of the concepts, definitions methods of price collection, and compilation of consumer price and comparative costliness indices;

(d) Examination of schemes prepared by the Central Government, State Governments, or Union Territory Administrations, for the construction of wholesale, retail, producers' and other price indices, and special problems connected there-with including problems concerning all-India and State level indices;

(e) Improvement and standardization of the concepts, definitions, methods, or price collection and compilation of wholesale, retail producers' and other price indices, including methods of weighting appropriate for each type of indices;

(f) Review of organisational arrangements and the machinery for price collection with a view to rationalizing and developing an integrated system of collection, compilation and dissemination of price statistics.

4. Secretarial assistance to the Committee will be provided by the Central Statistical Organisation, Department of Statistics.

S. P. SHARMA, Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

New Delhi, the 28th January 1982

ORDER

No. 27(26)/82-CL-II.—In pursuance of Clause (*ii*) of sub-section (*1*) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (*1* of 1956), the Central Government hereby authorises Shri V. Chandramouli Davey, Assistant Inspecting Officer, in the Department of Company Affairs for the purposes of the said Section 209-A.

K. R. A. N. IYER, Under Secy.

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPTT. OF COMMERCE)

New Delhi, the 13th January 1982

RESOLUTION

No. 3-M/44/80-EP(MP).—In continuation of this Ministry's Resolution No. 3M/44/80-EP (MP) dated the 30th April, 1981, Shri S. P. Jakhanwal, Joint Secretary (A&T), Ministry of Agriculture is nominated as member of Task Force on Marine Products constituted under the Ministry of Commerce in place of Shri A. J. S. Sodhi, Joint Secretary (TD), Ministry of Agriculture.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

ORDERED also that a copy of the Resolution be communicated to the Ministries/Departments of Govt. of India and all Maritime State Governments and Union Territories.

S. GOPALAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

New Delhi-110001, the 8th January 1982

No. T-11017/15/80-CONF.—Whereas India is a member of the International Telecommunication Union, Geneva, a specialised Agency of the United Nations Organisation.

Whereas an Agreement governing the use of Radio Frequency Spectrum and Geostationary Satellite Orbit was made through the Final Acts of World Administrative Radio Conference of the International Telecommunication Union held in Geneva 1979.

Now, therefore, it is for general information that the Government of India, have approved the Radio Regulations, Geneva, 1979, as contained in the Final Acts of the World Administrative Radio Conference, Geneva, 1979 effective from 1st January, 1982.

K. VARADARAJAN, Dy. Wireless Adviser

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 30th January 1982

No. Q-16012/3/79-WE.—Whereas in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/3/79-WE dated the 8th/15th May, 1981, notifying the composition of the reconstituted Central Board for Workers' Education, for information of the Public, representation was given to the Ministry of Finance, Ministry of Education and the State Governments of Orissa, Kerala, Maharashtra and Haryana. The

names of the representatives of the Ministry of Finance, Ministry of Education and the State Governments of Maharashtra and Kerala were notified in notification of even number dated the 2nd/7th August, 1981.

Now, therefore, it is notified for information of the Public that the following persons shall represent the Governments of Haryana and Orissa on the Central Board for Workers' Education :

1. Shri H. L. Gugnani, Commissioner and Secretary to the Government of Haryana, Labour and Employment Department, Chandigarh-160001.

2. Shri Bhagey Gobardhan, Secretary to the Government of Orissa, Labour & Employment Department, Orissa Secretariat, Bhubaneshwar, District Puri, Orissa.

H. S. RAJU, Dy. Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 2nd February 1982

No. U-13019/10/81-ANL.—In supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. 26/12/72-ANL, dated the 4th October, 1972 as amended from time to time, the President is pleased to constitute an Advisory Committee to be associated with the Minister of Home Affairs in the administration of the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands in respect of the matters specified in paragraph 5 herein below.

2. The Advisory Committee shall consist of the following members, namely :—

(a) the person for the time being representing the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands in the Lok Sabha;

(b) the Chief Commissioner of the Union Territory of the Andaman and Nicobar Islands;

(c) all the Counsellors appointed under the Andaman and Nicobar Islands (Administration) Regulation, 1979;

(d) the senior Vice-Chairman of the Municipal Board, Port Blair, till such time a Chairman is elected for the said Board and, thereafter, such Chairman;

(e) two members of the Pradesh Council of the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands, one from the Andaman group and the other from the Nicobar group, to be elected by the members of the said Council from among themselves;

(f) a woman member, to be nominated by the Government of India in the Ministry of Home Affairs, from each of the two groups of Islands, in case a woman does not become a member of the Advisory Committee from that group under any of the foregoing provisions; and

(g) the member for the time being representing the Island of Great Nicobar in the Pradesh Council for the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands.

3. The term of members referred to in clause (e) and (f) of paragraph 2 above shall ordinarily be from the first of April or the date of their election/nomination, whichever is later, upto the 31st March of the succeeding year. The election of members under clause (e) of paragraph 2 above shall be by show of hands.

4. The meetings of the Advisory Committee shall be presided over by the Minister of Home Affairs or in his absence by a Minister of State in the Ministry of Home Affairs.

5. The Advisory Committee shall be consulted in regard to :—

(i) general questions of policy relating to the administration of their territory in the State field;

(ii) all legislative proposals concerning the territory in regard to matters in the State list;

(iii) such matters relating to the annual financial statement of the Union in so far as it concerns the territory and such other financial questions as may be specified in the rules prescribed by the President; and

(iv) any other matter on which it may be considered necessary or desirable by the Minister of Home Affairs that the Advisory Committee should be consulted.

6. The Advisory Committee shall meet at intervals of not more than six months.

7. Subject to the discretion of the Minister of Home Affairs, or the Minister presiding over a meeting, to refuse in the public interest to give any information or to allow discussion on any matter, members of the Advisory Committee will have rights in regard to interpellations analogous to and under similar limitation as those of members of a State legislature.

8. The membership of the Advisory Committee shall not carry any remuneration but the members will be entitled to travelling allowance and daily allowance in respect of journeys/halts in connection with the meetings of the Committee in accordance with the general or special orders issued by the Government of India from time to time in this regard.

9. The conduct of business of the Advisory Committee shall be regulated by such rules of procedure as may be framed from time to time by the Minister of Home Affairs in consultation with the Advisory Committee.

R. C. A. JAIN, Dy. Secy.

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

New Delhi, the February 1982

RULES

No. 10/7/81-CS.II.—The rules for competitive examinations to be held by the Staff Section Commission (Ministry of Home Affairs, Department of Personnel and Administrative Reforms) New Delhi, once every two months during the year 1982, on Second Saturday and Sunday and, if necessary, on the holiday/Sunday following thereafter, for the purpose of filling temporary vacancies in Grade D of the Central Secretariat Stenographers' Service are published for general information.

2. The number of vacancies in the Central Secretariat Stenographers' Service to be filled on the result of the examination will be determined by Government from time to time and intimated to the Staff Selection Commission before the results of the examinations are announced by the Commission. The approximate number from each examination will be 50. Reservations will be made for candidates who are ex-servicemen, Scheduled Caste and Scheduled Tribe and physically handicapped in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

(i) Ex-serviceman means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant), in the Armed Forces of the Union, including the Armed Forces of the former Indian States, but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineering Force, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation, and

(a) has been released, otherwise than at his own request or by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or has been transferred to the reserve pending such release, or

(b) has to serve for not more than six months for completing the period of service requisite for becoming entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid, or

(c) has been released at his own request, after completing five years service in the Armed Forces of the Union.

(ii) Physically handicapped person means an orthopaedically handicapped person (lower extremities) who has a physical defect or determity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles and joints and a person who is partially deaf.

No scribe will be allowed to the physically handicapped and other categories of persons appearing in the examination.

(iii) Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order,

1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order 1951 the Constitution (Scheduled Tribes) Union Territories) Order, 1951; as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.

3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission, in the manner prescribed in the Appendix I to these Rules. For the purpose of admission they will be required to submit applications, on plain paper as in the form given in Appendix II, which shall, after due scrutiny will be forwarded by the Ministry/Department/Office concerned to the Staff Selection Commission latest by the 1st of the month preceding the month in which the examination is to be held.

4. Any permanent or temporary regularly appointed LDC/UDC of the Central Secretariat Clerical Service shall be eligible to appear at the examination and compete for the vacancies.

4(1) Length of Service; He should have, on the 'crucial date' (as defined under Regulation 2(a) of the Central Secretariat Stenographers' Service Grade D (Competitive Examination) (Regulations, 1969) rendered not less than two years approved and continuous service in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service.

Note 1 : The limit of two years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of a candidate is partly in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service.

Note 2 : Officers of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible. This also applies to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer if he continues to have a lien in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service for the time being.

Note 3 : Regularly appointed officers to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade means an officer allotted to any of the cadres of the Central Secretariat Clerical Service at the commencement of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 or appointed thereafter on a long-term basis to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Service as the case may be, according to the prescribed procedure.

(2) Age :—A candidate for this examination should not be more than 50 years of age on the 'crucial date' (as defined under Regulation 2(a) of the Central Secretariat Stenographers' Service Grade D) (Competitive Examination) (Regulations, 1969).

(3) The upper age limit will be relaxable in the case of ex-serviceman who have put in not less than six months continuous service in the Armed Forces of the Union, to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for all the vacancies whether reserved or not for ex-servicemen.

NOTE :—The period of "call up service" of an ex-serviceman in the Armed Forces shall also be treated as service rendered in the Armed Forces for purpose of Rule 3 above.

5. The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

(i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) Upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iv) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

(vii) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;

(viii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(ix) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;

(x) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xi) upto a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof;

(xii) upto a maximum of eight years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xiii) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;

(xiv) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Em-

bassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975; and

(xv) upto a maximum of ten years if the candidate is a physically handicapped person, i.e., Irthopaedically handicapped and partially deaf.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate who fails in the examination will not be eligible to take the next examination but only that following the next examination or subsequent examination.

7. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

8. Candidates must pay the prescribed fee of Rs. 8/- (Rupees eight only) for general candidates and Rs. 2/- (Rupees two only) for Scheduled Caste/Scheduled Tribe candidates either by postal orders or bank draft. No fees are payable by ex-servicemen.

9. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission to the examination.

10. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

(i) obtaining support for his candidature by any means or

(ii) impersonating; or

(iii) procuring impersonation by any person; or

(iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or

(v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or

(vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or

(vii) using unfair means during the examination; or

(viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or

(ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or

(x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or

(xi) attempting to commit or, as the case may be abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination fee which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

(i) by the Commission from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government, from any employment under them; and

(c) to disciplinary action under the oppropriate rules.

11. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in one list, in the order of merit, as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, in that order so many candidates as are found by the mended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination in the Central Secretariat Stenographers' Service Grade 'D'.

Provided that the candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Staff Selection Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota subject to the fitness of those candidates for selection to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination. Ex-servicemen who are considered by the Commission to be suitable for appointment on the results of the examination shall be eligible to be appointed against the vacancies reserved for them irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that ex-servicemen belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission, by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the quota of vacancies reserved for ex-servicemen, subject to the fitness of these candidates for selection to the service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that if any ex-serviceman belonging to the Scheduled Caste or Scheduled Tribe is selected, his selection shall be counted against the overall quota of reservations as that shall be provided for the Scheduled Castes/Scheduled Tribes in accordance with the orders issued by the Central Govt. from time to time.

Note : Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be appointed to Grade D of the Service on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for appointment as a Stenographer Grade 'D' on the basis of his performance in this examination as a matter of right.

12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

13. Success in the examination confers no right to selection unless the Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his conduct in service, is suitable in all respects for selection.

A candidate who, after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment or otherwise quits the service or severs his connection with it, or whose services are terminated by his department or who is appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer and does not have a lien on Central Secretariat Clerical Service will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a candidate who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

H. G. MANDAL, Under Secy.

APPENDIX I

Candidates will be given one dictation test in English or in Hindi at 80 words per minute for 10 minutes. The candidates who opt to take the test in English will be required to transcribe the matter in 65 minuts and the candidates who opt to take the test in Hindi will be required to transcribe the matter in 75 minutes respectively. The shorthand tests will carry a maximum of 300 marks.

Note : Candidates who opt to take the shorthand tests in Hindi will be required to learn English Stenography and vice versa, after their appointment.

2. Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

APPENDIX II

PROFORMA

STAFF SELECTION COMMISSION

GRADE 'D' STENOGRAPHERS COMPETITIVE EXAMINATION

Closing Date : 10th of the month previous to the month of the Examination.

Signed passport size photograph of the candidate to be pasted here. Another signed photograph should be firmly attached to the application

(1) Particulars of Postal Orders/Bank Draft and the value _____

(2) Name of the candidate (In capital letters) Shri /Smt. /Kumari— _____

(3) Exact date of birth (in Christian Era) _____

(4) Name and address of office where working _____

_____

(5) Are you a

(i) Scheduled Caste _____

(ii) Scheduled Tribe _____

(iii) Ex-Serviceman _____

(iv) Physically handicapped person ? Answer 'Yes' or 'No'. _____

(6) (i) Father's Name _____

(ii) Husband's name (in case of lady candidate) _____

(7) State the language (Hindi or English) in which you wish to take the shorthand test. _____

(8) Whether appeared in the previous Examination; if so, indicate the Month and Roll No. _____

(9) Are you a permanent or temporary regularly appointed officer of the Lower Division Grade/Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service and have rendered not less than two years' approved and continuous service in the relevant grade on the 1st January of the year in which the Examination is held. _____

(10) In case you are on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority or the ex-cadre post is on transfer basis, state whether you continue to hold a lien on the previous post. _____

_____

SIGNATURE OF CANDIDATE

TO BE FILLED BY THE HEAD OF DEPARTMENT OF THE OFFICE WHERE THE CANDIDATE IS SERVING

Certified that :-

(i) the entries made by the candidate in columns of the application have been varified with reference to his/her service records and are correct.

(ii) his application has been scrutinised and it is certified that he fulfils all the conditions laid down in the rules and is eligible in all respects to appear at the examination.

Signature— _____

Name— _____

Designation— _____

Deptt./Office— _____

No. _____

Date _____

NOTE : A candidate who once fails can take the examination only after another three months, i.e. a candidate who fails in the examination to be held in April, can take the examination to be held in August or subsequently.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 20th February 1982

Rules

No. 81/E(GR)I/2/65.—The Rules for a combined competitive examination Engineering Services Examination—to be held by the Union Public Service Commission in 1982 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information :—

CATEGORY I. CIVIL ENGINEERING

Group A Services/Posts

(i) Indian Railway Service of Engineers;

(ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts);

(iii) Central Engineering Service;

(iv) Military Engineering Services (Building and Roads Cadre);

(v) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts);

(vi) Central Engineering Service (Roads);

(vii) Assistant Executive Engineers (Civil), (P &T) (Civil Engineering Wing) .

(viii) Assistant Executive Engineer (Civil), Border Roads Engineering service.

(ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.

Group B Services/Posts

(x) Assistant Engineer (Civil) P & T Civil Engineering Wing;

(xi) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing. All India Radio.

CATEGORY II. MECHANICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

(i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers;

(ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);

(iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);

(iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);

(v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);

(vi) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering posts);

(vii) Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India.

(viii) Drilling Engineer (Junior) in the Geological Survey of India.

(ix) Assistant Manager (Factories) P & T Telecom. Factories Organisation);

(x) Assistant Executive Engineer (Elect. & Mech.) (Mechanical Engineering Posts) Border Roads Engineering Service.

(xi) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, Ministry of Defence;

(xii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service. (Mechanical Engineering Posts);

(xiii) Posts of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Posts);

(xiv) Indian Supply Service (Mechanical Engineering Posts).

Group B Services/Posts

(xv) Assistant Mechanical Engineer, in the Geological Survey of India;

CATEGORY III. ELECTRICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

(i) Indian Railway Service of Electrical Engineers.

(ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);

(iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts);

(iv) Indian Ordnance Factories Service Engineering Branch (Electrical Engineering Posts);

(v) Indian Naval Armament Service; (Electrical Engineering Posts);

(vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);

(vii) Assistant Executive Engineer (Electrical P and T Civil Engineering Wing);

(viii) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence;

(ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post);

(x) Indian Supply Service (Electrical Engineering Posts).

Group B Services/Posts

(xi) Assistant Engineer (Electrical) P & T Civil Engineering Wing);

(xii) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio;

(xiii) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

CATEGORY IV ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING.

Group A Services/Posts

(i) Indian Railway Service of Signal Engineers;

(ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts);

(iii) Indian Telecommunication Service;

(iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation; Ministry of Communications;

(v) Deputy Engineer-in-Charge in Overseas Communications Service;

(vi) Assistant Station Engineer in All India Radio;

(vii) Technical Officer in Civil Aviation Department;

(viii) Communication Officer in Civil Aviation Department;

(ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);

(x) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts);

(xi) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);

(xii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development, (Electronics and Telecommunication-Engineering Post).

Group B Services/Posts

(xiii) Assistant Engineer in the All India Radio;

(xiv) Assistant Engineer in Overseas Communications Service;

(xv) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

(xvi) Technical Assistant (Group B. Non Gazetted) in Overseas Communications Service;

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix-I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one or more of th ecategories of Services/posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the Services/posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

HE SHOULD NOTE THAT HE WILL BE CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO THOSE SERVICES/POSTS ONLY FOR WHICH HE EXPRESSES HIS PREFERENCE AND FOR NO OTHER SERVICE/POST.

N.B. (i)—NO REQUEST OR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ., CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

N.B. (ii)—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination under rule 5(b) will be eligible to compete only for the Services/posts mentioned therein and their preferences for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso and preferences for other Services and posts if any, will be ignored.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act 1970 the North Eastern Area Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order 1964, the constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970; the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.

4. A candidate must be either :—

(a) a citizen of India, or

(b) a subject of Nepal, or

(c) a subject of Bhutan, or

(d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour certificate of eligibility has been issued by Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 27 years on the 1st August 1982 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1955 and not later than the 1st August, 1962.

(b) The upper age-limit of 27 years will be relaxable up to 32 years in the case of the Government servants of the following categories if they are employed in a Department Office under the control of any of the authorities mentioned in column I below and apply for admission to the examination for the corresponding service(s)/post(s) mentioned in Column 2.

(i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned.

This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.

(ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 1982.

Column 1	Column 2
Railway Department	I.R.S.E. I.R.S.E.E. I.R.S.S.E. I.R.S.M.E. I.R.S.S.
Central Public Works Department	C.E.S. Group A C.E. & M.E.S. Group A
Engineer-in-Chief Army Headquarters	M.E.S. Group A (B & R Cadre) M.E.S. Group A (E. & M. Cadre)
Directorate General, Ordnance Factories	I.O.F.S., Group A
Central Water Commission	C.W.E. (Group A) Service.
Central Electricity Authority	C.P.E. (Group A) Service.
Geological Survey of India	Mechanical Engineer (junior), Group A.
Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation Overseas Communication's Service	Engineer (Group A) Deputy Engineer-in-Lharge (Group A) Assistant, Engineer (Group B) Technical Assistant (Group B Non-Gazetted).
All India Radio	Assistant Station Engineer (Group A) Assistant Engineer (Group B) Assistant Engineer, Group B (Civil/Electrical) Civil Construction Wing A.I.R.
Civil Aviation Department	Technical Officer (Group A) Communication Office (Group A)
Indian Navy	Indian Naval Armament Service.
P. & T. Department	Indian Telecommunication Service Group A Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Group A, P & T Civil Wing. Assistant Engineer (Civil/Electrical) Group B, P & T Civil Wing. Assistant Manager (Factories) Group A, P&T Telcom. Factories Organisation.
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service.
Directorate General of Technical Development	Assistant Development Officer (Engineering) Group 'A'.
Directorate General of Supplies and Disposals	I.S.S. Group A.

NOTE.—The period of apprenticeship, if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession.

(c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable :

(i) Up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) Up to a maximum of three years, if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and the 25th March, 1971.

(iii) Up to a maximum of three years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iv) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin, from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;

(v) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;

(vi) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;

(vii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(viii) Up to a maximum of three years in the case of Defence Services personel, dnisabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;

(ix) Up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(x) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;

(xi) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

(xii) Up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania formerly Tanganyika and Zanzibar or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

(xiii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona-fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

(xiv) Up to a maximum of five years in case of exservicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment.

(xv) Up to a maximum of ten years in case of exservicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

N.B.—The Candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled, if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application, to the department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application has been forwarded by his parent department.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must have—

(A) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or

(B) passed Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or

(C) obtained a degree/diploma in Engineering from such foreign Universities/College/Institutions, and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or

(D) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or

(E) passed Associate Membership Examinations Parts II and III/Sections A and B of the Aeronautical Society of India; or

(F) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November, 1959.

The Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers London, held prior to November, 1959 is also acceptable subject to the following conditions :—

(1) that the candidates who have passed the examination held prior to November, 1959, should have appeared and passed in the following additional papers according to post-1959 scheme of Graduate Membership Examination :

(i) Principles of Radio and Electronics I (Section 'A').

(ii) Mathematics II (Section 'B').

(2) that the candidates concerned should produce certificate from the Institution of Electronics and Radio Engineers, London, in fulfilment of the condition prescribed at (1) above.

Provided that a candidate for the posts of Engineer, Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communication; Deputy Engineer-in-Charge, Group A, in Overseas Communication Service; Assistant Station Engineer, Group A, in All India Radio; Indian Naval Armament Service, (Electronics Engineering Posts); Assistant Engineer, Group B, in all India Radio; Assistant Engineer, Group B in Overseas Communications Service and Technical Assistant (Group B Non-Gazetted) in Overseas Communication Service, may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below namely;

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics, or Radio Engineering as a special subject.

Note 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result may, apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 30th October, 1982.

Note 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

Note 3.—A candidate who is otherwise, qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

(i) obtaining support for his candidature by any means; or

(ii) impersonating; or

(iii) procuring impersonation by any person; or

(iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or

(v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or

(vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or

(vii) using unfair means during the examination; or

(viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or

(ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or

(x) harassing or doing bodily harm to the staff-employed by the Commission for the conduct of their examinations; or

(xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

(i) by the Commission, from any examination for selection held by them.

(ii) by the Central Government, from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the interviews the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended

for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services/posts irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/posts at the time of their application.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such an enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination, are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Sundays and closed holidays except second Saturdays). For this purpose, the successful candidates will be required to present themselves before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations or in its venue would ordinarily be acceded to.

The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.

The attention of the candidates is invited to the regulations relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to services for which they have competed/expressed preference to the UPSC.

The candidates may also please note :

(i) a sum of Rs. 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;

(ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and

(iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS.

In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services Personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof the standards will be relaxed consistent with requirements of each Service.

18. No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other ground for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to pass after entry into service.

20. Brief particulars relating to the Service/posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

HIMMAT SINGH,
Secretary

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

PART I—The written examination will comprise two sections—Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Sections will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz., Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The standard and syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details

of the written examination i.e. subjects, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below.

PART II—Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Category I—CIVIL ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test . .		2 hours	200
(Part A; General English .	01		
Part B; General Studies) .	02		
Civil Engineering Paper I .	11	2 hours	200
Civil Engineering Paper II .	12	2 horus	200
Section II—Conventional Papers			
Civil Engineering Paper I .	13	3 hours	200
Civil Engineering Paper II .	14	3 hours	200
Total . .			1000

Category II—MECHANICAL ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test . .		2 hours	200
(Part A : General English .	01		
Part B : General Studies) .	02		
Mechanical Engineering Paper I . . .	21	2 hours	200
Mechanical Engineering Paper II . . .	22	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Mechanical Engineering Paper I . . .	23	3 hours	200
Mechanical Engineering Paper II . . .	24	3 hours	200
Total . .			1000

Category III—ELECTRICAL ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test . .		2 hours	200
(Part A: General English) .	01		
Part B: General Studies) .	02		
Electrical Engineering Paper I . . .	41	2 hours	200
Electrical Engineering Paper II . . .	42	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Electrical Engineering Paper I . . .	43	3 hours	200
Electrical Engineering Paper II . . .	44	3 hours	200
Total . .			1000

Catetory IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test . .		2 hours	200
(Part A : General English .	01		
Part B : General English) .	02		
Electronics & Telecommunication Engineering Paper I.	61	2 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II	62	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Electronics & Telecommunication Engineering Paper I	63	3 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II	64	3 hours	200
Total . .			1000

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidates capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional paper of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

NOTE—Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the examination hall for reference purposes, wherever considered necessary.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They *should not*, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

SCHEDULE TO APPENDIX I

Standard and Syllabus

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering/Science Graduate. The standard of papers in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ABILITY TEST

Part A :—General English (Code No. 01) : The question paper in General English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words.

Part B :—General Studies (Code No. 02) : The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

CIVIL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 11 for objective type paper and 13 for conventional paper)

1. Building Materials and Construction.

   Stones, Timber, Bricks, Cement, Mortar, Concrete, Masonry, Steel.

2. Solid Mechanics.

   Stresses, Strains, Failure Theories of solid materials, Simple bending and torsion theories, shear centre.

3. Graphic Statics

   Force Polygon, stress diagram.

4. Structural Analysis.
   Analysis of truses and frames
   Introduction to plastic Analysis

5. Design of Metal Structures
   Working stress and ultimate strength design of simple structures.

6. Design of concrete and Masonry Structures
   Design of masonry walls, working stress design of plain, reinforced and prestressed concrete; ultimate strength design of reinforced and prestressed concrete.

Paper II (Code No. 12 for objective type papers and 14 for conventional paper)

1. Fluid Mechanics, Water Resources E

   Open channel and pipe flow, Hydrology, Design of canals, and hydraulic structures.

2. Soil Mechanics and Foundation Engineering
   Strength parameters, Earth pressure Theories, Design of Shallow and deep foundations.

3. Transportation Engineering including Surveying.
   Roads superelevation, Ruling gradient, pavements, Traffic controls, Design considerations.

4. Environmental Engineering
   Water purification, Sewage treatment and disposal.

5. Construction, Planning and Management
   Element of construction practice, Bar charts, CPM, PERT.

MECHANICAL ENGINEERING

For both objective and conventional type papers

Paper I (Code No. 21 for objective type paper and 23 for conventional paper)

1. Thermodynamics
   Laws Properties of ideal gases and vapours, Power cycles, Gas Power Cycles, Gas Turbine Cycles, Fuels and Combustion.

2. I. C. Engines

   C.I. and S.I. Engines Detonation. Fuel injection and carburation. Performance and Testing. Turbo jet and Turbo prop. Engines, Rocket Engines, Elementary knowledge of Nuclear Power Plants and Nuclear Fuels.

3. Steam Boilers, Engines, Nozzles and Steam Turbines Modern boilers. Steam Turbines types. Flow of Steam through nozzles. Velocity diagrams for Impulse and Reaction Turbines. Efficiencies and Governing.

4. Compressors, Gas Dynamics and Gas Turbines. Reciprocating, centrifugal and axial flow compressors. Velocity diagrams. Efficiency and performance. Effect of Mech. number on flow, Isentropic flow. Normal Shocks and Flow through nozzles. Gas Turbine Cycle with multistage compression Reheating and Regeneration.

5. Heat Transfer. Refrigeration and Air conditioning Conduction. Connection and Radiation. Heat exchangers; types, Combined Heat Transfer. Overall Heat Transfer coefficient. Refrigeration and heat pump cycles. Refrigeration systems. Coefficient of performance. Psychrometric and psychrometric chart. Comfort indices. Cooling and dehumidification methods. Industrial Air-conditioning Processes. Cooling and heating loads calculations.

6. Properties and classification of fluids
   Fluid statics, kinematics and dynamics; principles and applications. Manometry and Buoyancy. Flow of ideal fluids. Laminar and turbulent flows. Boundary layer Theory. Flow over immersed bodies. Flow through pipes and Open Channels. Dimentional analysis and similitude technique.

   Non-dimentional specific speed and classification of fluid machines in general. Energy transfer relation Performance and operation of pumps and of impulse and reaction water turbines. Hydronamic power transmission.

PAPER II (Code No. 22 for objective type paper and 24 for conventional paper)

7. Theory of Machines

Velocity and acceleration (i) of moving bodies; (ii) in machines. Klein's construction Inertia forces in machines. Cams; Gears and Gearing. Fly wheels and Governors. Balancing of Rotating and Reciprocating masses. Free and forced vibrations of systems. Critical speeds and whirling of shafts.

8. Machine Design

Design of :—Joints—Threaded fasteners and Power Screws—Keys. Kotters. Couplings—Welded Joints. Transmission system :—Belt and chain drives—wire ropes—shafts.

Gears—siding and Rolling bearings.

9. Strength of Materials.

Stress and strain in two dimensions; Mohr's circles; relations between Elastic Constants.

Reams:—Bending moments, shearing forces and deflection.

Shafts :—Combined bending, direct and torsional stresses.

Thick Walled cylinders and spheres under Pressure. Springs. Sturts and columns. Theories of failure.

10. Engineering Materials

Alloys and Alloying Materials, heat treatment; composition; properties and uses. Plastics and other newer engineering materials.

11. Production Engineering

Metal Machining :—Cutting Tools; Tool Materials. Wear and Machinability, measurement of cutting forces.

Process :—Machining—Grinding, Boring, Gear Manufacturing, Metal forming. Metal casting and Joining, Basic, Special Purpose. Programme and numerically-Controlled machine Tools, Jigs and fixtures (locating elements).

12. Industrial Engineering

Work study and work measurement. Wage incentive. Design of Production System and Product Cost. Principles of Plant lay out. Production Planning and Control. Material handling. Operations Research. Linear Programming Queuing Theory. Value Engineering. Network Analysis. CPM and PERT. Use of Computers.

ELECTRICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 41 for—Objective type paper and 43 for conventional paper)

1. Electrical Circuits

Network theorems, Response of network to step, ramp, impulse and sinusoidal inputs. Frequency domain analysis. Two port networks elements of network synthesis. Signal-flow graphs.

2. EM Theory

Electrostatics : Magnetostatics using vector methods. Fields in dielectrics in conductors and in magnetic materials. Time varying fields, Maxwell's equations. Planewave propagation in conducting & Dielectric media, properties of Transmission lines.

3. Material Science : (Electrical Materials)

Band Theory. Behaviour of dielectrics in static and alternating fields. Piezoelectricity. Conductivity of Metals. Super conductivity, Magnetic Properties of materials. Ferro and ferri-magnetism. Conduction in Semiconductors, Hall effect.

4. Electrical Measurements

Principles of Measurement. Bridge measurement of Circuit parameters. Measuring Instruments. VTVM and CRO. Q-Meter, Spectrum analyser. Transeducers and measurement of non-electrical quantities. Digital measurement, telemetering, data recording and display.

Paper II (Code No. 42 for Objective type paper and 44 for conventional paper)

5. Elements of Computation

Digital system(algorithms, flow-charting.

Storage : Type statements, array storage Arithmatic expression, logical expressions. Assignments statements. Programme structure. Scientific and Engineering applications.

6. Power Apparatus & Systems

Electromechanics : Principles of electro-mechanical energy conversion. Analysis of D.C., synchronous and Induction Machines. Fractional horse-power motors. Machines in Control Systems. Transformers. Magnetic Circuits and Selection of motors for drives.

Power System : Power generation : Thermal, Hydro and Nuclear. Power Transmission, Corona, Bundle conductors. Power System Protection. Economic operation. Load frequency-control, stability analysis.

7. Control Systems

Open-loop and closed loop systems, Response analysis, Root-locus technique, stability, compensation and design techniques. State-variable approach.

8. Electronics & Communications

Electronics : Solid state devices and circuits. Small signal amplifier design, Feedback amplifiers, Oscillators and operational amplifiers. FET circuits and linear ICs. Switching circuits Boolean Algebra. Logic circuits, Combinational and sequential digital circuits.

Communications : Signal analysis. Transmission of signals. Modulation & Detection Various types of communication systems. Performance of communication systems.

ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 61 for Objective type paper and 63 for conventional paper)

1. Materials, Components and Devices

Structure and properties of electrical engineering materials. Passive components—types and properties Active components—types and properties.

Solid State Devices—Physics, Characteristics and models.

2. Net-work Theory

Net-work Theorems Steady State and transient response of electric circuits. Network analysis. Elementary network synthesis.

3. Electromagnetic Theory

Field theory. Transmission line theory. Antenna Theory. Propagation of electromagnetic waves in bounded and unbounded media.

4. Measurements and Instrumentation.

Measurement of basic electrical quantities. Measuring instruments and their principles of working. Transducers.

Measurement of non-electrical quantities.

Paper II (Code No. 62 for Objective type paper and 64 for Conventional paper)

1. Linear and Non-linear Analog Circuits.

Basic Linear electronic circuits Pulse shaping circuits. Wave form Generators. Stabilizers.

2. Digital Circuits

Logic circuits and Gates. Computing Circuits. Combinational and sequential circuits.

3. Control Systems

Feedback theory. Control system components. Response of Control Systems. Design of practical system.

4. Communication Systems

Basic Information Theory. Modulation and Detection processes. Various types of communication systems. Radio and Line communications. Television and Radar, Navigational Aids. Satellite communication-principles.

5. Microwave Engineering

Microwave Sources. Microwave Components and networks. Measurement at microwave frequencies. Microwave Communication Systems.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide-lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

(b) However, for certain Services the minimum standards for height and chest girth, without which candidates cannot be accepted, are as follows :—

Name of Services	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Railway Engineering Services, (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A in the C.P.W.D.			
(a) For Male candidates .	152 cm.	84 cm.	5 cm.
(b) For Female candidates .	150 cm.	79 cm.	5 cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidate belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc., whose average height is distinctly lower.

(c) For the Military Engineer Services, Group A the Indian Ordnance Factories Service Group A and Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B' a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

3. The candidate's height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements, fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms—fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidates eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) *General.*—The candidates eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are ikely at future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Services	Distant Vision		Near Vision	
	Better eye (Corrected	Worse eye vision)	Better eye (Corrected	Worse eye vision)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
A. Technical				
1. Railway Engineering Service, (Civil Electrical Mechanical and Signal)				
2. Central Engineering Service Group A, Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A, Central Water Egineering Service Group A, Central Power Engineering Service Group A, Central Engineering Service-(Roads) Group A and Indian Telecommunication Service Group A, Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical Group A, (P & T) Civil Engineering Wing) Assistant Engineer Civil & Electrical Group B (P & T) Civil Engineering Wing); Post of Engineer, Group A, in W.P. & C. Wing Monitoring Organisation Ministry of Communications/ Deputy Engineer-in-Charge, Group A in OCS, Assistant Station Engineer, Group A, In AIR, Technical Officer, Group A, in Civil Aviation Department; Communication Officer Group A, in Civil Aviation Deptt. Indian Naval Armament Service, Indian Ordnance Factories Service, Group A, Border Roads Engineering Service Group A Assistant Engineer, Group B in AIR, Assistant Engineer, Group B in OCS and Technical Assistant (Group B Non-Gazetted) in OCS Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.	6/6 or 6/9	6/12 6/9	J I	J II
3. Military Engineer Services, Group A, and post of Assistant Manager (Factories) Group A. P & T Telecommunication Factories Organisation Workshop officer, Group 'A' and Group 'B'.	6/6 6/9	6/18 6/9	J I	J II

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
B. Non-Technical				
4. Indian Railway Stores Service, Drilling Engineer (Junior) Group A, Mechanical Engineer (Jr.) Group A and Assistant Mechanical Engineer (Group 'B') in the Geological Survey of India. Indian Supply Service, Group A in DGS&D. Assistant Director (Technical) Group 'A' (Mechanical Engineering Post) in the Department of Heavy Industry (Ministry of Industry).	6/2	6/12	J I	J II

NOTE : (1)

(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed —4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed + 4.00 D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways is found unfit on grounds of high myopia, the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at A above except the Indian Telecommunication Service, Group A and Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

Colour perception should be graded into a higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher grade of colour perception	Lower grade of colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16′	16′
2. Size of aperture . . .	1·3 mm	13 mm
3. Times of exposure . . .	5 seconds	5 seconds

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other Services connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Services/posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below :—

Technical Services or posts requiring higher grade colour perception

(i) Railway Engineering Services.

(ii) Central Engineering Services.

(iii) Central Engineering Service (Roads).

(iv) Central Power Engineering Service.

(v) Communication Officer Group 'A', Civil Aviation Department.

(vi) Technical Officer Group 'A' Civil Aviation Department.

(vii) Assistant Manager (Factories) Group 'A', (P&T) Telecom. Factories Organisation).

(viii) Border Roads Engineering Service Group 'A'.

(ix) Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B'.

Technical Services or posts requiring lower grade colour Perception

(i) Central Engineering Service.

(ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.

(iii) Indian Naval Armament Service.

(iv) Indian Ordnance Factory Service.

(v) Central Water Engineering Service.

(vi) Assistant Executive Engineer, (Civil & Electrical), Group A (P&T, Civil Engineering Wing).

(vii) Assistant Station Engineer, Group 'A', in AIR.

(viii) Engineer Group 'A' in Wireless, Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation.

(ix) Dy. Engineer-in-charge Group 'A', Overseas Communication Service.

(x) Assistant Engineer (Civil, Electrical, Telecom. & Electronics), Group 'B', A.I.R.

(xi) Assistant Engineer (Civil & Electrical) Group 'B' (P.&T. Civil Engineering Wing).

(xii) Assistant Engineer, Group 'B' Overseas Communications Service.

(xiii) Technical Assistants Group 'B' (Non-gazetted) Overseas Communications Service.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridges Green's lanterns shall be used for testing colour vision.

NOTE (3) *Fleld of vision.*—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (4) *Night Blindness.*—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is preschibed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo tests for night blindness when considered necessary by the Medical Board.

NOTE (6) *Ocular conditions, other than visual acuity.*—

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Squint.*—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is ambylyopic or has sub-normal vision, the usual effect be that the person lacks steroscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has :

(i) 6/6 distant vision and J1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for posts/Services classified as "TECHNICAL".

NOTE (7) *Contact Lenses.*—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses, is not to be allowed.

NOTE (8) It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 footcandles.

NOTE (9) It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

7. Blood pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic presure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age general rule 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electro-cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercises or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be free from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 m.m. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case, it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Service, the Military Engineer Services, the Indian Telecommunication Service Group A, Central Engineering Service Group A, Central Electrical Engineering Service Group A and the Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidenes for the medical examining authority in this regard :—

1	2	3
(1)	Marked or total deafness in one ear other ear being normal.	Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.
(2)	Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.	Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.
(3)	Perforation of tympanic membrane or Central or marginal type.	(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit Under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below. (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit. (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.
(4)	Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.	(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity —Fit for both technical and non-technical jobs. (ii) Mastoid cavity of both sides, Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.
(5)	Persistently discharging ear operated/unoperated.	Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.
(6)	Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms— Temporarily unfit.
(7)	Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx Fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit.
(8)	Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.	(i) Benign Tumours— Temporarily Unfit. (ii) Malignant Tumours.— Unfit.
(9)	Otosclerosis	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.
(10)	Congenital defects of ear, nose or throat.	(i) If not interfering with functions—Fit. (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
(11)	Nasal Poly	Temporarily Unfit.

(b) that his/her speech is without impediment ;

(c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filed teeth) will be considered as sound ;

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient : and that his heart and lungs are sound ;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease ;

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, varicose, veins or piles ;

(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints ;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease ;

(j) that there is no congenital malformation or defect ;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution ;

(l) that he bears marks of efficient vaccination ;

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or abberation: the Chairman of the Board may consult a Hospital psychiatrist Psychologist etc.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The Candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such a manner as may be prescribed by the Government of India, Ministry of Railways in this behalf: This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by the Appellate Medical Moard whereas in the case of others it will be forfeited. The candidates may, if they like enclose medical certificate in support of their claim of being fit. The appeals should be submitted within 21 days of the date of communication in which the decision of the first Medical Board is conveyed to the candidate: otherwise requests for medical examination by an appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board will be arranged only at candidate's own cost. No travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination of the Appellate Medical Board. Necessary action to arrange medical examination by the Appellate Medical Board will be taken by the Ministry of Railways on receipt of appeals accompanied by the prescribed fees within the stipulated time.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments, in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) *Candidates' statement and declaration*

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (block letters).....
.....
.....
.....

2. State your age and birth place.....
.....

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower ? Answer 'Yes' or 'No', and if the answer is, 'Yes', state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism appendicitis;

(b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

.....
.....

4. When were you last vaccinated ?

5. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause.

.....
.....
.....

6. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Fathors' age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
(1)	(2)	(3)	(4)

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause o death
(5)	(6)	(7)	(8)

7. Have you been examined by a Medical Board before ?

.....
.....
.....

8. If answer to the above is yes, please state what Service(s)/post(s) you were examined for ?

9. Who was the examining authority ?

10. When and where was the Medical Board held ?

.....
.....
.....

11. Result of the Medical Board's examination. If communicated to you or if known.....
.....

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence

Signature of Chairman of the Board

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate) Physical examination.

1. General development ..... Good ..... Fair ..... Poor ..... Nutrition : Thin ..... Average ..... Obese ..... Height (without shoes) ..... Weight ....., Best Weight ..... When ? ..... Any recent change in weight ..... Temperature .....

Girth of chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease .....

3. Eyes

(1) Any disease .....

(2) Night Blindness .....

(3) Defect in colour vision .....

(4) Field of vision .....

(5) Visual acuity .....

(6) Fundus Examination .....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses Sph.	Cyl.	Axis.
Distant Vision	R.E. L.E.				
Near Vision	R.E. L.E.				
Hypermatropia (Manifest)	R.E. L.E.				

4. Ears : Inspection ..... Hearing Right Ear ..... Left Ear .....

5. Glands ..... Thyroid .....

6. Condition of teeth .....

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.

....
.....
If yes, explain fully .....

8. Circulatory system :

(*a*) Heart : Any organic lesions
Rate ..... Standing .....
After hopping 25 times .....
Two minutes after hopping .....

(*b*) Blood Pressure : Systolic .....

Diastolic .....

9. Abdomen : Girth ..... Tenderness .....
Hernia.....

(*a*) Palpable Liver ..... Spleen .....

.....

.....

..... Kidneys .....

..... Tumours .....

(*b*) Haemorrhoids ..... Fistula .....

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities.....

11. Loco-Motor System : Any abnormality .....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele etc., Urine analysis :
(a) Physical Appearance .....
(b) Sp. Gr.....
(c) Albumen .....
(d) Sugar .....
(e) Casts.....
(f) Cells.....

13. Report of X-Ray Examination of Chest.....

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate.

NOTE.—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 9.

15. For which Services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit ?

Is the candidate fit for Field Service ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

(i) Fit.....

(ii) Unfit on account of.....

(iii) Temporarily unfit on account of .....

President.....

Member.....

Place.....

Date.....

APPENDIX III

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/ POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION

1. Indian Railway Service of Engineers, Indian Railway Service of Electrical Engineers, Indian Railway Service of Signal Engineers, Indian Railway Service of Mechanical Engineers and Indian Railway Stores Service.

(a) *Probation* :—Candidates recruited to these Services will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one year's probation in a working post. If the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the working post is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered necessary by the Government.

(b) *Training* :—All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular Service/post at such places and in such manner and pass such examinations during this period as the Government may determine from time to time.

(c) *Termination of appointment* :—(i) The appointment of probationers can be terminated by three months' notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however, required in cases of dismissal or removal as a disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government, however, reserve the right to terminate the services forthwith.

(ii) If in the opinion of the Government, the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient. Government may discharge him forthwith.

(iii) Failure to pass the departmental examinations may result in termination of services. Failure to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation shall involve liability to termination of services.

(d) *Confirmation* :—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed departmental and Hindi examinations, the probationers will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respects.

(e) *Scales of pay* :

(i) *Junior Scale* :—Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.

(ii) *Senior Scale* :—Rs. 1100-(5th year or under)-50 1600.

(iii) *Junior Administrative Grade* :—Rs. 1500-60-1800-100-2000.

(iv) *Senior Administrative Grade-Level II* :—Rs. 2250-125/2-2500.

(v) *Senior Administrative Grade-Level I* :—Rs. 2500-125/2-2750.

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 2500 and Rs. 3500 to which the officers of the above Services are eligible.

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examinations during the period of probation may result in stoppage or postponement of increments.

(f) *Refund of the cost of training* :—If for any reasons which, in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationer, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not, however, be required to refund the cost of the training.

(g) *Leave* :—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) *Medical attendance* :—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) *Passes and Privilege Ticket Orders* :—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) *Provident Fund and Pension* : Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Services/posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

(l) *Liability to serve in Defence Services* :—The probationers appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :—

Provided that such person :—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

2. *CENTRAL ENGINEERING SERVICE, GROUP A AND CENTRAL ELECTRICAL & MECHANICAL ENGINEERING SERVICE, GROUP A.*

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they would be considered for confirmation or continuance in their appointment if permanent posts are available. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Services Group 'A' are eligible for promotion to the next hiher grade viz. Executive Engineer, after completion of five years service in the grade of Assistant Executive Engineer, subject to availability of vacancies, and on condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale.—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300

Senior Scale.—Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.

Administrative (Selection) Posts :

Superintending Engineers—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Chief Engineers (i) Rs. 2,250—125/2—2,500.
(ii) Rs. 2500—125/2—2,750.

Engineer-in-Chief—Rs. 3,000—100—3,500—(for Central Engineering Service Group A).

NOTE.—*The* pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

(i) *Central Engineering Service Group A*

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highways and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) *Central Electrical & Mechanical Engineering Service Group A*

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations electric substations and power houses, air conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops, procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

3. *MILITARY ENGINEER SERVICES GROUP A*—

(a) The selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. A probationer during his probationary period may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conlusion of the period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

Probationers will be required to pass the MES Procedure Supdts. (B/R & E/M) Grade I Examination and Hindi Test during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGYA" (equivalent to Matriculation standard).

(b) (i) The selected candidates shall if so required be liable to serve as commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any provided that such a candidate,

(ii) shall not be required to serve as aforesaid after, the expiry of ten years from the date of appointment,

(iii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(2) The candidates shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules of 1957 published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay admissible:

	Pay Scale
Asstt. Executive Engineer Asstt. Surveyor of Works	Rs. 700-40-900-EB-40-1,100-50-1,300.
Executive Engineer Surveyor of Works	Rs. 1100 (6th year or under)-50-1600.
Superintending Engineer	Rs. 1500-60-1800-100-2000.
Superintending Surveyor of Works Deputy Chief Engineer	Rs. 1500-60-1800-100-2000-plus in special Pay Rs. 200).
Chief Engineer	Rs. 2250-125/2-2500
Chief Surveyor of Works	under Consideration.

4. *INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE, GROUP A* :—

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 3 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General, Ordnance Factories/Chairman, O.F. Board. Probationer will undergo such practical training as shall be provided by the Government and may be required to pass such departmental and language tesst as Govt. may prescribe. The language tests will be a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any; provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be

medically examined in accordanace with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Time Scale . .	Rs 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.
Senior Time Scale . . .	Rs. 1100 (6th year or under) 50-1600
Junior Administrative Grade	Rs. 1500-60-1800-100-2000
Jr. dministrative Selection Grade . . .	Rs. 2000-125/2-2250.
Senior Administrative Grade Level-II . . .	Rs. 2250-125/2-2500.
Sr. Administrative Grade Level-I	Rs. 2500-125/2-2750.
Additional Director General Ordnance Factories/Member/ OF Board . . .	Rs. 3000. (Fixed)
Director General, Ordnance Factories/Chairman, OF Board .	Rs. 3500 (Fixed).

NOTE :—The pay of Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64/D(Appts) 1051/D(Civ-1), dated the 25th November 1965 as amended from time to time.

(d) Probationers are required to undergo Foundational course at Mussoorie/Nagpur.

(e) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

5. *INDIAN TELE-COMMUNICATION SERVICES, GROUP A* :

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Officers will also be required to pass professional and language tests.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :—

Provided that such person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

Senior Scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.

Junior Administrative Grade—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Senior Administrative Grade—

(i) Rs. 2,250—125/2—2,500

(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750.

NOTE.—The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 780 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunication Service Group A will not draw any increment till he passes the departmental examination.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Indian Telecommunication Service (Group A).

Assistant Divisional Engineers Telegraphs

Assistant Divisional Engineers Telegraphs will be Incharge of a Telegraphs/Telephone Engineering Sub-Division, Incharge of Carrier VFT, Coaxial, Microwave, Long Distance, Electrical and Wireless and will work generally under a Divisional Engineer. They may also attend to Project Organisation to carry out installation/construction job of various Telecommunication works.

Divisional Engineer

Divisional Engineers are placed Incharge of Telegraphs/Telephones Engineering Division including Long Distance, Coaxial, Microwave maintenance Divisions and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Engineers are attached to Projects Organisations, they will be required to do construction/installation job in the unit.

Senior Administrative Grade

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephone Districts and administration and Planning of Telecommunication installations research and development in telecommunication systems etc. Overall incharge of management and administration of Minor Telephone Districts, Telecommunication Circles etc.

Senior Administrative Grade

Head of Telecommunication Circle/Telephone District/Project Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. Deputy Director General in the P&T Board—Provides the top level assistance to the P&T Board in framing policy and in overall administration. Director Telecommunication Research Centre and Additional Director Telecommunication Research Centre responsible for overall research activities of the Telecommunication Research Centre.

6. *CENTRAL WATER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE*

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/ Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years;

Provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) *The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to higher grades of Deputy Director/Executive Engineer/ Superintending Engineer/Director (ordinary grade)/Director/Superintending Engineer (Selection Grade) and Chief Engineer after fulfilling the prescribed conditions.*

(iv) The scales of pay for Group 'A' Engineering posts in Central Water Commission are as follows :—

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

(1)	(2)
1. Assistant Director/Assistant Executive Engineer.	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.
2. Deputy Director/Executive Engineer	Rs. 1100 (6th year or under)-50-1600.
3. Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)	Rs. 1500-60-1800-100-2000.
4. Director Selection Grade Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 2000-125/2-2250.
5. Chief Engineer . . .	Rs. (i) 2250-125/2-2500 (Level II) Rs. (ii) 2500-125/2-2750 (Level I)

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service.

Assistant Director (Civil and Mechanical) :

Planning, Surveys, investigation and design of projects including preparation of estimates, reports etc. for the conservation and regulation of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.

Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical) :

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of cash and stores under his charge as well as work abstracts with certain accompaniments for each work in progress in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc. etc.

7. *CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE*

(i) *Description of the Organisation*

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission, Distribution and Utilization of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility, technical analysis, economic viability, etc. to ensure that the schemes would fit into the overall development of the States as well as the Regions and will conform the overall context of National economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy, power providing its main motive force.

(ii) *Description of the grade to which the recruitment is made through the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission.*

Sixty per cent of posts in the grade of Assistant Director/ Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 700—1300 are filled by direct recruitment on the results of the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission annually.

Persons appointed to the posts of Assistant Director/ Assistant Executive Engineer of the Central Power Engineering (Group A) shall be on probation for a period of two years provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof, as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation, the candidates may be required by the Government to undergo such courses of

training and instruction and to pass such examinations and tests as it may think fit, as a condition to satisfactory completion of probation.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any. Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) *Promotion to higher grades*

The officers appointed to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineers are eligible for promotion to Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade), Deputy Chief Engineer, Chief Engineer (Level II) and Chief Engineer (Level I), subject to availability of vacancies in the grades concerned, after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service Rules, 1965 as amended from time to time.

(iv) *Scale of pay*

The scale of pay for the posts of the Central Power Engineering (Group A) Service in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority.

S. No.	Name of Post	Scale of Pay
1.	Assistant Director/Assistant Executive Engineer	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.
2.	Deputy Director/Executive Engineer	Rs. 1100-(Sixth year or-under)-50-1600
3.	Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade)	Rs. 1500-60-1800-100-2000.
4.	Director/Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 2000-125/2-2250.
5.	Deputy Chief Engineer	Rs. 2000-125/2-2250.
6.	Chief Engineer (Level II)	Rs. 2250-125/2-2500.
7.	Chief Engineer (Level I)	Rs. 2500-125/2-2750.

NOTE : For purpose of fixation of pay on promotion from the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer to that of Deputy Director/Executive Engineer, Concordance Tables adopted on the recommendations of the Third Pay Commission, are applicable to the members of this Service.

(v) *Duties and responsibilities*

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection, operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution/Power Systems, studying project reports, providing assistance in preparation of power plans, designs of projects, etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

8. *CENTRAL ENGINEERING SERVICE (ROADS) GROUP A* :

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointments, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if any time during such period of probation or extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods or extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

The officers will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;

(c) The following are the rates of pay admissible :

Assistant Executive Engineer (Roads/Bridges/Mechanical) —Rs. 700—40— 900—EB—40—1,100 —50—1,300.

Executive Engineer (Roads/Bridges/Mechanical—Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.

Superintending Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Chief Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—

(i) Rs. 2,250—125/2—2,500.

(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750.

Additional Director General (Roads/Bridges)—Rs. 2,500—125/2—3,000.

Director General Roads Development)—Rs. 3,000—100—3,500.

NOTE : The pay of Government Servant, who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services,

Group A/Group B will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

To assist the senior technical officers at Headquarters and in the Regional Officers, etc. of the Roads Wing Ministry of Shipping and Transport in planning, preparing designs and estimates of Roads—Bridge works and scrutiny of proposals for such works received from the States.

9. POSTS IN THE GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA—

Persons recruited to the posts of Drilling Engineer (Junior) Mechanical Engineer (Junior) (Group A posts) and Assistant Mechanical Engineer (Group B posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. This period may be extended at the discretion of the Government. They will receive pay in the time scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300 and Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200 respectively. On completion of their period of probation satisfactorily, if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules subject to the availability of substantive vacancies.

The persons appointed to the posts of Drilling Engineer (Junior) Mechanical Engineer (Junior) and Assistant Mechanical Engineer in the Geological Survey of India, shall, if so, required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any;

Provided that such a person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Drilling Engineer (Junior) Mechanical Engineer (Junior) or Assistant Mechanical Engineer, Geological Survey of India, and

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules and instructions on the subject :—

A—For Drilling Engineer (Junior)—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

(i) Drilling Engineer (Senior)—Rs. 1,100—50—1,600.

(ii) Director (Drilling)—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

(iii) Deputy Chief Engineer (Drilling)—Rs. 1,800—100—2,000.

(iv) Deputy Director General (Engineering Service)—Rs. 2250—125/2—2500.

B—For Mechanical Engineer (Junior) (Group A)—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

Assistant Mechanical Engineer (Group B)—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40— 1,200.

(i) Mechanical Engineer (Senior)—Rs. 1,100—50—1,600.

(ii) Director (Mechanical Engineering) Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

(iii) Deputy Chief Engineer (Mechanical)—Rs. 1,800—100—2,000.

(iv) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 2250—125/2—2500.

The Officers recruited in the Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

Nature of duties & responsibilities attached to the posts in

Geological Survey of India

Mechanical Engineer

(Junior)

Maintenance & repairs of drills, vehicles & other equipment allotment of drivers & vehicles for various field duties and assignment, scrutiny and maintenance of P.S.L. issues and records, log books, history sheets etc.

Drilling Engineer (Junior)

Carrying out drilling operation in connection with mineral exploration with one or more drilling rigs, ensuring optimum percentage of core recovery, upkeeping of machinery and vehicles deployed in good order security of Government Stores and imprest placed at his disposal, maintaining stores and cash accounts and looking after the welfare of staff employed under him.

Assistant Mechanical Engineer

Attending to the repairs and maintenance of vehicles, drilling and other equipment, supervision of mobile workshop for attending to repairs in the field.

10. POSTS OF ASSISTANT MANAGER (FACTORIES), GROUP A IN THE P&T TELECOM. FACTORIES ORGANISATION :—

(i) Persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) shall be on probation for a period of two years.

(ii) During the period of probation, the candidates shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.

(iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager (Factories) shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The scales of pay for engineering posts in the P&T Telecom. Factories Organisation are as follows :—

(1) Assistant Manager (Factories)—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

(2) Assistant General Manager/Senior Engineer—Rs. 1,100—50—1,600.

(3) Deputy General Manager/Manager of Telecom. Factories—Rs. 1,500—60—1,800.

11. ENGINEERS (GROUP A) IN THE WIRELESS PLANNING AND COORDINATION WING/MONITORING ORGANISATION, MINISTRY OF COMMUNICATIONS :—

(a) Scale of pay Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

(b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing/Engineer-in-Charge, Monitoring Organisation (Scale of Pay Rs. 1,100—50—1,600—plus Rs. 100/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Advisers and Engineers-in-charge with 5 years service in the Grade of Assistant wireles Adviser/Engineer-in-charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser (Scale Rs. 1,500—60—1,800). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group A posts.

Deputy Wireless Advisers with 5 years regular service in the Grade are eligible for consideration to the Grade of Director (Wireless Monitoring) (Scale Rs. 2,000—125/2—2,250). The vacancy in the Grade of Director is filled by promotion on the basis of selection.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.

(d) Any person appointed to the post of Engineer shall, if so required, be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years, including the period spent on training, if any.

Provided that such person :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(e) NATURE OF DUTIES AND RESPONSIBILITIES ATTACHED TO THE POST(S).

(i) To be in charge of monitoring stations, supervise the work of technical assistants, radio technicians and other staff placed under him;

(ii) Assuming charge of installation, operation and maintenance of specialised monitoring equipment including Frequency measuring equipment, Radio Direction Finders, ionospheric recorders, noise records etc.;

(iii) Determination of frequency requirements of different user departments and services;

(iv) Administration of international Radio Regulations and Agreements connected therewith.

(v) Preparation and maintenance of frequency records and associated documents;

(vi) Licensing and inspection wireless installations.

(vii) Drawing up specification of Radio Equipment;

(viii) Performance checks of various types of transmitters, receivers and associated apparatus.

(ix) Assistance in the conduct of examination for Certificate of Proficiency issued to Radio Operators;

(x) Investigation of propagation problems and allied research; and

(xi) Examination, analysis and coordination of data of Radio noise studies, ionospheric studies and field strength measurements etc.

12. DEPUTY ENGINEER-IN-CHARGE (GROUP A), ASSISTANT ENGINEER (GROUP B GAZETTED) AND TECHNICAL ASSISTANT (GROUP B NON-GAZETTED) IN THE OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE MINISTRY OF COMMUNICATIONS.

(a) Candidates selected for appointment as Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge will be appointed on probation for a minimum period of two years which may be extended if necessary.

(b) An Officer appointed as Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge will be liable to serve anywhere in India.

(c) In case of temporary appointment to the post of Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge apart from the conditions laid down in the bond which an officer may be required to execute, his service will be terminable by giving one month's notice on either side. It is, however,

left to the Department to terminate the service of a temporary employee by giving one month's pay and allowances in lieu of notice but the officer has no such option.

(d) Scales of pay.

(1) Technical Assistant : Rs. 550—25—750—EB—30—900.

(2) Assistant Engineer : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200.

(3) Deputy Engineer-in-Charge : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

(e) Prospects of promotion to higher grades.

(i) Technical Assistant : All Technical Assistants with a minimum service of three years in the grade are eligible for promotion to the grade of Assistant Engineer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB— 35—880— 40—1,000—EB—40—1,200, by selection on merit against 50 per cent vacancies reserved for departmental promotion.

(ii) Assistant Engineers : All Assistant Engineers with a minimum service of three years in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy Engineer-in-Charge in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300 by selection on merit against 75 per cent vacancies reserved for departmental promotion.

(iii) Deputy Engineer-in-Charge : The incumbent of the post of Deputy Engineer-in-Charge with a minimum service of three years in the grade of Deputy Engineer-in-Charge or Assistant Engineer is eligible for promotion to the post of Engineer-in-Charge scale Rs. 1,100—50—1,699) in the Overseas Communications Service on the successful completion of the period of probation which will be two years. The minimum service of three years in the case of officers directly recruited in the grade will be reckoned from the date of completion of training. The promotion to the grade of Engineer-in Charge will be on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for the post.

(iv) Engineer-in-Charge : The incumbent of the post of Engineer-in-Charge with a minimum service of three years in the grade of Engineer-in-Charge is eligible for promotion to the post of Director (Scale : Rs. 1,300—50—1,700) in the Overaseas Communications Service. Promotion to the Grade of Director will be on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for the post.

(v) Director : The incumbent of the post of Director with a minimum service of three years in the grade of Director is eligible for promotion to the post of Deputy Director General (Scale : Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000) in the Overseas Communications Service Promotion to the grade of Deputy Director General will be on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for the post.

(vi) Deputy Director General : The incumbent of the post of Deputy Director General with a minimum service of 7 years in the grade of Dy. Director General is eligible for promotion to the post of Additional Director Genreal (Scale : 2250—125/2—2500) in the Overseas Communications Service. Promotion to the grade of Additional Director General will be on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for the post.

(vii) Additional Director General : The incumbent of the post of Additional Director General with a minimum service of 2 years in the grade of Additional Director General is eligible for promotion to the post of Director General (Scale : Rs. 2500—125/2—2750) in the Overseas Communications Service. Promotion to the grade of Director General will be on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for the post.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(f) Any person appointed to the post of Technical Assistant, Assistant Engineer, or Deputy Engineer-in-Charge shall if so required be liable to serve in any Defence service or post in connection with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such persons :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

NOTE : The remaining conditions of service such as leave, travelling allowances on transfer/tours, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concessions, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc., will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

(a) Nature of duties and responsibilities attached to the post(s)—

1. DY. ENGINEER-IN-CHARGE : The incumbent of the post of Dy. Engineer-in-Charge in O.C.S. functions as a deputy to the Engineer-in-Charge and assists the latter in all technical matters relating to operation and maintenance of International Telecommunications equipment and is also responsible for management of staff, staff colony, water supply, electric supply, engineering, and stationery stores and so on.

The incumbents of the posts have not only to supervise technical work but also to engage themselves directly in the installation and upkeep of valuable telecommunications equipment, the very intensive utilisation of equipment characteristics of O.C.S. is dependent largely upon the ability of Deputy

Engineer-in-Charge to co-ordinate and execute work combining a degree of improvisation with reliability standards.

2. ASSISTANT ENGINEER : The incumbent of the post is generally incharge of shift and is responsible for operation and maintenance of equipment. He is required to take quick decision on the spot when any query is raised by foreign associates on technical matters and to rectify the faults.

The post is supervisory-*cum*-operational. The incumbent of the post exercises control over subordinates at the level of Technical Assistants, and junior Technical Assistants in his shift. While some members are engaged on Development and Research involving an element of applied research, all Assistant Engineers are required to be familiar with and should comply with international telecommunication standards.

3. TECHNICAL ASSISTANTS : The duties and responsibilities of the post involve adjustments of different Telegraph/Telephone and other wireless apparatus and equipments operation, maintenance and installation of high power Transmitters/Receivers of different kinds and attend to any fault therein. The incumbent is also required to control the entire circuit of radio terminal while speech is going on between two subscribers during an overseas telephone call.

13. ASSISTANT STATION ENGINEER (GROUP A) AND ASSISTANT ENGINEER (GROUP B) DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years.

(b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer, at any time to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the conditions of service laid down for employees of the Corporation.

(ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer or Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any;

Provided that such person :—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) insubordination, intemperance, misconduct or breach or non-performance of any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force, (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill health for the discharge of his duties.

In case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

(d) Scale of pay :—

(i) Assistant Station Engineer—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

(ii) Assistant Engineer—Rs. 650—30—740—35—810— EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(e) Prospects of promotion to higher grades :—

Assistant Engineer and Assistant Station Engineer :—

(i) Assistant Engineers with a minimum of 3 years service in the grade are eligible for promotion to the grade of Assistant Station Engineer in All India Radio in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 on the basis of selection against 40% vacancies reserved for departmental promotion, on the recommendations of the Departmental Promotion Committee.

(ii) Assistant Station Engineers with 5 years service in the grade are eligible for promotion to the grade of Station Engineer in All India Radio in the scale of Rs. 1100—50—1600 on the basis of selection on the recommendation of the Departmental Promotion Committee.

(iii) Station Engineers having 10 years regular service in Class I, of which 4 years service should be in the grade of Station Engineer, are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer in the pay scale of Rs. 1500—60—1800 on the basis of selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee.

(iv) Senior Engineers are eligible for promotion as Deputy Chief Engineer Rs. (1800—100—2000), Deputy Chief Engineers are eligible for promotion as Additional Chief Engineers (Rs. 2000—125/2—2250) who in turn also eligible for promotion to the post of Chief Engineer (Rs. 2500—125—3000).

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

NOTE.—The remaining conditions of service, such as leave travelling allowance on transfers/tour, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concessions, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc., will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

(f) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Station Engineer (Group A) and Assistant Engineer (Group B).

Assistant Station Engineer :

Design, installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. Responsibility for the supervision of the work of subordinate Engineers.

Assistant Engineer :

Installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. The responsibilities for supervising and carrying out duties during a shift.

14. Assistant Engineer (Group B) (Civil and Electrical), Civil Construction Wing, All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years.

(b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer at any time to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the conditions of service laid down for employees of the Corporation.

(ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer or Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any;

Provided that such person :—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) for insubordination intemperance, misconduct or breach or non-performance of any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force, (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill health for the discharge of his dutes.

In case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

(d) Assistant Engineer (Civil & Electrical) Rs. 650—30—740— 35—810— EB—35—880 —40—1000—EB—40—1200.

(e) Prospects of Promotion to higher grades :

(i) Assistant Engineers (Civil & Electricals), with a minimum of 8 years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Executive Engineer in the scale of Rs. 1100—50—1600.

(ii) Executive Engineers with a minimum of 7 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Superintending Engineer in the scale of Rs. 1500—60—1800—100—2000.

(iii) Superintending Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the post of Additional Chief Engineer (Civil) in the scale of Rs. 2000—125/2—2250.

Note.—The remaining conditions of service such as leave, travelling allowance on transfers/tour, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concessions, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc. will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

(f) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Engineer (Civil & Electrical) : To execute the works according to the norms and standards laid down for the same in designs and drawings.

15. TECHNICAL OFFICER (GROUP A) AND COMMUNICATION OFFICER (GROUP A) IN THE CIVIL AVIATION DEPARTMENT, MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION.

(a) The candidate selected for appointment will be appointed on temporary basis until further orders, as Communication Officer/Technical Officer. They will be on probation for a period of two years extendable, if necessary. Their appointment may be terminated at any time during the period of probation without notice. The candidate will have to undergo a course of training at the Civil Aviation Training Centre for a duration of 16 weeks as and when it is practicable after their appointment. They will be considered for confirmation in the grade of Communication Officer/Technical Officer as and when permanent posts for their confirmation become available.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the Officer in his appointment subject to availability of permanent vacancies or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government under this rule.

(e) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave, increment and pension in accordance with the rules for the time being in force and applicable to Officers of the Central Government. They will also be eligible to join the Central Provident Fund in accordance with the rules regulating that Fund.

(f) These Officers shall be liable for transfer anywhere in India for any field Service in and outside India during an emergency. They can also be asked to take up duties on board an aircraft in flight.

(g) The relative seniority of Officers appointed through the Engineering Service Examination will ordinarily be determined by the order of their merit in the Examination. Government of India, however, reserve the right of fixing the seniority at their discretion in individual cases.

The seniority of direct recruits vis-a-vis departmental candidates will depend upon the quotas prescribed in the Recruitment Rules, and will be in accordance with the orders that may be issued by the Government of India from time to time on the subject

(h) Prospects of promotion to higher grades :—

Promotion to the Grade of Senior Communication Officer/Senior Technical Officer :

Communication Officer/Technical Officers with a minimum of three years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Communication Officer/Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department subject to occurrence of vacancies in the scale of Rs. 1,100—50—1,600 on the basis of seniority-cum-fitness.

Promotion to the grade of Dy. Director/Controller of Communication :

Senior Communciation Officers/Senior Technical Officers who have a minimum of 3 years of regular service in that cadre are eligible for promotion to the grade of Dy. Director/Controller of Communication Organization in the scale of Rs. 1,500—60—1,800 on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C.

The next higher posts in the line of promotion in the Civil Aviation Department subject to selection by the DPC are Director of Communication; Director, Radio Construction and Development Units Director of Training and Licensing and Regional Director in the scale of Rs. 1,800—100—2,000, Deputy Director General in the scale of Rs. 2,000—125/2—2,500 and Director General in the scale of Rs. 3,000 (fixed).

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(i) These conditions of service are subject to revision according to the requirements of service. Candidates will not be entitled to any compensation if they are adversely affected by any changes in the conditions of service which may be introduced later on.

(j) The scale of pay for the posts of Communication Officer/Technical Officer in the Department of Aviation are given below :

(i) Communication Officer (Group A) Rs. 700—40—900—EB—1,100—50—1,300.

(ii) Technical Officer (Group A) : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

(k) Any person appointed to the post of Communication Officer/Technical Officer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such persons :—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten year from the date of appointments.

(b) shall not be ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) Nature of duties and responsibilities attached to the post(s) of Technical Officer Group A and Communication Officer Group A.

Technical Officer and Communication Officer

The above categories of officers are sometimes posted as Officer-in-Charge of Aeronautical Communication Stations which maintain a number of Radio Communication and Navigational equipment and employ a number of Technical/Operational staff to man the various equipments and operating positions.

In the larger A.C. Stations, however, the Communication and Technical Officers' work under the administrative control of a Senior Scale Officer. Under these conditions the duties performed by them would be exclusive of the day-to-day administration of the Station. They are also attached to subordinate Regional Headquarters and other offices.

The 'Technical Officers' along are also posted to the Radio Construction & Development Units/Central Radio Stores Depot where the work will be mainly connected with Testing & Installation of equipment and allied subjects.

DUTIES OF TECHNICAL/COMMUNICATION

OFFICERS FUNCTIONING AS OFFICERS-IN-CHARGE AERONAUTICAL COMMUNICATION STATIONS :—

General administration and disciplinary control over an A.C. Station, which includes—

(i) efficient maintenance of the various radio/navigational units;

(ii) disbursement of pay and allowances of the entire staff;

(iii) maintenance of accounts—CPWA accounts relating to stores, submission of periodical returns to the proper authorities etc.

(iv) provisions of adequate spare for the various equipments;

(v) deployment of staff of various categories at the Units under his charge;

(vi) adequate liaison with officers of the Aerodrome, Met., Airlines etc.

(vii) in general, to keep the Aeronautical Communication Station working at its optimum efficiency.

Duties of Technical Officer posted at a major station/Radio Construction and Development Units/Radio Stores Depot :

Acceptance testing, installation and subsequent day-to-day maintenance of Radio & Radar/Navigational equipments of various categories employed in the C.A.D.

Flight check of Navigational Aids of the Department according to international Standards.

Development work in connection with import substitution, fabrication of units for installation purposes, selection of sites for installation of navigational aids etc.

Procurement of spares of various categories from local and foreign agencies for the equipment in use in the department.

Duties of "Communication Officer" posted at the major stations

Responsible for the efficient functioning of the various operational facilities at the station including landline and radio Teletype channels. More circuits, Intercom and other local speech circuits.

If on shift, take complete charge of the entire shift to ensure that all the Technical units/telegraph circuits function properly.

Matters pertaining to Aeronautical Information Service—dissemination of Notices to Airmen. Briefing of Air Crew and allied matters.

16. *INDIAN NAVAL ARMAMENT SERVICE*

(a) Candidate selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of the competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service. During the period for probation, they will have to undergo a technical training course for a period of 9—12 months and are also to pass the departmental examination in not more than three attempts. In case they fail to pass in departmental examination their services will be liable to liable to be terminated at the discretion of the Government. They will also be required to sign a bond for Rs. 15,000 (the amount may vary from time to time) prior to proceeding on training for compulsory service in the Indian Navy for a period of three years after completion of the training.

(b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment (by competent authority). The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof.

(c) They will be subject to terms and conditions of Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subject to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.

(d) They will be liable for transfer anywhere in India or abroad.

(e) Scale of pay and classifications—Group A Gazetted

(i) Deputy Armament Supply Officer Grade II—Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.

(ii) Deputy Armanent Supply Officer Grade I—Rs. 1100-50-1600.

(iii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)—Rs. 1500-60-1800.

(iv) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)—Rs. 1500-60-1800-100-2000.

(v) Director of Armament Supply—Rs. 2000-125/2-2250.

(f) Prospects of Promotion to higher grades—

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade I DASOs Grade II with 5 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 1,100—1,600, on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course or the Naval Technical Staff Officers course at the I.A.T. Kirkee. The syllabus of

the Departmental examination is reproduced below :—

1. *Naval Armament Depot, Visakhapatnam*

(a) Shop-work (Three months)

(b) Gunwharf Technical Course I

37 weeks

(c) Ammunition Technical Course I

(d) Administration and Accounts Corse

(e) Visit to Balasore, Cossipore, Ishapore and Jabalpur.

2. *Gunnery School and TAS School*

3. Visits of Heavy Vehicle Factory AVADI and Cordite Factory, ARUVANKADU

2 1/2 weeks

4.*Na Armament Depot, Bombay*

(a) Gunwharf Technical Course II

(b) Ammunition Technical Course II

5 weeks

(c) Visit to Ordnance Factory, AMBARNATH.

5. *Institute of Armament Technology KIRKEE*

1. Visit to HE Factory, Ammunition Factory, ARDE and ERDL, KIRKEE 4 1/2 weeks

2. Visit to Ordnance Factory & Shell Arms Factory KANPUR *Enroute* Naval Headquaters, New Delhi 1/2 week

8. Naval Headquarters, New Delhi
Visit to Defence Science Laboratories 1 1/4 wee

DELHI, FINAL EXAMINATION

(ii) *Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)* Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) in the pay scale of Rs. 1500—60—1800/- on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iii) *Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)* Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 3 years service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) in the pay scale of Rs. 1500—60—1800—100—2000/- on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iv) *Director of Armament Supply*

Naval Armament Supply Officer (Selection Grade/ Ordinary Grade) with 5 years' service in the grade(s) are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 2000—125/2—2250/- on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

NOTE : The pay of the Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity immediately prior to his appointment as a probationer may be regulated subject to the provision of F.R. 22B(1) and the Corresponding article in CSR applicable to probationer in the Indian Navy.

(g) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Armament Supply Officer Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.

(i) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance of armaments, incorporating various mechanical electronics and electrical devices and system production and productivity.

(ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment for repair, maintenance and overhaul.

(iii) Developmental work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.

(iv) Providing of mechanical electronic and electrical spare for armaments.

(v) periodical callibration testing/examination of subassemblies and assemblies of mechanical electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedos mines and guns) measuring instruments etc.

(vi) Supply of armaments to fleet and Naval Establishments.

(vii) Rendition of technical advice to the service in all matters relating to mechanical, electronic and elec trical engineering in respect of armaments.

17. *BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE Group 'A'.*

(i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during the probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. At any time during the period of probation or on conclusion thereof, if his work and conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.

(ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.

(iii) The following are the rates of pay admissible to them :—

Assistant Executive Engineer—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Executive Engineer—Rs. 1,100 (6th year or under) —50—1,600.

Superintending Engineer—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Chief Engineer (Civil) Grade II—Rs. 2000—125/2—2250.

Chief Engineer (Civil) Grade I—Rs. 2,250—125/2—2,500.

(iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(v) The Officers appointed to the service are entitled to special compensatory allowance and free, ration at prescribed scales when employed in certain specified areas besides the other usual allowances such as H.R.A. and C.C.A. etc., as admissible to Central Government Servants. They are also entitled to outfit allowances for the uniform.

(vi) The Officers appointed to the Border Roads Engineering Service Group 'A' posts would also be subject to Army Act, 1950 for the purpose of discipline.

18. Assistant Executive Engineer/Assistant Engineer (Civil)/(Electrical) in P & T Civil Engineering Wing—

(a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available and if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training.

Provided that such persons—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Group B—AE(E/C) Rs. 650—30—740—35—810——EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Asstt. Executive Engineer Group A Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/-.

Executive Engineer/Surveyor of Works Rs. 1100—50—1600 Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works Rs. 1500—60—1800—100—2000.

CE. Rs. 2250—125/2—2500.

(c) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in P&T Civil Wing are as follows :—

Candidates recruited to P & T, Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P. & T. Department comprising of Residential Building, Office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Buildings, Factories, Store and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asstt. Executive Engineers/Asstt. Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development:—

(a) Persons recruited to the post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development will be on probation for a period of two years.

(b) The scale of pay of this Group A Gazetted post is Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1,300.

(c) Assistant Development Officers with 5 years service in the grade are eligible for promotion to the post of Development Officer in the Directorate General of Technical Development in the scale of pay of Rs. 1,100-50-1,500-EB-60-1,800. 60% of the posts in the cadre of Development Officer are filled by promotion. Development Officers are eligible for promotion as Industrial Advisers (Rs. 2,000-125/2-2,500). Industrial Adviser are eligible for promotion to the post of Deputy Director General (Rs. 2,500-125/2-3,000) and Deputy Director Generals in turn are eligible for promotion to the post of Director General Technical Development Rs. 3,000 likely to be reised in the light of the Pay Commission's recommendation).

(d) Any person appointed on the result of this competitive examination shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any;

Provided that such person——

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Development Officer :—

He is required to assist the Development Officer in the development of industries in the respective divisions viz., Mechanical Engineering, Industrial Machinery, Machine Tools, Electrical Engineering, Automobile, Electronic Engineering industries etc.

20. POST OF WORKSHOP OFFICER IN THE CORPS OF EME, MINISTRY OF DEFENCE :—

(a) Persons recruited to the post of Workshop Officer in the Corps of EME will be on probation for a period of two years.

(b) Candidates appointed to the post will be liable to serve anywhere in India.

(c) The following are the rates of pay admissible:—

(i) Workshop Officer Group 'B', Rs. 650—30—740—35—810 — EB —35— 880—40—1,000—EB—40—1,200.

(ii) Workshop Officer Group 'A', Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

(iii) Senior Workshop Officer Rs. 1,100—50—1,600.

(iv) Workshop Superintendent Rs. 1,500—60—1,800.

(v) Workshop Superintendent (Selection Grade):—Rs. 1,800—100—2,000.

(d) *Duties* :—To function as an incharge of a section undertaking repairs of 'A', 'B', and 'C' Vehicles, Guns, Wireless and Radar Equipment and Instruments, will be required to work as Workshop Officer in EME Army Base Workshops/Station Workshops and/or Staff EME (Extra Regimental Employment) appointments in lieu of captain (EME) or as Instructor in EME Training Establishments including administrative duties.

(e) The posts are non-pensionable in the initial stage, but become pensionable if and when made permanent. However, if a person holding a permanent pensionable post under Government is appointed he will continue to enjoy his pensionary status.

(f) Candidates selected for the post are bound for field service liability and should possess medical category 1 (ONE).

21. INDIAN SUPPLY SERVICE :—

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. On completion of the period of probation the officers, if considered fit, for permanent appointment, will be confirmed in their appointments subject to availability of permanent posts. The Goernment may extend the period of two years of probation.

If on the expiry of the period of probation or any extension thereof, the Government are of the opinion that an officer is not fit for permanent employment, or if at any time during such period of probation or extension thereof, they are satisfied that any officer will not be fit for permanent appointment on the expiry of such period or extension thereof they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

The officer will also be required to pass a prescribed test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any :—

Provided that such person—

(i) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Grade III—Junior (Group A) Scale Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

Grade II—Senior (Group A) Scale Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.

Grade I—Administrative Selection Posts—Rs. 1,500—60—1800—100—2,000.

Super time scale posts

(a) Rs. 2,000—125/2—2,250.

(b) Rs. 2,250—125/2—2,500.

(c) Rs. 2,500—125/2—2,750.

NOTE :—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to this appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Indian Supply Service Group A.

The main item of work of the officers of the Indian Supply Service is the purchase of stores as also disposal of surplus stores on behalf of Government of India, Public Sector Undertakings etc. The officers of the Indian Supply Service are expected to possess requisite technical backgrounds to deal with the diversified nature of Indents placed on the DGS&D and the Supply Wings of Embassies/High Commissions abroad.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1982